



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ४] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 26, 1980 (माघ 6, 1901)

No. 4] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 26, 1980 (MAGHA 6, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीभक्त, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

सं० ए० 19013/1/79-प्रशा०-I—भारत अर्थ सेवा के अधिकारी श्री विष्णु बिहारी को राष्ट्रपति द्वारा 11 दिसम्बर, 1979 के प्रपराह्न से भागामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन,  
अवर सचिव (प्रशा०)  
संघ लोक सेवा आयोग

#### गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग  
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, विनांक 4 जनवरी 1980

सं० ए०-19020/3/79-प्रशा०सन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० श्री० भावे, भारतीय पुलिस सेवा (1956-महाराष्ट्र) को दिनांक 20 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19036/19/79-प्रशा०सन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, 1-426GI/79

अपने प्रसाद से निम्नलिखित निरीक्षकों को उनके नाम के सामने दी गई तिथि से केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में स्थानापन्न पुलिस उप-मधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं:—

अधिकारी का नाम	नियुक्ति की तिथि
सर्वेश्वरी	
1. एम० क० शा	30-11-79 (पूर्वाह्न)
2. एस० श्रार० विश्वामित्र	28-11-79 (पूर्वाह्न)
3. एस० कुमार	17-12-79 (पूर्वाह्न)
4. श्री० एम० पण्डित	27-11-79 (प्रपराह्न)
5. यादव चन्द्र	30-11-79 (प्रपराह्न)
6. इन्दर सिंह	17-12-79 (पूर्वाह्न)
7. श्राई० एस० सरोजा	12-12-79 (पूर्वाह्न)

की० ला० प्रोवर,  
प्रशा०सन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 5 जनवरी 1980

सं० एफ० 2/23/78-स्थापना (सी० श्रार० पी० एफ०)—  
राष्ट्रपति श्री हरबन्स सिंह सेठी, स्थानापन्न जन सभार्क अधिकारी,

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को उसी ग्रेड में दिनांक 25-2-78 से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

2. इस महानिवेशालय का अधिसूचना संलग्न वही दिनांक 27-9-78 को रद्द भाना जाए।

सं० एफ० 4/14/79-स्थापना (सी० आर० पी० एफ०)—  
राष्ट्रपति श्री एम० एम० बेग, सहायक कमाण्डेन्ट 1 बटालियन,  
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का स्थागन दिनांक 17-11-1979  
(अग्रराह) से स्वीकार करते हैं।

बी० के० करकरा,  
सहायक निवेशक (प्रशासन)

#### महानिरीक्षक का कार्यालय

#### केन्द्रीय श्रौतोग्निक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 5 जनवरी 1980

सं० ई०-16014(5)/1/78-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री श्रद्धा शंकर सिंह, आसूचना ब्यरो के डी० सी० प्राई० ओ० ने 11 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से के० प्र० सु० ब० यूनिट डी० एस० पी० तुर्गापुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/20/79-कार्मिक—झासी को स्थानांतरित होने पर, श्री ईश्वर सिंह ने 13 दिसम्बर, 1979 के अग्रराह से के० प्र० सु० ब० ब० प्रशिक्षण रिजर्व, बी० प्राई० एल० भिलाई के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/10/79-कार्मिक—सेलम से स्थानांतरित होने पर श्री आर० बी० कुलविल्ला ने 10 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से के० प्र० सु० ब० यूनिट, बी० पी० टी० विशाखापत्नम, के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ह० अपठनीय  
महानिरीक्षक

#### भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 जनवरी, 1980

सं० 10/52/79-प्रशासन-1—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निवेशक (प्रोग्राम) के पद पर कार्यरत श्री बी० के० मराठा को उसी कार्यालय में तारीख 18 दिसम्बर, 1979 के अग्रराह से पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर, 1 वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, इनमें से जो भी अवधि कम हो, उप निवेशक (प्रोग्राम) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री मराठा का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री मराठा को उस ग्रेड में नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। उप निवेशक (प्रोग्राम) के पद पर उनकी तदर्थ सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी।

उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बनाए रद्द किया जा सकता है।

पी० पद्मनाभ,  
महापंजीकार

#### विसंभालय

#### (आर्थिक कार्य विभाग )

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 23 दिसम्बर 1979

सं० बी० एन० पी०सी०/5/79—इस कार्यालय की समांगक अधिसूचना दिनांक 26-9-79 के अनुक्रम में श्री आर० सी० प्रगवाल की तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवम् प्लेट निर्माण) के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि उन्हीं तीन पर दिनांक 25-12-79 से आगामी तीन माह के लिये या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो बढ़ाई जाती है।

पी० एस० शिवराम,  
महा प्रबन्धक

#### भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय आनंद प्रदेश-II

हैदराबाद-500476, दिनांक 4 जनवरी 1980

सं० डब्ल्य०एम०सी०/एच०/29/79-80/बोलूम III/1310—राज्य सरकार के दिनांक 20-11-79 के जापन सं० 304 वित्त और योजना (वित्त प्रभाग-निर्माण लेखा-1) विभाग, में जारी किए गए आदेशों के अनुसार आधार प्रदेश सरकार के परामर्श से मंडलीय लेखाकारों (डिविजनल अफाउण्टेण्ट) के संवर्ग का प्रशासनिक नियंत्रण हमारे कार्यालय से राज्य सरकार को अंतरित किया गया है। भविष्य में मंडलीय लेखाकारों से संबंधित सभी पद व्यवहार निर्माण लेखा निवेशक तथा पदेन उपसचिव, वित्त और योजना (वित्त प्रभाग) विभाग, मंचिवालय, हैदराबाद-500022 को भेजा जाए।

श्री सौदरराजन,  
महालेखाकार

#### कार्यालय, निवेशक लेखा परीक्षा

डाक-तार

दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1980

सं० प्रशासन-III-302/23(ए) (2) अधिसूचनाएं—मुद्रणालय में नियुक्त डाक-तार लेखा परीक्षा संगठन के स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी श्री एन० सी० गुप्ता दिनांक 31-7-1979 (अग्रराह) से निवार्तन पर भेवा निवृत्त हो गये हैं।

सं० प्रशासन-III 23(ए) (2) अधिसूचनाएं—डाक-तार भण्डार निर्माण व जांच पंडिताल शाखा लेखा परीक्षा कार्यालय

कलकत्ता के स्थायी परीक्षाधिकारी श्री ढी० एन० नाथ दिनांक 30-9-1979 (प्रपराह्न) से निवृत्ति पर सेवा निवृत्त हो गये हैं।

सं० प्रशासन-III-23(ए) (2) अधिसूचनाएँ—निदेशक लेखा परीक्षा डाक-तार ने सहर्ष आदेश दिया है कि श्री ए० कृष्णमूर्ति (1) जो राजकीय मेडिकल स्टोर डिपो, हैदराबाद में प्रतिनियुक्ति से परावर्तन पर दिनांक 16-10-1978 से लेखा परीक्षाधिकारी के संवर्ग में पदोन्नति किये गये थे, को दिनांक 29-8-1978 से स्थानापन्न क्षमता में, जबकि वे 840-1200 रु० के वेतनमान में मूल नियम 30(1) के द्वितीय परन्तुक के प्रधीन राजकीय मेडिकल स्टोर डिपो, हैदराबाद के लेखाधिकारी के पद को संभाले हुए हैं, पदोन्नति समझा जाना चाहिये।

उनकी पदोन्नति तदर्थं आधार पर है और संशोधनाधीन है।

सं० प्रशासन-III/23(ए) (2) अधिसूचनाएँ—निदेशक लेखा परीक्षा, डाक तार ने सहर्ष, डाक-तार लेखा परीक्षा संगठन के अनुभागाधिकारी श्री एम० एन० मनहोत्ता, जोकि नागलैण्ड पल्प व पेपर क०, तुली, नागलैण्ड में 700-1300 रु० के वेतनमान में लेखाधिकारी का पद संभाले हुए हैं, को मूल नियम 30(1) के द्वितीय परन्तुक के अन्तर्गत, लेखापरीक्षाधिकारी के केडर में, जिसका वेतनमान 840-40-1000-इक्षतारोध-40-1200 है, दिनांक 29-8-1978 से स्थानापन्न क्षमता में पदोन्नति कर दिया है। उनकी पदोन्नति तदर्थं आधार पर है और संशोधनाधीन है।

भृत तापस कुमार साम्याल,  
उप निदेशक (लेखा परीक्षा)

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय  
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियांत्र का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

आयात और नियांत्र व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० 6/305/55-प्रशासन (राज०)/8910—सेवा-निवृत्ति की आपूर्ति पूरी होने पर, श्री के० पी० नारायण ने 30 नवम्बर, 1979 के अपराह्न से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियांत्र, कलकत्ता के कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियांत्र के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ओ० एन० आनन्द,  
संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात नियांत्र  
के मुख्य नियंत्रक, आयात-नियांत्र

उद्योग मंत्रालय

(श्रीद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय]

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 दिसम्बर, 1979

सं० ए०-19018(446)/79-प्रशा० (राज०)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग) लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोग्रा के स्थाई

लघु उद्योग संबद्धन अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण/सांख्यिकी) श्री ई० रामन नायर को दिनांक 1 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, उसी कार्यालय में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (आर्थिक अन्वेषण/डाटा बैंक) के रूप में तदर्थं आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018/452/79-प्रशासन (राजपत्रित) —विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली के एक स्थाई लघु उद्योग संबद्धन अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण/सांख्यिकी) श्री के० सी० शर्मा को दिनांक 27 अगस्त, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, उसी कार्यालय में सहायक निदेशक ग्रेड-II (आर्थिक अन्वेषण/डाटा बैंक) के रूप में तदर्थं आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 12/767/72-प्रशासन (राज०) —राष्ट्रपतिजी, विस्तार केन्द्र, जबलपुर के सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (यांत्रिक) श्री वी० सी० बाविशी को लघु उद्योग लाखा संस्थान, जम्मू में दिनांक 23 नवम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए उप निदेशक (यांत्रिकी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त,  
उप निदेशक  
(प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1979

सं० प्र०-1/1 (1020) —राष्ट्रपति एतद्वारा निरीक्षण निदेशक, मद्रास के कार्यालय में स्थाई सहायक निदेशक (ग्रेड II) श्री वी० के० संकरालिंगम को 30-11-1979 के पूर्वाह्न से निदेशक पूर्ति तथा निपटान मद्रास के कार्यालय में सहायक निदेशक प्रशासन (ग्रेड-I) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री संकरालिंगम दिनांक 30-11-1979 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन होगे।

दिनांक 31 दिसम्बर 1979

सं० प्र० 1/1 (1045) —महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर प्रगति अधिकारी श्री राम किशन को दिनांक 17 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में तदर्थं आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री राम किशन की पूर्णतः अस्थायी और तदर्थं आधार पर नियुक्ति से उनसे अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के हक पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और इससे उन्हें वर्तमान स्थानापन्न व्यवस्था के आधार पर भविष्य में पदोन्नति का दावा करने कोई हक नहीं होगा।

सं. प्र० 1/1 (1054) — महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशक नई दिल्ली में अधर प्रगति प्रधिकारी श्री देव राज को दिनांक 17 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में तदर्थं आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री देव राज की पूर्णतः ग्रस्थाई और तदर्थं आधार पर नियुक्ति से उन अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के हक पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और इससे उन्हें वर्तमान स्थानापन्न व्यवस्था के आधार पर अविष्य में पदोन्नति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा।

पी० डी० सेठ,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृत महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

सं. प्र० ८/२४७/२१५/७८-III — राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक, अम्बई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) (श्री के० एस० ताम्बर को दिनांक 27-९-७९ से और आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजी) (भारतीय निरीक्षण सेवा, सुप ए, इंजीनियरी शाखा के ग्रेड ) के रूप में तदर्थं आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री ताम्बर ने सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 27-९-७९ के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक, अम्बई के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजी) (भारतीय निरीक्षण सेवा, सुप ए, इंजीनियरी शाखा के ग्रेड ) का पदभार सम्भाल लिया।

पी० डी० सेठ,  
उप निदेशक प्रशासन

#### विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 24 दिसम्बर 1979

सं. ई०-११ (7) — इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के भवित्वात्वना सं. ई० ११(7) में निम्नसिद्धित जोड़ दिया जाये, अवृत्ति—

#### श्रेणी 2 "नायट्रेट मिश्रण" के अधीन

- (i) प्रविष्टि "ऐक्वेंडाइन" के पश्चात "एक्वेंल" तथा "एक्वैराम" विषाई देती है उसे हटाया जाए।
- (ii) प्रविष्टि "जी०एन०-१" के पश्चात "गैमाइन" प्रविष्टि किये जगह में दिनांक 31-३-८१ तक बनावट की जानव तथा क्षेत्र परिक्षण के लिए जोड़ा जाय।
- (iii) प्रविष्टि "इंडोप्राइम" के पश्चात "केलबेक्स-१००, केलबेक्स-२००, केलबेक्स-५००, केलबेक्स-७०० तथा केलबेक्स-८००

बनावट के परिक्षण तथा क्षेत्र परिक्षण के लिए जो निर्विष्ट किये हुये जगह के प्रायः 31-३-८० तक के लिए है जोड़ा जाय।

(iv) प्रविष्टि "पेन्टाडाइन" के पूर्व "पी०ई०-५१, पी० ई० आयएएस तथा पी० ई०-३ एल० बनावट के परि- तथा क्षेत्र परिक्षण जो निर्विष्ट किये हुये जगह के दिनांक 31-३-८१ तक के लिए है जोड़ा जाय।

(v) प्रविष्टि "टोइब्लास्ट" के पश्चात "स्टॉडाइन" बनावट के परिक्षण तथा क्षेत्र परिक्षण के लिए निर्विष्ट किये जगह में दिनांक 31-३-८१ तक जोड़ा जाय।

#### श्रेणी 3 विभाग 1 के अधीन

(1) प्रविष्टि में "डी सेगुरीदाद (20 एस० आर०), स्पैनीश बनावट शब्द तथा अंक"। "आगस्त 1979" को शब्द तथा अंक "31 डिसेम्बर 1979" से बदलिये।

#### श्रेणी 3 विभाग 2 के अधीन

(i) "नोबेल रीम नीओनाइट" के पश्चात "पी०ई०-१" को जोड़ा जाये।

(ii) "पीकरीक पावडर" के पश्चात "ध्लास्टीक विस्फोटक" को जोड़ा जाये।

(iii) "सूपरमेक्स" के पूर्व "शीट विस्फोटक" को जोड़ा जाय।

#### श्रेणी 6 विभाग 2 के अधीन

(i) "डिटोनेटिंग फ्यूज" के पूर्व "डी-कोड I, डी-कोड II, डी-कोड III, तथा डी-कोड IV" को जोड़ा जाये।

(ii) प्रविष्टि "क्रियक मंच" के पश्चात प्रविष्टि "एस० कोड-I, ए० कोड II तथा एस० कोड III" दिखाई देता है उसे हटाया जाये।

चरणजीत लाल,  
स्थानापन्न मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक

इस्पात, खान और कोयला भवालालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियन्त्रण

कलकत्ता-२०, दिनांक 22 दिसम्बर 1979

सं. ई-१-१२(18)/७९— एतद्वारा लोहा और इस्पात नियन्त्रक केन्द्रीय जल आयोग नई दिल्ली के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री एस० पी० बिश्वास को प्रतिनियुक्ति के आधार पर सहायक लोहा और इस्पात नियन्त्रक के पक्ष पर स्थानापन्न नियुक्त कर रहे हैं।

एस० के० बसु

उप लोहा और इस्पात नियन्त्रक  
कृते लोहा और इस्पात नियन्त्रक

## (कोयला विभाग)

कोयला खान अधिकारी कल्याण संस्था

जगजीवन नगर, दिनांक नवम्बर 1979

सं० प्रशासन-12 (4) 79—श्री श्री० पी० दसोद्धी स्थाना-पथ लेखापाल को दिनांक 21-9-79 (पूर्वाह्न) से सहायक सचिव, कोयला खान कल्याण आयुक्त सचिव, चिकित्सा अधीक्षक, केन्द्रीय चिकित्सालय के पद पर तर्द्य आधार पर पदोन्नति दी गई है।

टी० सी० के० लोधा,  
कोयला खान कल्याण आयुक्त  
घनबाद ।

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई विस्तीर्ण, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

सं० 6(61)/62-एस० एक—श्री एम० राजालिंगम, कार्यक्रम निष्ठादक, आकाशवाणी, मद्रास 30 नवम्बर, 1979 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गए।

नन्द किशोर भारदाज  
प्रशासन उपनिदेशक  
कूते महानिदेशक

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई विस्तीर्ण, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

सं० ए० 12024/1/78-प्रशा०-I (भाग-2) (सी)—सफदरजंग अस्पाताल में बदली हो जाने के कारण डा० (श्रीमती) जी० के० सचर ने 27 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से सफदरजंग अस्पाताल में दंत शल्य चिकित्सक के पद का कार्यभार तर्द्य आधार पर सम्भाल लिया है।

सफदरजंग अस्पाताल, नई विल्ली के अधीन दंत शल्य चिकित्सक के पद पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप डा० (श्रीमती) जी० के० सचर ने 27 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई विल्ली से दंत शल्य चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला,  
उपनिदेशक प्रशासन (सं० एवं पदधति)

## ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1979

सं० ए० 19025/33/78-प्र०-III—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग-'व') की संस्तुतियों के अनुसार श्री उमेश कुमार को, जो तर्द्य आधार पर सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में काम कर रहे हैं, तारीख 21-12-79 से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्थ सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

दिनांक जनवरी 1980

सं० ए० 19024/2/79-प्र०-III —निम्नलिखित अधिकारियों की मुख्य रसायनक के पद पर अल्पकालीन नियुक्ति को 1-1-1980 से अगले आदेशों तक बढ़ाया गया है:—

1. श्री ए० ए० एस० प्रकाश राव
2. श्री चन्द्र प्रकाश
3. श्री इन० कासी राव

बी० एल० मनिहार,  
निदेशक प्रशासन  
कूते हुये विषयन सलाहकार

## वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण

देहरादून-248001, दिनांक 5 जनवरी 1980

सं० 4-9/79-प्रशासन—श्री जी० सी० श्रीवास्तव जो कि रक्षा लेखा महानियंत्रक के कैडर में लेखा अधिकारी हैं को 31 दिसम्बर, 1979 की प्रपराह्न से वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण, देहरादून में इस कार्यालय के पद क्रमांक 3-21/74-प्रशासन दिनांक 13 दिसम्बर, 1979 में दर्शाई गई प्रतिनियुक्ति की शर्तों के आधार पर आगामी आदेशों तक लेखा अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

सी० एल० भाटिया,  
मुख्य समन्वयक

## राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

अग्रणीकृति, दिनांक 10 दिसम्बर 1979

सं० राष्ट्रविधि/भर्ती/3(2) 79/स्था०/125 ता० 10-12-79—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर इस परियोजना में वर्तमान में कार्यरत निम्नलिखित अराजपनित तकनीकी स्टाफ को प्रत्येक के नाम के सामने लिखे गए येड में व उनके सामने दर्शाई गई तारीखों से अगले आदेश होने तक के लिए इसी परियोजना में अस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्र०	नाम तथा पदनाम	पद जिस पर	कार्यभार
सं०		नियुक्त हुए हैं	संभालने की तारीख

1. श्री शशोक कुमार भट्टाचार्य वैज्ञानिक अधिकारी/ 1-8-79  
वैज्ञानिक सहायक "सी"  
इंजीनियर येड  
एस० बी०
2. श्री राजेन्द्र विनायकराव माजरेकर वैज्ञानिक सहायक "सी" 3-8-79
3. श्री योगेन्द्र शर्मा वैज्ञानिक सहायक "सी" 1-8-79
4. श्री सरदारी लाल खसा वैज्ञानिक सहायक "सी" 1-8-79
5. श्री रामेश्वर वैष्णवित वैज्ञानिक सहायक "सी" 1-8-79
6. श्री सुभाष चन्द्र वैज्ञानिक सहायक "सी" 1-8-79

1	2	3	4
7.	श्री श्याम बहादुर चौधरी वैज्ञानिक सहायक "सी"	"	1-8-79
8.	श्री सन्देश खोल्ले अगारकर वैज्ञानिक सहायक "सी"	"	1-8-79
9.	श्री बूज निहाल चन्द, फोरमैन	"	1-8-79
10.	श्री सुरेश माधो प्रधान फोरमैन	"	1-8-79
11.	श्री रामास्वामी सुदूरमनीयम वैज्ञानिक सहायक "सी"	"	1-8-79

गोपाल सिंह,  
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)  
क्रृते मुख्य परियोजना इंजीनियर

परमाणु ऊर्जा विभाग  
(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 2 जनवरी 1980

सं० प्रब्र प्र 4/1/79-प्रशासन—श्री के० एन० रामचन्द्रन नायर, जो परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में सुरक्षा अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं, को एतद्वारा 650-30-740-35-880 व० रो० 40-960 रु० के वेतनमान में सुरक्षा अधिकारी के स्थायी पद पर 1-3-1977 से भौतिक रूप से नियुक्त किया जाता है।

ग० रा० उवास, निवेशक

हैदराबाद-500016 दिनांक 2 जनवरी 1980

सं० प० ख० प्र०-2/2922/79-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी अधिकारी एस० श्री०, श्री राम कुमार शर्मा का सरकारी सेवा से दिया गया त्याग-पत्र परमाणु खनिज प्रभाग के निवेशक ने दिनांक 18 दिसम्बर 1979 की अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

एम० एस० राव,  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा  
अधिकारी

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1979

सं० ए०-12025/8/78-ई०-I—इस विभाग की विभाग 10 सितम्बर, 1979 की अधिसूचना सं० ए० 12025/8/78-ई०-I के ऋम में राष्ट्रपति जी ने सर्वेश्वी श्री० के० गांधी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (वैमानिकी) तथा जे० एस० चौहान, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (विभाग मूल्यांकन) की नागर विमानन विभाग में वैज्ञानिक अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की

अवधि और आगे 18-10-79 के बाद 24-1-1980 अवधि पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाने की मंजूरी दे दी है।

सं०-ए०-32013/7/79-ई०-I—इस विभाग की दिनांक 10 सितम्बर, 1979 की अधिसूचना सं० ए० 32013/7/79-ई०-I के ऋम में राष्ट्रपति जी ने श्री कुलदीप राय वरिष्ठ तकनीकी सहायक (वैमानिकी) की नागर विमानन विभाग में वैज्ञानिक अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की अवधि और आगे 18-10-1979 के बाद 24-1-1980 तक या पद के नियमित रूप में भरे जाने तक इनमें जो पहले हो, बढ़ाने की स्वीकृति दे दी है।

सं० ए० 32013/7/79-ई०-I (i)—राष्ट्रपति जी, श्री बी० आर०, शर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी को दिनांक 11-12-79 से 24-1-1980 तक या पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो पहले हो, नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर वैज्ञानिक अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 32013/3/79-ई०-I—इस विभाग की विभाग 22 मई, 1979 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/3/79-ई०-I के ऋम में राष्ट्रपति जी श्री एफ० सी० शर्मा, वैज्ञानिक अधिकारी को दिनांक 18 अक्टूबर, 1979 के बाद 31-3-1980 तक या पद के नियमित रूप में भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

चितरंजनकुमार वत्स,  
सहायक निवेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

सं० ए०-39013/3/77-ई० ए०—श्री आर० एस० देसवाल, सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी, दिल्ली एयरपोर्ट, पालम ने दिनांक 5 जून, 1977 को सरकारी सेवा से त्यागपत्र दे दिया था।

दिनांक 28 दिसम्बर 1979

सं० ए०-32013/17/78-ई० ए०—राष्ट्रपतिजी श्री पी० एन० भास्कर, सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी को दिनांक 21 दिसम्बर, 1979 से छः माह के लिए अवधि पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक इनमें जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर विमान क्षेत्र अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं। श्री भास्कर को सिविल विमान क्षेत्र भारत नगर में तनात किया जाता है।

वि० वि० जौहरी,  
महायक निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1980

सं० ए०-32014/1/79-ई० ए०—महानिवेशक, नागर विमानन, श्री सी० आर० दत्त, भंडार सहायक को क्षेत्रीय

निदेशक, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता के कार्यालय में दिनांक 10 दिसंबर, 1979 से अन्य आदेश होने तक भंडार अधिकारी (ग्रुप "ख" पद) के रूप में नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

ग्राह० एन० दास,  
सहायक निदेशक, प्रशासन

## विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 22 दिसंबर 1979

सं० 1/481/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा भद्रास शाखा के पर्यवेक्षक, श्री एम० बालकृष्णन को 3 अक्टूबर, 1979 से आगामी आदेशों तक, नियमित आधार पर उसी शाखा में स्थानापन्थ रूप से उपपरियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नायर,  
निदेशक (प्रशासन),  
कूले महानिवेशक

## नारकोटिक्स विभाग

ग्वालियर, दिनांक 1 जनवरी 1980

सं० 3—निम्नलिखित अधिकारियों को एतद्वारा जिला अफीम अधिकारी/अधीक्षक (कार्यपालक) समूह "ख" के प्रेड में रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, प्रत्येक के नाम के सामने वर्णाई गई तारीख से स्थानापन्थ रूप में नियुक्त किया जाता है :—

क्र० नाम एवं पदनाम	जिस तारीख से नियुक्त किये गये
सं०	

## सर्वश्री

1. जी० एन० गुरुनानी, जिला अफीम अधिकारी, भीलबाड़ा	19-11-1979
2. बी० के० मोगरा, जिला अफीम अधिकारी, नीमच द्वितीय खण्ड	17-11-1979
3. ई० झी० कुरील जिला अफीम अधिकारी, शाहजहांपुर	30-11-1979

मदन मोहन भट्टनागर  
नारकोटिक्स आयुक्त

## निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसंबर 1979

सं० 33/12/78-ई० सी०-१—निर्माण महानिदेशक, के० लो० नि० वि०, संघ लोक सेवा आयोग के निम्नलिखित

नामितों को सहायक वास्तुविदों के नामे अस्थायी पदों पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उनके नामों के आगे दर्शाए वेतन एवं तिथियों से सहर्व नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	सहायक वास्तुविद् के नामे नियुक्ति की तिथि	वेतन	टिप्पणी
1.	श्रीमती अपर्णा एम० लाड	1-12-79 (पूर्वाह्न)	रुपये 650/- प्रतिमाह	इनका वेतन जल्द ही नियमानुसार पुनर्नियत किया जाएगा।
2.	श्री एम० एल० प्रजापति	10-12-79 (पूर्वाह्न)	रुपये 650/- प्रतिमाह	—वही—

2. दोनों अधिकारियों को ऊपर दर्शाए अनुसार सहायक वास्तुविदों के नामे उनकी नियुक्ति से 2 वर्षों की अवधि तक परिवर्तीका पर रखा जाएगा।

3. श्रीमती अपर्णा एम० लाड की तैनाती वरिष्ठ वास्तुविव् (दक्षिण पश्चिम अंचल) 2 एकक, के० लो० नि० वि०, बम्बई और श्री प्रजापति की तैनाती वरिष्ठ वास्तुविद् (यू० एन० आई० ई० ओ०) एकक, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली में की जाती है।

हर्ष देव सिन्हा,  
प्रशासन उप-निदेशक

## विधि न्याय तथा कम्पनी कार्य भवालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधिबोर्ड

## कम्पनियों का रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मै० कैपिटल लैन्ड एण्ड जनरल उद्योग (प्रा०) लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसंबर 1979

सं० 3950/22541—कम्पनी अधिनियम, 1956 की घारा 360 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मै० कैपिटल लैन्ड एण्ड जनरल उद्योग (प्रा०) लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शात न किया गया

तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

हरलाल,  
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,  
दिल्ली एवं हरियाणा

---

कम्पनी अधिनियम, 1956 और किरिसी येद प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 1 जनवरी 1980

सं० 2796/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर किरिसी येद प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बीसन्स तासटनरस लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 1 जनवरी 1980

सं० 2576/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बीसन्स तासटनरस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

---

कम्पनी अधिनियम् 1956 और "जया कर्मशियलस ऐएन्टस एंड कनसलटनटस प्राइवेट लिमिटेड" के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 4 जनवरी 1980

सं० 68/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर "जया कर्मशियलस ऐएन्टस एंड कनसलटनटस प्राइवेट लिमिटेड" का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

एस० आर० बी० बी० सत्यनारायना,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
पांडिचेरी

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बिट्टनस लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1980

सं० 5225/560(3)/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बिट्टनस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

एच० सिन्हा,  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,  
तामिळनाडु

---

कार्यालय आयकर आयुक्त  
(संवर्ग नियन्त्रण अधिकारी)

कानपुर, दिनांक 20 दिसम्बर 1979

आदेश

सं० 60—निम्नलिखित आयकर निरीक्षकों को रो० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में आयकर अधिकारियों ("स" वर्ग) के रूप में स्थानापन्थ कार्य करने के लिए तत्काल से तथा अगले आदेशों के न जारी किये जाने तक नियुक्त किया जाता है। यदि बाद में यह पाया गया कि उनकी नियुक्तियां उपलब्ध रिक्त स्थानों की संख्या से अधिक हुई हैं तो वे पदावनते किये जाने के योग्य होंगे। पदोन्नति पद उनकी द्वेषाएं उनमें से प्रत्येक के सामने दिए गए आयकर आयुक्तों के अधिकार में दी जाती हैं।

क्रम सं०	कर्मचारी का नाम	जिसके अधिकार में सेवायें दी गईं
1.	श्री आर० एस० निगम,	आयकर आयुक्त, आगरा
	कम्पनी सक्रिय कानपुर	
2.	श्री एच० एस० श्रीवास्तव,	आयकर आयुक्त, आगरा
	आडित रेंज कानपुर।	

दिनांक 29 दिसम्बर 1979  
आदेश

स्थापना—केन्द्रीय सेवायें—वर्ग "ख" राजपत्रिम—  
पदोन्नति, स्थानान्तरण एवम् रैनाती—

सं० 64—मुजफ्फरनगर स्थित कर वसूली कार्यालय देहरादून के आयकर निरीक्षक श्री आर० के० अग्रवाल को

रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-  
द० रो०-40-1200 के बैतनमान में आयकर अधिकारी  
(ब्र वर्ग) के स्थ में स्थानापन्न कार्य करने के लिए 1 जनवरी,  
1980 अथवा उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण करने की  
तारीख इनमें में जो भी बाद में पड़े, तो तथा अगले आदेशों  
के त जारी किए जाने तक नियुक्त किया जाता है। यदि बाद  
में यह पाया गया कि उनकी नियुक्ति उपलब्ध रिक्त स्थानों  
की संख्या से अधिक हुई है तो वे पदावनत किये जाने के  
योग्य होंगे।

पदोन्नति पर उनकी नियुक्ति निरीक्षी सहायक आयकर  
आयुक्त (लेखा परीक्षा कानपुर के कार्यालय में आयकर  
अधिकारी) आन्तरिक लेखा परीक्षा दल) के रूप में दिनांक  
31-12-1979 को अपराह्न में सेवा निवृत हो रहे आयकर  
अधिकारी (वर्ग "ख") श्री एच० के० श्रीवास्तव के स्थान  
पर की जाती है।

बी० गुप्ता,  
आयकर आयुक्त,  
(संबर्ग नियन्त्रण प्राधिकारी),  
कानपुर

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एम०

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक, 4 मितम्बर 4979

निवेश सं० 501/टी०आर०-१०/सी०-९/कल०-१/७९-८०—  
बत: भूजे, एम० क० दासगुप्ता

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 9 है तथा जो श्रीयेस्ट स्ट्रीट, कलकत्ता में  
स्थित है) और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
5, गवर्नरमेंट प्रेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकर्पेण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-४-७९  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पत्रिह, प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तर गया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से रुक्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शापितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी ही प्राप्त या किसी धन या धन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारी आय-हर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री अलोक कुमार शमारिया (अन्तरक)  
(2) परिक्षत इन्वेस्टिमेंट लिं. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से हिसो व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
हिसो अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोव्याक्षरी के पास  
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

9 श्रीयेस्ट स्ट्रीट कल० में 30,600 वर्ग फिट, जमीन  
पर अवस्थित ग्राँसिक चार तला और पांच तला मकान  
का 3/20 हिस्सा जो 26-४-७९ तारीख तक I-2283 भीड़  
नं० अनुसार रजिस्ट्रार आफ एस्युरेस के दफ्तर में रजिस्टर  
हुआ।

एम० क० दासगुप्ता  
मकान प्राधिकारी  
'महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I कलकत्ता

तारीख: 4-९-७९

मोहर:

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एम०—  
भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के प्रधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यान्वय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

जीन रोज, III कलकत्ता

कलरता, दिनांक 26 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 618/ए०कुर०-III/—यतः मुझे, आई० भि०  
एस० जुन्जा  
आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें  
इसके प्रभावात् 'उच्च प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यठ विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है  
और जिसकी सं० 22 है तथा जो एकामावरत मुखर्जी स्ट्रीट,  
मुखर्जी स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे ऊपरदूर अनुपूची  
में और पूर्ण रूप से बण्ठत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्या-  
लय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधित नियम, 1908 (1908  
16) के अधीन, तारीख 30-4-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और  
प्रमाणक (प्रमाणकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच  
ऐसे अन्तरण के निए तत्र पाया गया प्रतिफल निम्ननिवित  
उद्देश्य से उच्च अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से स्थित  
नहीं किया गया है :—

(1) श्री देवांचन मुखर्जी (आनंदरक)  
 (2) श्रीमती अलोका भट्टाचार्य (प्रत्तरिती)  
 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्राहक के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रयोग के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :-

(क) इस सूचना के राज्यता में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामीर से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रदर्शन बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में न किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध फिल्मों अन्य अविकृत द्वारा, ग्रामोदयसामरी के पास निवित में फिल्म नहीं होगी।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रोर पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही  
पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) प्रस्तरण में हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधान करदेने के प्रस्तरण के विविध रूपों में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

અનુષ્ઠાન

(क) ऐसी किसी मायथा किसी घन या ग्रन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या उपाने में सुविधा के लिए;

करीब 3 कट्टा 1-1/2 छाताक जमीन साथ हस पर बनाया मकान का अविभक्त अद्वीत जो 22, श्यामाचरण बुड्डी स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० मि० एम० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 289-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 26-10-79

माँहर :

प्ररूप आई० बी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर 1979

निवेश सं० 617/एकुरो०III/79-80/कल०—यतः मुझे,  
आई० बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 22 है तथा जो श्यामाचरण मुखर्जी स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति :—

- |                              |            |
|------------------------------|------------|
| (1) श्री देवांगन मुखर्जी     | (अन्तरक)   |
| (2) श्रीमती सुरतन्दा गांगुली | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उम्म सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रम :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्टा 1-1/2 छटाक जमीन साथ उस पर बनाया मकान का अधिभक्त अधारी जो 22, श्यामाचरण मुखर्जी स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० बी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज III  
कलजमा-16

तारीख: 26-10-79

मोहर:

प्रस्तुप पाई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1979

(1) सुभांशु शेखर गांगुली

(अन्तरक)

(2) श्री मुभाप चन्द्र चौधुरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी हरके पूर्वोत्तम सम्पति के प्रज्ञन के लिए कार्यालयांकरण है।

उक्त प्रस्तुप के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

निवेश सं० ए० सी०/८३—यतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो धारा 269-प (1) प्रश्नम प्राप्तिकारी को यह विश्वास देने का आवश्यक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रविक्त है और जिसकी सं० छाग सं० 4683, खतियान सं० 756 हैं तथा जो मौजा दक्षिण निमटा, 24 परगना, कलकत्ता-49 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अत्रिकारी के कार्यालय काशिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-4-79 को

पूर्वोत्तम सम्पत्ति है उक्त बाजार मूल्य ने कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितीयों) के शीब एवं अन्तरण के लिये क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरूप लिखित में वास्तविक रूप न हाथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के प्रभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी नियी आय या उनी व्यव या पन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय पापतार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगतावर्त्त अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनमें सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नलंबनी अक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम सम्पत्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इपुराग के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टांशों के पास निवित में फिर ना लेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वा का, जो डायल अधिनियम के प्रधाय 20-ह में परिभासित हैं, वही पर्याप्त होंगे, जो उप प्रधाय में दिया गया है।

अनुमूल्यी

द्वाग सं०-4683, खतियान सं०-756, मौजा दक्षिण निमटा, 24, परगना, कलकत्ता-49 पर वस्थित जमीन साथ मकान का सबकुछ जैसे के 1979 का दिनांक सं० 2959 में और पूर्णरूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता  
सक्षम प्राधिकार,  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-IV कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपवाता (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

तारीख: 6-11-1979

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय गद्दायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश मं० एम० एम० 516/टी० आर०-81/  
सी०-69/कलकत्ता-1/79-80—यतः, मुझे आई० बी० एस०  
जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिमकी सं० 13 है तथा जो दिलखुसा स्ट्रीट में स्थित  
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 4-4-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
वाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई निसी आय को बाबत, उक्त प्राधि-  
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

प्रसः: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

(1) श्री शान्ति येन

(अन्तरक)

(2) श्री तुमसोदाम याहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोश:—

(अ) इस युवाक के लिए 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस युवाक के राजावाच में प्रकाशन ले लारीबूँ 45 दिन के भीतर उक्त ह्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवौद्योगिक भारी के पाप  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसर्वे प्रयुक्त गद्दों व्रीर वदों ता, जो उक्त प्रधि-  
नियम, के प्रधाय 205 में वरिभावित हैं, वही  
प्रथम होगा जो उक्त प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

13 नं० दिलखुब स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित 3  
कट्टा, 2 छटांक 4 वर्ग फिट जमीन पर अवस्थित मकान  
का आधा हिस्सा जो 4-4-79 तारीख में डीड नं० आई-  
342 प्रतुगार मियालदह रजिस्ट्री दफ्तर में रजिस्टर्ड  
हुआ।

आई० बी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

तारीख : 7-11-1979

मोहर:

प्र० श्री गुरुजी और सगनिव मुख्यजी

(1) श्री बेनी गुरुजी और सगनिव मुख्यजी  
(अन्तरक)श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री सोमनाथ वेरी और आदर्स  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 दिसंबर 1979

निवेश मं. ए० भी० रेज-२/कलकत्ता/1979-80—गत:  
मुझे ए० के० दासगुप्तश्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सशम प्राप्तिकारी को, यह विवाह करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित राज्यां  
मूल्य 25,000/- रुपए में छालिक है।और जिसकी सं० 2 गंच है तथा जो मौजा दुर्गपुर में  
स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार  
श्राफ एमुरेसेस, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 3-4-79 कोकी पूर्ववक्त सम्पत्ति के डिनर शाश्वत मूल्य से रुप ने दृश्यमान  
प्रतिकृत के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विवाह  
करने का कारण है कि यथावौक्त सम्पत्ति का उचित दावार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिकृत में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पश्चह  
प्रतिगत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और  
प्रत्यक्षिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथ  
यादा गया प्रतिफल, विमलिति उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) प्रत्यक्षण से ही किसी भाव की वादत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के  
शायित्र में कभी उक्त या उसमें इच्छे में पूर्विक  
के लिए; और/या

अनुसूची

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्राप्त्यर २०-क में परिभाषित हैं,  
वही व्याख्या जो उस प्रध्याय में दिया गया है।(घ) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य भास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षिती हारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविश्वा के लिए;ए० के० दासगुप्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-२, कलकत्ता-१६प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन विमलिति अविक्षयों अधीतः—

तारीख : 6-12-79

मोहर:

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०—

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) मे प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, वाराणसी आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 दिसंबर, 1979

निदेश सं० ५० मी०/रेंज-२/कलकत्ता/१९—यतः मुझे  
एम० के० दासगुप्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर उपति नियम उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 4 सी है तथा जो चेपेल रोड कलकत्ता  
में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
माव रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-4-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम है बृश्यमान  
प्रतिकल से जिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अल्टरक (अल्टरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए  
तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,  
निम्नलिखित रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(म) ऐसो किसी प्राय या किसी धन या प्रभ्य पासितियों  
को जिन्हें प्राय-कर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) पा उक्त प्रधिनियम, या  
अन्तर कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, किया गया  
सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण  
में, मै उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा (1)  
वे प्रधीन निम्नलिखित अविकारी, अर्थात् :—

(1) श्री मिजी मेहदी श्रावाम मिराजी

(अन्तरक)

(2) श्री गोर मोहन कापूर और राजकुमारी कापूर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्न के  
जिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति तो सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में बापात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताकारी के पात  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त को, जो उक्त प्रधि-  
नियम, के अध्याय 20 के परिभासित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

Land measuring 6-Cottahs, 4-Chittaks & 14-Sq. ft. with one  
storied building consisting of three rooms, one lavatory one  
kitchen etc. at premises No. 4C, Chapel Road, Hastings,  
Calcutta-22.

एम० के० दासगुप्त

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता-16

तारीख : 7-12-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०----

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

राज्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13-11-1979

निर्देश सं० 623/एकुरे /79-80/कल०—यतः मुझे,  
आई० वी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनसे पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-घ के अधीन प्रक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने हा कारण ते कि स्थावर पंत्रित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० मे अधिक है और जिसकी सं० दाग नं० 152 है तथा जो मौजा-चकगरिया, दायबपुर मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि मे प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर, मे, रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-3-79

को पूर्वोक्त समांत के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि प्रकार्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का अद्भुत रिकार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त प्रस्तरण लिखित मे वास्तविक कृप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की वादत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे मुविद्धा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, ग धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने मे मुविद्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रत्यारण मे, मे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

3-426GI/79

1. श्री तुलसोचरन दासनस्कर, गोपोधरन दासनस्कर, श्रीचरन दासनस्कर (अन्तरक)
3. निउगरिया डेवलपमेंट को-ऑपरेटिव हाउसिं सोसाइटि लिमि० (अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के लिए नायंवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी अधिकारी पर सूचना की जामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी मे से किसी अधिक द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति मे हितवद किसी अन्य अधिकारी पर सूचना के भीतर प्राप्त होताकारी के पास लिखित मे किए वा सहेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों पौर पर्वो का, जो उक्त प्रधिनियम के ब्लॉक 20-क मे परिभाषित है, वही पर्व होगा, जो उक्त प्राप्त्याव मे दिया दवा है।

मुमुक्षु

करीब 82 शतक जामीन जो वाग नं० 153, मौजा चकगरिया, थाना-न्यादबपुर पर अब स्थित और वलिल सं० 1481 / 1976 के अनुसार है।

आई० वी० एस० जुनेजा  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज  
54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख 13-11-1979

मोहर:

प्रेरूप श्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

कलकत्ता, दिनांक 7-12-79

निर्देश सं० ए० सौ० रेंज-2/कल०/19— यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 140/1 है तथा जो मनिकतला मैन रोड, पि० एस० बेलेघाटा स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसुचि में और पूर्णलूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय साव रजिस्ट्रेक्टर आफ शियालदा में रजिस्ट्रेक्टर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन तारीख 30-4-79 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नियम का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रेरजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अंत्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कानाई लाल डे (अन्तरक)

3. श्री सुनिल गुप्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो जी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिर जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम ने अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Land measuring 3-Cottahs, 13 Chittaks & 23-sq. ft. situated at 140/1, Maniktola Main Road, Under P.S. Belioghat.

एस० के० दासगुप्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2 (निरीक्षण  
54 रफिअहमद किदवाई  
रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 7-12-79

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटो टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-IV कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक 19 नवम्बर 1979

निम्नें सं० ए० सी० 85 रेज -4/कल०/1979-80-ए  
अतः मुझे एस० के० वासगुप्ता  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वाई० एस० है तथा जो हाकिमपाड़ा,  
सिलिगुड़ि, हिस्त है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर  
पूर्णलूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्स अधिकारी के कार्यालय  
सिलिगुड़ि में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 4-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विभास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरक)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पांच या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
विवित में वस्त्रालंड रूप से घोषित महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बादत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
नहीं लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या पर्याप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आशकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
अनुसारमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, वर्णात् :—

1. श्रीमता शरोन बातिनिमैत्र (अन्तरक)

2. श्रीमती अनिमा मैत्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेष ।—

(५) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर  
सूचना भी सामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(६) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किए गये अवित्त द्वारा, प्रधोहस्ताकरों के पास  
सिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्वाहोहरण**—इनमें राजत गठन और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित  
हैं, वहां पर्याप्त दोगों जो उस प्रधाय में दिया  
गया है।

अनुसूची

10 कट्टा जमीन साथ मकान के अविभाजित 1/3  
अंश, होलंड सं० 187, वार्ड सं०IX, हाकिमपाड़ा, सिलिगुड़ि,  
जिला दार्जिलिंग, जैसे के 1979 का दलिल सं० 2284 में  
और पुर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० वासगुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्धेन रेज-IV  
54 रफिअहमद किवाई रोड  
कलकत्ता-16

तारीख : 19 नवम्बर 1979

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV

कलकत्ता, दिनांक 19 नवम्बर 1979

निर्दश सं० ए० सी० रेज 4/कल०/1979-80—यतः  
मुझे एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड IX है तथा जो हाकिमपाड़ा, सिलिगुड़ि में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्टी अधिकारी के कार्यालय सिलिगुड़ि में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 का 16) के अधिन तार.ख 4-4-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्रीमती शरोज बासिनि मैत्र (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रतिमा मैत्र (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर यह सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—घरमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

10 कट्टा जमीन साथ मकान के अविभाजित 1/6 अंश, होंडिंग सं० 187, वार्ड सं० IX, हाकिमपाड़ा, सिलिगुड़ि, जिला दार्जिलंग जैसे के 1979 का वलिल सं० 2315 ० और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता  
सक्षम धिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-IV  
54 रफिग्रामद किंदवाई रोड

कलकत्ता-16

दारीख 19-11-79

मोहृष :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज

कलकत्ता, दिनांक 19 नवम्बर 1979

निम्नों सं० ए० सी० 86/रेजब4-IV/कल०/1979-80—  
यतः मझे एस० के० दासगुप्ता  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के प्रधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी वार्ड सं० IX है तथा जो हाकिमपाड़ा, सिलिगुड़ी  
में स्थित है (जो और इससे उपावद्ध अन्तर्गत में और पूर्णरूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिलिगुड़ी  
में रजिस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
प्रधीन तारीख 4-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्ता अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्ता अधि-  
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपलब्धा  
(1) के प्रधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अवर्तातः—

- |                               |            |
|-------------------------------|------------|
| 1. श्रीमती शरोज बातिनि मैत्री | (अन्तरक)   |
| 2. श्रीमती सोमा मैत्री        | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से  
किसी अविक्त द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य अविक्त द्वारा, अधिकारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

10 कट्टा जमीन साथ मकान कं० अविभाजित 1/6  
अंश, होर्निंग सं० 187, वार्ड सं० IV हाकिमपाड़ा, सिलिगुड़ी  
जिलादार्जिलग, जैसे के 1979 का दलिल सं० 2314 में  
और पूर्णरूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता  
अर्जन रेजIV (निरीक्षण)  
84, रफिअहमद किलवाई रोड

कलकत्ता-10

तारीख 10-11-1979

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV

कलकत्ता, दिनांक 19 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सी० 87, रेज 4/कल०/1979-80  
यतः मुझे ए० स० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड० सं० IX है तथा जो हाकिमपाड़ा, सिलिगुड़ि, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्तर्भूति में और पूर्णरूप से वर्णित है) में रजिस्ट्रीकेटी अधिकारी के कार्यालय सिलिगुड़ि में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-4-1979 को पूर्वोक्त को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कम करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रमतो शरोज बसिनि मैत्र (अन्तरक)

3. श्रो बैद्य नाथ मैत्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित अधीक्षित के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

10 कद्दा जमीन साथ मकान का अविभाजित 1/3 अंश, होलिङ सं० 187, वार्ड सं० IX, हाकिमपाड़ा सिलिगुड़ि जिला दार्जिलिंग जैसे के 1979 का दत्तिल सं० 2351 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एम० के० दासगुप्ता

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV निरीक्षण)

54 रफिअहमद किदवाई रोड़

कलकत्ता-16

तारीख 19-11-1979

मोहर :

प्रालूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 नवम्बर 1979

निदण सं० ए० मि० 88/, रेंज IV कल०/1979-80—  
यतः मुझे एम० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी मं० वाई० सं० XVI है तथा जो शामाप्रगाढ़  
मुखर्जी रोड तिलिगुरि स्थित है (और इनसे उपावद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित र) रजिस्ट्रीकर्नर अधिकारी  
के कार्यालय तिलिगुरि में जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के प्रधीन नारी०ब्र 5-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दूष्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे  
दूष्यमान प्रतिक्रिया का अन्तर ह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपतुः—

1. श्री तारानांद अग्रवाल

(प्रत्यक्ष)

2. श्री रविशंकर अग्रवाल

(प्रभारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कायवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धान

ग्रामप्रपाद मुखर्जी रोड, पि० एम० शिलिगुरि, जिला  
दार्जिनिग में 0.09 एकड़ जमिन के साथ मकान का सब कुछ  
जैसे 1979 का दलील सं० 2316 में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है।

एस० के० दासगुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता,

तारीख: 19-11-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा  
२६७प(१) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक १९७९

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-II/कल०/१९७९-८०—पतः  
मुझे एम० के० दास गुप्ता

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
२६७-ख के प्रधीन सभाम अधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य २५,०००/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट ५७३ है तथा जो मौजा शामनगर  
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपुर  
दम दम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९०८ (१९०८ का १६)  
के प्रधीन तारीख २०-४-१९७९

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान तिकल से, ऐसे  
वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधि-  
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६७-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६७-घ की उपधारा  
(१) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

१. श्री प्रमर नाथ दत्त श्रीपती, रविदत्त (अन्तरक)

२. श्री निरमलेन्द्र सेन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मौजा शामनगर, पि० एम० दम दम में अब स्थित १ कट्टा  
जमीन का पर एक मकान है।

एम० के० दासगुप्त  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II कलकत्ता-१६

तारीख :

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II कलकत्ता  
कलकत्ता, बिनांक 1979

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-II/कल०/7९-८०---यतः मुझे  
एम० के० दामगुप्ता  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 573, है तथा जो मौजा कृष्णपुरम स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशिपुर दम दम,  
में रजिस्ट्रीकरण अधियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 20-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दूस्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दूस्थमान प्रतिफल से, ऐसे  
दूस्थमान प्रतिफल का प्रदूष प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए नन्हा गामा गमा पतिकन निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कठित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई हिसी आव की बाबन उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे हिसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में  
मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

4—426GI/79

1. श्री अमर नाथ दत्त, श्रीमती रवी दत्त (अन्तरक)

2. श्रीमती सीता सेन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा, कृष्णपुर, पि० एम० दम दम 24 परगना में  
अब स्थित 2 कट्टा जमीन का पर एक मकान है।

एम० के० दाम गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख:

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, बिनांक

निदेश सं० /रेज-/कल०/1979-80—यतः

मुझे एम० के० दासगुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब (1) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 8 (नं०८) आर० एन० गुहरोड़, पि० एम०  
एम दम, 24 परगणाम में स्थित है (और इससे उपावद  
अनुसूची में और पूर्णलूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-  
कारी के कार्यालय कासिपुर, दम-दम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 16-4-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे प्रत्यरोग के  
लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रभावण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(५) अन्तरक यह हुई किसी पाय तो उक्त उक्त अधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व वो कभी  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और या

(६) ऐसी किसी पाय या किसी बन या पर्याय आस्तिनियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) १। उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रथमांशनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपशारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अपौरुषः—

1. श्री गोपेन्द्रनाथ मुख्याध्याय (अन्तरक)

2. श्रीमती अरुण छत्ती श्रीवास्तव (अन्तरिक्षीय)

को पद सूचना जारी करके पूर्वोक्त प्रभावण के प्रवृत्ति के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त प्रभावण के प्रवृत्ति के संबंध में जोहे भी आज्ञे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी अविक्षयों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में  
में किसी अविक्षय द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हित-  
बदल किसी अन्य अविक्षय द्वारा, प्रधोड़स्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्त  
प्राप्ति है, वही अर्थ होता है, जो उस प्रधाय  
में दिया गया है।

मनुसूची

पि० एम० दम-दम डि० 24 परगणाम में अविस्थित  
3 कट्टा 3 छटाक जमीन पर एक मकान है।

एम० के० दासगुप्ता,  
सक्षम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 54 रफिअहमद किश्वाही रोड  
कलकत्ता-16

तारीखः

मोहरः

प्रख्यात शार्ट० टी०० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 नवम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी० 91/रेंज-IV/कल०/1979-80--

यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 76 है तथा जो कैलाश नगर स्किम-III  
बैन्डल, हुगली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हुगली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 9-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अरती पाल (अन्तरक)

2. श्री हेमेन्द्र नारायण चौधुरी एवं हिरनमयी चौधुरी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तसंबंधी अवित्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से  
किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

76 कैलाश नगर, स्कीम सं० III बैन्डल, हुगली में 9  
काठा० 11 छटांक 12 स्केयर फुट जमीन का साथ मकान का  
सब कुछ जैसे 1979 की दलील सं० 1541 में और पूर्णरूप  
से वर्णित है।

एम० के० दासगुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV कलकत्ता  
54 रफियहमद किलोवाई  
रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 26-11-79

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईं श्रीं एन० एस०—————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदार

269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 10167—यतः, मुझे राधा बालकृष्ण, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आदार 269ए के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विवाद सूचना का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आईटम कालेज रोड है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कीयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 2130/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद सूचने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमद्दह प्रतिशत से अधिक है और मन्त्ररक्त (मन्त्ररक्तों) और मन्त्ररिती (मन्त्ररितियों) के बीच ऐसे प्रश्नरण के लिए तथा पर्याय गया प्रतिफल, निम्नरिक्षित उद्देश से उक्त प्रश्नरण विविध में बास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:-

(क) प्रश्नरण से हुई किसी प्राय को बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्य में कमी करने या उक्त बदने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिस्ती प्राय का किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिहे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की आदार 269-ए के प्रमुखरच में, मैं, उक्त प्रधिनियम की आदार 269-ए की उपचारा (1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधिकृत 1—

(1) श्री राम स्वामीनाथ कोडं। (अन्तरक)

(2) श्री जी० एम० मोहम्मद इसमायिल। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञन के लिए आयोगित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता होता है ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

इच्छाकरण 1—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-ए में परिभ्रान्ति हैं, वही अन्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कालि भूमि आईटम कालेज रोड कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 2130/79) ।

राधा बालकृष्ण,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 10-12-1979

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 10167—यतः मुझे राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो ऑटोम कालेज रोड कोयमबटूर में स्थित है (और इसमें उपाखण में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयमबटूर (डाकूमेंट सं० 2131/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे मह विश्वास करते का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया पाया था या किया जाना चाहिए था, छिसने में सुविधा के लिए;

(1) श्री राम स्वामिनाथ (अन्तरक)  
(2) श्री बी० बालसुद्धमनियम (अन्तरिती)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधि या तरसभंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि बाद में बदल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

मण्डूषी

मूमि ऑटोम कालेज रोड कोयमबटूर  
(डाकूमेंट सं० 2131/79)।

राधा बालकृष्ण,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख : 10-12-79

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 दिसम्बर 79

निर्देश सं० 8574—यतः मुझे राधा बालकृष्ण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 36, है, जो रेडियार पालयम, पांडिचेरी  
में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूचि में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओलुकेरे  
(डाकूमेंट सं० 389/79), में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय [प्राय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एस कालिदास (अन्तरक)

(2) श्री एन वरदराजा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
वितरद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त  
अधिनियम', के प्रधाराय के 20क में परिभाषित  
है, वहो अर्थ होगा, जो उस धराय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

अधिकलचुरल भूमि—36, रेडियारपालयम पांडिचेरी  
(डाकूमेंट सं० 389/79) ।

राधा बालकृष्ण,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-12-79

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री गणमुह उठायार

(अन्तरक)

(2) श्री एन० मदियलकन

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 विसम्बर 1979

निर्देश सं० 8574—यतः मुझे, राधाबालकूब्ज,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा  
269 व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 36, है, जो रेटिंग पालमप्प पांडिचेरी  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रोलुकरै (डाकूमेंट  
सं० 351/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 16 अप्रैल 79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

एग्रीकलचुरल भूमि 36, रेटिंग पालमप्प, पांडिचेरी  
(डाकूमेंट सं० 351/79)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

राधा बालकूब्ज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन, रेंज-II, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 6-12-79

मोहर :

प्रधान प्राईंटी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 विसम्बर 1979

निवेश सं० 7163—यतः, मुझे राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ए के बधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति इसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 40, है, जो बसुल्ला रोड, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपावद्वा में और पूर्ण रूप से अंगिण है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकूमेंट सं० 557/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अप्रैल 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरको) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (1) श्री कलपना (अन्तरक)  
(2) श्री के० जयकृष्णा (अन्तरिती)

को यह सूचना बारे करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकल्पों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में से किनी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 46 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भेद हितवद्धु किसी अन्य अधिकारी के पास लिखित में फिरें जा सकेंगे।

**पृष्ठोंहरण:**—इसमें प्रदृश्यत रूपों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20 के प्रतिमाप्रित है, वही अर्थ द्वारा जो इस प्राप्त्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालयं पन्तरिती द्वारा प्रकट ही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के लिए;

अनुसूची

भूमि और निर्माण 40, बसुल्ला रोड, मद्रास-17  
(डाकूमेंट सं० 447/79)।

राधा बालकृष्ण,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, मद्रास

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविकल्पों, अर्थात्।—

तारीख : 6-12-79

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० प८०-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 8563—यतः, मुझे राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्भति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 4 ए है, जो लालकान स्ट्रीट, कसपा  
चिदम्बरम् में स्थित है (और इसे उपाख्य भूमि से और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
चिदम्बरम् (डाकूमेंट सं० 501/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अप्रैल  
79

को पूर्वोक्त सम्भति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं हिया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या निसी धन या आय आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए।

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधाना  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—426GI/79

(1) श्री केलन बी (अन्तरक)

(2) श्री बी० आर० अबदुल अशीर माहित (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भति के अर्जन के  
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्भति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोद्दस्ताकरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही  
प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और निर्मिण 5 ए लालकान स्ट्रीट, कसपा, चिदम्बरम्  
(डाकूमेंट सं० 501/79)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-12-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी डी० एस० एस०---

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 8579—यतः मुझे गधा बालकृष्णन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के प्रधीन सकाम प्राविकारी को, यह विष्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० 35, 35 बी, 35 सी, 35 ए है, जो  
नागेश्वरास्वामी तिरमनजन स्ट्रीट, कुमबकोनम में स्थित है (और  
इससे उपावद में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, कुमबकोनम (डाकूमेंट सं० 738/79)  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के प्रधीन 16 अप्रैल 79 को  
पूर्ववित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पर्याप्त उपरांत से उक्त  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) पर्याप्त से हुई किसी व्याय की वापत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यायाम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी व्याय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक  
प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरितो बारा प्रकृष्ट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिन न में मुविदा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्युत्तरण  
में, मैं, उक्त प्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० राजागोपालन और अन्य (अन्तरक)  
(2) श्री के० एम० एस० कासिनातेन चेट्टीयार और  
के० एम० एस० मुत्यन चेट्टीयार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्रवाई करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बदल किमी अंव्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित के  
पास विवित रूप से किए जा सकें।

**हपड़ोफरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही ग्रथ्य होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निमार्ण 35, 35 ए, 35 बी 35 सी, नागेश्वरास्वामी  
तिरमनजन स्ट्रीट, कुमबकोनम (डाकूमेंट सं० 738/79)।

राधा बालकृष्णन  
सकाम प्राविकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2,  
मद्रास।

तारीख : 6-12-79

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 6 8580—यतः, मुझे, राधा बालाकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) 'जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 48/60 वी है, जो मनकुला विनायधर कोयिल स्ट्रीट, पांडिचेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी (डाकूमेंट सं० 551/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास रखने का कारण है कि यथानुर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण वे जिन तरप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती मुमिनाबिन थापर (अन्तरिक)

(2) श्रीमती उर्मिलाबेन झी० मिस्त्री (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किस अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और निर्माण 48/60 वी मनकुला विनायधर कोयिल स्ट्रीट, पांडिचेरी (डाकूमेंट सं० 551/79)।

राधा बालाकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 6-12-79

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० ए०स०—

**आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)**

की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निदश सं० 8585—यतः, मुझे, राधा बालाकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रतीक संश्लेषण वाधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 12 है, जो नार्थ कार स्ट्रीट चिदम्बरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिदम्बरम (डाकुमेंट सं० 559/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संश्लेषण का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐत दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐत अन्तरण के लिए तर आया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री एस० सन्धानम अयंगर (अन्तरक)

(2) श्री के० ससीरेंका (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इय सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्ठ जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**संबोधित:**—इसमें प्रयुक्त गढ़ों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20व० में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में रही करने या उसपै बचने में सुविधा के लिए; और/या

अमुसूची

भूमि और बिल्डिंग 12, नार्थ कार स्ट्रीट चिदम्बरम (डाकुमेंट सं० 8585/79)

(ख) ऐसी हिसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

राधा बालाकृष्णन  
संश्लेषण वाधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, मद्रास।

अतः यद्युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 6-12-79

मोहर :

प्रहृष्ट आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 10179—यतः, मुझे राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 241, 241 ए, 241 बी, 241सी, 241डी  
है, जो सनघनूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कोयमबटूर (कोयमबटूर 1701/79) में भारतीय रजिस्ट्री  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16  
अप्रैल 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
है निए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

(1) श्री सानतनावाय कवठकार और अदर्स (अन्तरक)

(2) श्री डेविड मुन्नेट्र कलकम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निमाण 241, 241 ए, 241 बी, 241 सी,  
241 डी, सनघनूर कोयमबटूर (डाकूमेंट सं० 1701/79) ।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 10-12-79

मोहर :

प्रस्ता भाई० टी० एन० गुरु० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269B(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायोलय, सद्गुरुक धार्यकर धार्यकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 10158—यतः मुझे राधा बालकृष्णन्,  
भारतर अधिनियम, 1961 (1961 का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'अन्तर्राष्ट्रीय' कहा जाया है), की आरा २६७-ख  
के अधीन सदाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि द्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।  
और जिसकी सं० है, जो रेट्रिपालयम उत्कुलि में स्थित है  
(और इससे उपावढ़ में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्कुलि (डाकमैट सं० 275/79)  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन अप्रैल 79  
को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस अनुरण लिखिये में  
आकृति रूप से लिखित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तर्राष्ट्रीय से हुई किसी आप सो बाबत, उक्त अधिनियम के धर्मीन कर देने के व्यवस्थाएँ व्यापक रूप में कर्मा करने वाली दृष्टिकोण में सुविधा के लिए; प्रोटोकॉल

(ख) ऐसी किसी प्रांग या किसी धन या पम्प आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्राप्तकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रन्तः प्रबृ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा वित्तीय व्यवस्था:—

( 1 ) श्री आर० राम पेरियतमबी (अन्तरक)

( 2 ) श्री आर० कृष्णस्वामी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर हमें इसके अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उभत मंपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्ससंबंधी व्यक्तियों पर मूल्यना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाइं में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठांकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ब) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद किसी पर्याप्त व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित ढंगे किए जा सकेंगे।

**इडलीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रवाप 20-क में व्यथा-परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रवाप में दिया गया है।

ा और निर्माण रेतियालयम् उत्कुलि (डाक्युमेंट सं० ३)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
आर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 10-12-79 ।

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
249-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
काप्रौद्य, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 10 दिसंबर 1979

निदेश सं. 10154—अतः मुझे राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपह पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है,) भी धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्राप्ति है,  
और जिसकी सं. एस० एफ० सं. 217/- 218/1 भी है, जो चेट्टिपालयम में स्थित है (और इससे उपर्युक्त में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय किनलकटन् (डाकूमेंट सं. 315/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 79  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहिं नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वी० के० बासकरन नायर कमलम नायर (अन्तरक)

2. एस० वी० बाजन और अदरम (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :-

- (इ) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वस्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संपादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा 'अवोहस्ताक्षरी' के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण एस० एफ० सं. 217 और 218/1 भी, चेट्टिपालयम (डाकूमेंट सं. 315/79)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 10-12-1979।

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 दिसंबर 1979

निदेश सं० 10180—अन्तः मुझे गधा बालकृष्णन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० है, जो पेरियनायट्वनपालयम में स्थित है  
(और उससे उपाख्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं०  
1718/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अप्रैल 79 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति जानकी और अदरम (अन्तरक)

2. श्रीमति शार० बनजा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तभीन गे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
मापात्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अवीहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

साढ़ी इरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण पेरियनायट्वनपालयम (डाकूमेंट  
सं० 1718/79) ।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 10-12-1979 ।

मोहर :

प्रलेप श्राई० टी० एन० इस०--

1. श्री एस० राजलक्ष्मी शनमुहम्

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री एम० वेनुराज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर 1979

निदेश सं० 10173—ग्रन्त: मुझे राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 68रा, वेस्ट समवनदन रोड है, जो आर० एस० पुरम कोवम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोवम्बटूर (डाकूमेंट सं० 1882/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थात् :—  
6—१२६३/79

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयियाँ शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहन्ताकारी के पास लिखित प्रक्रिया के लिए जा सकेंगे।

**स्थलोकरण :**—इसमें प्रपुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

भूमि और निर्माण 68 रावेस्ट समवनदन रोड कोवम्बटूर (डाकूमेंट में 1882/79)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 10-12-1979।

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०—————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 अ० (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर 1979

निदेश सं० 10286—प्रतः मुझे राधा बालकृष्ण,  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ०  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इपए से अधिक है

और जिसकी सं० 15/65 भी है, जो सनघनूर में स्थित है (और  
इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा  
अधिकारी के कार्यालय, घादिपुरम (डाकुमेंट सं० 1445/79)  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908/1908 का 16  
के अधीन अप्रैल 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निखित में वास्तुविक रूप से नियत नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने पर उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाग प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपायारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पेरियन्न

(अन्तरक)

2. श्री वी० सिवकामि

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि यां तस्वीरात्मी अविक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्तियों में से किसी अविक्त धारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़  
किसी प्रन्य अविक्त धारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही  
मर्य होगा जो इस प्रध्याय में दिया गया है।

अमृतसूची

भूमि और निर्माण 15/65 भी अलवेसन रोड कोयम्बटूर-11,  
(डाकुमेंट सं० 1445/79)।

दिनांक: 10-12-1979

मोहर:

राधा बालकृष्ण  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—————

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास दिनांक 10 दिसम्बर 1979

निवेश सं० 10152—असः मुझे राधा बालकृष्णन, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है, जो नाचियापा स्ट्रीट ईरोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ईरोड (डाकुमेंट सं० 1521/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन एप्रल 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पारवति अम्माल

(अन्तरक)

2. श्री पलनिमप्प मुदलियार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रवान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

**स्पष्टीकरण:**—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 1, नाचियापा स्ट्रीट ईरोड (डाकुमेंट सं० 1521/79)।

राधा बालकृष्णन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 10-12-1979।

मोहर:

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण )  
अर्जन रेंज-II, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 10127—अतः मुझे राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० 23/105, है, जो ओपनाकार स्ट्रीट कोय-  
म्बटूर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूचि में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर  
(डाकूमेंट सं० 1645/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 79  
को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि पथापूर्वोत्तम सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति रहमत बीबी और अदरस  
(अन्तरक)
2. श्री एम० पी० आर० सौरिराजुलू चेट्टियार और अदरस  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रवोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है

अनुसूची

भूमि 23/105, ओपनाकार स्ट्रीट कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं०  
1645/79) ।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण )  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 10-12-1979  
मीहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण )

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-60006, दिनांक 10 दिसंबर 1979

निदेश सं० 10177—अतः मुझे राधा बालाकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 4<sup>1</sup>/<sub>2</sub> पलाट 88, है, जो पीलमेडू, कोयम्बटूर, में स्थित है (और इससे उपाख्य भौतिक सम्पत्ति है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी<sup>१</sup> के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2073/79) भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अप्रैल 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तकि रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुर्दि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

1. श्री एस० बनकटेसन (अन्तरक)

2. श्री के० सी० सैमन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्पञ्चांशी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रतुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि और बिल्डिंग 4, पीलमेडू, कोयम्बटूर (डाकुमेंट नं० 2073/79) ।

राधा बालाकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 10-12-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. डी. एन. एस. ——

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा  
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर 1979

निदेश सं. 10183—अतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रष्टिनियम' केरा गया है), की बारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायीर सम्पत्ति, त्रिपुरा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिमकी सं. 23/91, है, जो ओपनकार स्ट्रीट कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं. 1879/79) में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिभान प्रतिफल के लिए प्रमत्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिभान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिभान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से छवित नहीं रिहा गया है :—

(क) प्रमत्तरण में हुई किसी धार्य की शब्द, उक्त भ्रष्टिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी प्राय ना किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त भ्रष्टिनियम की बारा 269-ष के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री आर० एम० वल्लियप्पन (अन्तरक)

2. कै० सकुनतला (अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवेदन करता हूँ।

उक्त नियम के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामोन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में विस्तृत होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस उचित के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायीर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधारूपस्ताकरी के पास लिखित में रिहा जा सकें।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं उनकी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुसूची

भूमि और निर्माण 23/91, ओपनकार स्ट्रीट, कोयम्बटूर, (डाकुमेंट सं. 1879/79)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रासज़ज

दिनांक: 10-12-1979।

मोहर:

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

जार्यान्त्र, महाप्रक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक, 10 दिसम्बर 1979

निदेश सं० 10183—अतः मुझे, राधा बालकृष्णन्, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

ओर जिसकी सं० 23/91ए, 91बी, 91सी, है, जो ओपनाकार स्ट्रीट कोम्ब्बटूर में स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के फार्मलिय, कोम्ब्बटूर (डाकुमेंट सं० 1878/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इकायान प्रतिफल के लिए अन्वरित की गई है और मग्ने यह विश्वास रु०/० का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ओर अन्वरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्वरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्वरण निम्नित में वास्तविक कर से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्वरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० एम० वल्लभपान। (अन्तरक)

2. श्री के० जादिराज। (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में बमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोदस्ताक्षरी के पास लिखित न किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि ओर निर्माण 23/91 ए, 91बी, 91 सी, ओपनाकार स्ट्रीट कोम्ब्बटूर (डाकुमेंट सं० 1878/79)।

राधा बालकृष्णन  
सकाम प्राधिकारी  
महायकर भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारोत्तम 10-12-1979

मोहर :

प्रलेप ग्राही० टी० एन० एस०-----

1. श्री टो० बी० लोकनाथन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री के० रामदास

(अन्तरिसी)

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निवेद  
—प्रतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सम्भव साधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसको सं० है, जो इसकाट्टकोट्टै में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार्कर्ता अधिकारी के कार्यालय, थर्पेरमबड़ुर (डाकुमेंट सं० 865/79) में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अर्गेंल 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंशुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्बत्रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ऐप्रिकल्चुरल भूमि—इसकाट्टै कोट्टै (डाकुमेंट सं० 865/79)।

राधा बालकृष्ण  
सभम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के पन्ने में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 11-12-1979  
मोहर :

प्रस्तुप पाई=टी० एन० एस०—————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 11 दिसम्बर 1979।

निकेश सं० 8564—अतः मुझे, राधा बाल कृष्ण,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो इरुक्काट्टु कोट्टु (डाकुमेंट सं०  
895/79) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय श्री-  
पेल्मबट्टूर में रजिस्ट्रेकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन अप्रैल 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और प्रत्यरिती (प्रत्यरितियों) के  
बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण निश्चित में वास्तविक रूप से उचित नहीं  
किया गया है :—

(क) प्रत्यरण से ही किसी आय की वापत, उक्त व्यक्ति-  
नियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या भ्रम्य स्थास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रावकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छव-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एग्रीकलचुरल भूमि इरुक्काट्टु (डाकुमेंट सं० 895/79)

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज - , मद्रास

अतः यह, उक्त व्यक्ति-नियम की धारा 269-ष के  
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की  
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों पर्वतः—  
7—426GI/79

तारीख : 11-12-1979

मोहर:

प्रलेप आई० टॉ० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 वा (1) के अधीन सूचना:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 दिसंबर 1979

निवास सं० 7176—यतः, मुझे राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी०, 64, 48 स्ट्रीट है जो अशोक नगर, मद्रास-83 में स्थित है (और इससे उपावख में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय-काठमदारन्नम (डाक्युमेंट सं० 1234/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 79

को वर्वेंस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पश्चापूर्वान्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्मालिति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(1) श्री लम० बी० मिश्रतन मामलियन । (अन्तरिक्ष)

(2) श्री चेलेश । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी शाश्वतः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त कान्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-वा में यथा परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यरूप के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।  
लोर/गा

मनुसूची

भूमि और निर्माण बी० 64, 48 स्ट्रीट, अशोक नगर, मद्रास-83 ।

राधाबालकृष्ण  
संस्थान अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 11-10-79  
मोहर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के मनुसूचन में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की संपादना (1) के अधीन, निर्मालिति व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रकृति आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

निवेदन सं० 14/एफरल 179—यतः मूझे, श्री० आनन्दाम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 227, प० और बी० बद्री नगर, टाइपटटी  
है, जो गुरु, सेलम में स्थित है (और इसमें उपाख्य में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता० अधिकारी के  
कार्यालय, जे० प० एस० आर० I सेलम (डाक नं० 1869/79)  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16 के) अधीन 16 एफरल 79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से कुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
बाता थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्युत्तरमें,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के  
प्रधीन, निम्नलिखित अवक्षितयों, पर्यातु :—

(1) (1) श्री वी० सिंह छेत्रीमार (2) श्री ठी० जमराम  
(अन्तरक)

(2) श्री के० आर० जी० नागफन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक संबंध में कोई भी भावेव :—

(क) इस सूचना के राज्यान्तर में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो श्री प्रवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अवक्षितयों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज्यान्तर में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यांत्रोदस्ताक्षरी के पास  
निखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1869/79 जे० एस० आर० I सेलम  
भूमि और निर्माण डोर नं० 227 ए और बी, बद्री  
नगर, टाइपटटी, गुरु, सेलम।

श्री० आनन्दाम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 12-12-79

मोहर :

प्रैरूप प्राइंट ट्रॉनो एनो एसो—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनाईक 12 दिसम्बर 1979

निशें सं० 15/अप्रैल / 79—यतः मुझे, ओ० आनन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 227 सी और 227 डी बदरीनगर, टाङ्पटी है, जो सेलम में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अप्रैल 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त बचतों में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बी० सिदर चेट्टीमार और श्री डी० जयरामण (अन्तरक)

(2) श्री एन० राजमाल (प्रतिरक्षित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवौहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधित व्यक्ति:—इनमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वर्ती अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(डाकुमट नं० 1859/79 जै० एस० आर०-१ सेलम भूमि और निर्माण डोर नं० 227 सी० और 227 डी बदरी नगर, टाङ्पटी, सेलम

ओ० आनन्द्राम,  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर अधिकत (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 12-12-79

मोहर:

प्रह्लप आई० ई० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 31/अप्रैल/79—पतः, मुझे, औ० आनंद्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० डि० नं० 24 (एफ नं० 60) सं० नं० 85/2 विर्टिलावण है, जो फस्ट किरास स्ट्रीट फैरलेडन्ड, अनगापुरम, सेनम में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, ज० एस० आर० I सेलम (डाक नं० 1988/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अप्रैल 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच से अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

अनुसूची

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती राजा ई० अम्पाल (2) श्री एच० आर० नागेन्द्रिण (3) मनर सुन्दररामण (अन्तरक)

(2) श्री ए० ए० हनुमंतराव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

डाकुमेंट नं० 1988/79 जे० एस० आर० I सेलम

भूमि और निर्माण डि० नं० 24 (एफ० न० 60), सं० नं० 85/2, विर्टिलावन फस्ट स्ट्रीट, फैरलेडन्डस अलगापुरम, सेलम।

श्री० आनंद्राम,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 12-12-79

मोहर :

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

रूप आई० टी० एस० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 42 /अप्रैल /79—यतः, मुझे ओ० आनन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के संबीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 20, रतन बाजार, है, जो मद्रास-1 में स्थित है (ओर इससे उपबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सौकारफट, मद्रास (डाक नं० 226/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अप्रैल 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाठा गया प्रतिफल, निम्ननिम्नित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसा (कसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः यद्युपरि उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकियों, अर्थात् :—

(1) श्री रफिक महमूद (अन्तरक)

(2) श्री सैयद शाफुल्ला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिनियमों पर सूचना की वामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकियों में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

डाकुमेंट नं० 226/79 एस०आर० ओ० सौकारफट मद्रास भूमि और निर्माण डोर नं० 20, रतन बाजार, मद्रास 1

ओ० आनन्द्राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 12-12-79

मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निदश सं० 11/अप्रैल/79—यतः, मुझे श्रो० आनंद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपयोग बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 4, अरुनाचलस्वरर कोइल है, जो स्ट्रीट, मद्रास, 81 में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामफरम, मद्रास (डाक नं० 489/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिध रूप में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलब्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नागरतिनमाल (2) मुद्रा पदमानेतरी

(अन्तर्गत)

(2) श्रीजी० मुरुलिवेल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आकुमेट नं० 489 /79 ए० श्रो० आनंद्राम

भूमि श्रीर निर्माण डोर नं० 4, अरुनाचलस्वरर कोइल स्ट्रीट, मद्रास 81

श्रो० आनंद्राम  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 11-12-79

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 69/एफरल/79--यतः, मुझे ओ० आनन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 93, तम्भू छेट्टी है, जो स्ट्रीट, मद्रास I में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जै० एस० आर० I मद्रास (डाकुमेंट नं० 1784/79) म भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरित धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों पर्याप्त :—

1. श्री सी० श्री० मुतुकुमारसामी छेट्टी (अन्तरक)
2. (1) श्री के० एम० एम० सैमद इबराहिम
  - (2) श्रीमती एम० एम० वी० जैनामबी सुलैमा
  - (3) श्री के० एम० एम० सैमद मोहम्मद सलिम
  - (4) श्री के० एम० एम० हमीद अलिया
  - (5) श्री के० एम० आर० आमीसात फातीम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तावरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 33) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1784/79 जै० एस० आर० , मद्रास

भूमि और निर्माण डोर नं० 93, तम्भू छेट्टी स्ट्रीट मद्रास ।

ओ० आनन्द्राम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 12-12-79

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर, 1979

निवैश सं० 72/अप्रैल/79—अतः, मुझे, ओ० आनन्दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

मीर जिसकी सं० 17 है, जो बड़मलै मैस्ट्री स्ट्रीट, मद्रास- 1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ०-II मद्रास नार्थ (डाकुमेंट नं० 162/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूम्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, वैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

8—426GI/79

(1) श्री जे० पलानी पुत्र श्री जयाराम मुदालियर, 17, बड़मलै मैस्ट्री स्ट्रीट, मद्रास-1। (अन्तरक)

(2) श्री बोनीगी मोलगव्या 13, न्यू स्ट्रीट, मन्नाडा, मद्रास-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

'अनुसूची'

डाकुमेंट नं० 162/79 जे० एस० आर० ओ०-II, मद्रास नार्थ। भूमि और निर्माण—झोर नं० 17, बड़मलै मैस्ट्री स्ट्रीट, मद्रास।

ओ० आनन्दाम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 12-12-1979

मोहर :

प्रमुख धाई० टी० एन० इस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 13 दिसम्बर 1979

निदेश सं० 13/अप्रैल/79—अतः मुझे, ओ० आनन्द्राम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि उपावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० एस० नं० 757/3 (डोर नं० 89) सिवकासी है, जो सिवकासी में स्थित है (और इससे उपावर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिवकासी (डाकु० नं० 1126/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिफल की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल अधिक है और प्रतिरक्त (प्रतिरक्तों) और प्रतिरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे प्रतिरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण निर्धारित विधि में वास्तविक रूप से कार्य नहीं किया गया है :—

(क) अनुसरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रतिरक्त के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्में भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए या, उपर्यन्त में विधा नहीं;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. संतानलक्ष्मी मैच वर्क्स बै पार्टनर्स

- (1) ए० अलगिरिसामी
- (2) पी० कूडलिंग नाडार
- (3) पी० कृष्णासामी नाडार
- (4) ए० सुन्दरवडिवेल
- (5) पी० अश्रुचामी नाडार
- (6) ए० सुन्दरराजन
- (7) टी० गणिवदनन

(प्रतिरक्त)

2. श्री वी० संकरलिंगम पुत्र थेलायुथा नाडार, 99 वेभान्जमियर स्ट्रीट, शिवाकासी। (प्रतिरक्ती)

को यह सूचना आयी करके पूर्वोक्त समति के ग्रंजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(1) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नस्तवंशी व्यक्तियों पर गृहन की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

इन्होंने :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1126/79 एस० आर० ओ० सिवकासी।

भूमि और निर्माण—सं० नं० 757/3 (डोर नं० 89) सिवकासी।

ओ० आनन्द्राम, सकाम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 13-12-1979

मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०-----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथनं रेंज-I, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर 1979

निदेश सं० 34/अप्रैल/79—यतः, मूँझे, औ० आनन्द्राम  
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 27 है, जो तोतियन किनटरु लेन, मदुरै  
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जै० एस०  
आर०ओ०-I, मदुरै (डाकु० सं० 1280/79) में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अप्रैल 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से हम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये प्रस्तुरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यहांपूर्वोक्त तम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और भन्तरक (अन्तररक्कों) और प्रमत्तरितों (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नमिहित  
उद्देश्य से उक्त भन्तरण जिक्र में वास्तविक रूप से नहीं  
किया गया है:—

(a) अन्तरण से हुई किसी पाय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अन्तीम कारब्रेम के प्रत्यरक्क के वायित्व में  
कभी नहीं या उससे बढ़ते वै भुविका के लिए;  
और/या

(b) ऐसी किसी प्राय या किसी इन या धार्य प्रादितियों की  
जिसे भाइकी ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्ब  
अन्तरिती डारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में भुविका के लिए;

वर्त: वर्त, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के प्रमुः  
सहरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अन्तीम निम्नलिखित विवरों, अचान्त:—

1. श्री बी० वेंकटाचलपती अग्न्यर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री ए० बी० पी० सुब्रामनियम

(2) माइनर ए० बी० पी० इलंगो

(3) माइनर ए० बी० पी० शेमसेगरराजन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयित्वाद्वारा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधीक्ष्टस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होपा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रनुसूची

डाकुमेंट नं० 1280/79 जै० एस० आर० ओ०-I मदुरै।  
भूमि और निर्माण—डोर नं० 27, तोतियन किनटरु लेन,  
मदुरै।

श्री० आनन्द्राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रंथनं रेंज-, मद्रास

तारीख : 13-12-1979

मोहर:

प्रस्तुप धाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 विसम्बर, 1979

निदेश सं० 35/प्रप्रैल/79—यतः, मुझे, भ्रो० आनन्द्राम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विवास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 27 है, जो तोटिमन किनटरु लेन, मदुरे  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे०  
एस० आर०-I, मदुरे (डाकु० नं० 1281/79) में भारतीय  
राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
प्रप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विवास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत  
से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिक्ष (अस्तरिक्षों)  
के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण विवित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को  
अन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगताथं  
प्रस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
आगा चाहिए या, छिपाये में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तयों, अवृत्तः—

1 (1) श्री श्रो० बी० मोर्थी लाल  
(2) श्री श्रो० एम० क्षिरिदरण  
(मन्त्रक)

2 (1) श्री ए० बी० पी० बालसुब्रयमनियम  
(2) मैनर ए० बी० पी० इलंगो  
(3) मैनर ए० बी० पी० शेमसेगर राजन  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयित्वा करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तासंबंधी अवित्तयों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में  
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तयों में से  
किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य अवित्त द्वारा प्रशोहस्तान्त्री के पास विद्धि में  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं  
पर्यंत होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनुसूची

डाकुमेंट नं० 1281/79-जे० एस० आर० भ्रो०-I,  
मदुरै। भूमि और निर्माण—डोर नं० 27, तोटिमन किनटरु  
लेम, मदुरै।

भ्रो० आनन्द्राम  
सक्षम प्राविकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-, मद्रास

तारीख : 13-12-1979

सौहर :

प्रकाश पार्सेन दौ० एस० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायकर (निरीक्षण)

प्रजन्म रेज-१, मद्रास

मद्रास, विनांक 13 विसम्बर, 1979

निवेद सं० 36/प्रब्रैल/79—यतः, मुझे, श्रो० भ्रामन्द्राम प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प्र के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 27 है, जो तोटिमन किनटह लेन, मदुरै में स्थित है (और इससे उपावड़ ग्रन्तसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ज० एस० प्रार०-१ मदुरै (डाकु० सं० 1282/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन प्रब्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास कास्ते का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृष्ट ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रमरण के लिए तक भ्रमण गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में व्याख्याकरण से कठिन नहीं किया जाया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की वावड उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाविल ये वावडे वावडे वावने में सुविधा के लिए, श्रो०/वा

(क) ऐसी किसी धारा या किसी प्रति या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, भायम-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाया चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए।

उक्त ३ कड़, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प्र के अनुतरक में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प्र की उपस्थापा (1), के अधीन निम्नलिखित अधिकारों अधीन।—

1. (1) श्री श्रो० वी० केसवन  
(2) श्री श्रो० के० महेश

(मन्त्रालय)

2. (1) श्री ए० वी० पी० सुक्रामनियम  
(2) मैनर ए० वी० पी० इलंगो  
(3) मैनर ए० वी० पी० शेम सेगर राजन

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:—

- (क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तस्मान्तः अविकारों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकारों में से किसी अविकार हारा;
- (ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किसी द्वारा या उसके अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथमें शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1282/79 ज० एस० प्रार०-१, मदुरै भूमि और निमाण—डॉर नं० 27, तोटिमन किनटह लेन, मदुरै।

श्रो० भ्रामन्द्राम  
सभी प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायकर (निरीक्षण)  
प्रजन्म रेज-१, मद्रास

तारीख : 13-12-1879

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269-प (1) के प्रधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० 37/प्रप्रैल/79—पतः, मुझे, औ० आनन्द्राम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा  
269-प के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवेदास करने का  
कारण है कि स्थानीर संपत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-  
ए० से अधिक है

और जिसकी सं० 27 है, जो तोटिमन किनटर लेन, मदुरे  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
जे० एस० आर०-1, मदुरै (डाकु० सं० 1283/79 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन प्रप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विवेदास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अनुरक्त (अनुरक्तों) और अनुरिती  
(अनुरितियों) से बीच ऐसे अनुररण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण निखित में आस्ति-  
विक रूप से रखित नहीं किया गया है :—

(क) अनुररण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के बायित्व में कठी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(म) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या पर्य आस्तियों  
को, जिसमें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अनुरिती हारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें मूल्यांकन के लिए;

धरत: अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग के अनुसार  
में, उक्त अधिनियम की आरा 269-प की उप-आदा  
(1) अधीन निम्नरिक्षित अधिकारी, अवृत्त :—

1. (1) श्री ओ० बी० डी० दगौदास
- (2) श्री ओ० बी० डी० पशपराज
- (3) श्री ओ० बी० डी० बरत
- (4) श्री ओ० बी० डी० अशोक
- (5) श्री ओ० बी० डी० अरुण

(अन्तरक)

- (2) (1) श्री ए० बी० पी० सुक्रामनियम
- (2) मैत्र ए० बी० पी० इलंगो
- (3) मैत्र ए० बी० पी० शेमसेगर राजन

(अन्तर्तिक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रधन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के प्रधन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना  
को लाभीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी  
में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोदृस्ताकारी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रधानाय 20०क में  
परिभ्रान्त हैं, वही पर्य होगा, जो उस  
प्रधानाय में दिया गया है।

### मदुरै

डाकुमेंट नं० 1283/79 जे० एस० आर०-1, मदुरै  
मूलि और निमाण—झोर नं० 27, तोटिमन किनटर लेन,  
मदुरै।

ओ० आनन्द्राम  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 13-12-1979  
मोहर :

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एस० पी० करुणायें

(2) श्रीमती के० रत्नेन्माला

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० सीनैमा नाडार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 विसम्बर 1979

निदेश सं० 6/अप्रैल/79—यतः, मुझे, श्रो० आनन्दाम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 927/1 है, जो पुदुमंडपम,  
मदुरै है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, पुदुमंडपम, मदुरै (डाकु० नं० 543/79) में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में कुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किए आये व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**संज्ञीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभासित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 543/79 एस० आर० श्रो० पुदुमंडपम  
जाली भूमि—आर० एस० नं० 927/1, पुदुमंडपम, मदुरै।

श्रो० आनन्दाम  
सभम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 12-12-79

मोहर :

प्रस्तुत प्राईट टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-1 भारास,

भारास, दिनांक 12 विसंवर 1979

निदेश सं० 17/प्रप्रैल/79—यतः, मुझे ओ० आनन्दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब (1) के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० पट्टा नं० 10, सर्वे नं० 51, 53 और 55 है, जो अतिपूर गांव, शेवराम इलास, घेरकाड तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घेरकाड (डाकु० नं० 60/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन प्रप्रैल, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री के० वी० सा० गिलस रिप्रेंटेड बाई पावर  
आफ प्रटारनी एजेन्ट श्री के० वी० अमुबकर  
(अन्तरक)

(2) श्री के० बैंकटेसन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके बैंकेंस द्वारा सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी वायिपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधौहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

भनुसूची

डाकुमेंट नं० 60/79 एस० आर० ओ०, घेरकाड ।  
भूमि पट्टा नं० 10 सर्वे नं० 51—0.51 एकडस । भूमि  
पट्टा नं० 10, सर्वे नं० 53—2.28 एकडस, भूमि पट्टा नं०  
10, सर्वे नं० 55—18.27 एकडस । कुल भूमि 21.06  
एकड । अतिपूर गांव, शेवराम इलास, घेरकाड तालुक ।

ओ० आनन्दाम  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेज-1, भारास ।

तारीख : 12-12-1979

मोहर :

प्रकाश प्राइंटी० ई० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-म (1) के पश्चीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० 18/अप्रैल/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दाम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के पश्चीम सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से प्रधिक है

और जिसकी सं० डोर नं० 4, है, जो, कमला दूसरी स्ट्रीट, ठललाकुलम मधुरे में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ठललाकुलम, मधुरे (डाकु० नं० 1367/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से दुर्दि किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के पश्चीम कर देने के अन्तरक के बायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिसमें प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में मत्रिधा के लिए;

अतः यद्युपरि उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपस्थिता (1) के पश्चीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

9-426GI/79

1 (1) श्रीमती बी० दनलक्ष्मी और (2) श्री बी०

नाशराजन

(अन्तरक)

2 (1) श्री के० पांडियन और

(2) आर० जयरामन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्मान्यो व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में ममास होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौढ़ों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1367/79 एस० आर० ओ० ठललाकुलम भूमि और निर्माण—डोर नं० 4, कमला दूसरी स्ट्रीट, ठललाकुलम, मधुरे।

ओ० आनन्दाम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास-

तारीख : 12-12-1979

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कार्यालय मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर, 1979

निवेश सं० 26/प्रप्रैल/79—यतः, मुझे, औ० आनन्द्राम  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके परामृत 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 81/2 और 90/3 है, जो नडुकोमिल  
गांव नामकल तालुक, सेलम डिस्ट्रिक्ट में स्थित है और  
इससे उपाबुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सेंद्रमंगलम (डाकुमेंट  
नं० 750/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन प्रप्रैल, 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे  
प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है।—

(क) प्रस्तरण से ही किसी भाषा को बाबत, उक्त प्रधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो  
करने या उससे अध्यने में सुविधा के लिए; और/गा

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम,  
या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया या या किया जाना चाहिए था,  
किया जाना में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के प्रनुसरण  
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
प्रबीच, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवत्ति:—

(1) श्रीमती सिवगामी सुंदरी अम्माल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० चेलम्माल

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रस्ताव 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस प्रस्ताव में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 17/79, एस० आर० औ० सेंद्रमंगलम  
एगीकलचरल भूमि—सर्वे नं० 81/2 और 90/3 नडुकोमिल  
गांव, नामकल तालुक, सेलम जिला।

ओ० आनन्द्राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-12-1979

मोहर :

प्रलेप आई० दी० एस० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- मद्रास

मद्रास, विनांक 13 दिसम्बर 1979

निदेश सं० 65/श्रील/79—यतः, युक्ते, श्रो० आनन्द्राम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 281, 320 और 335 हैं, जो सानानकोललै, मान्याठेटम नैमुरी कोट्टै में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-१ मद्रास नार्थ (1619/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रील 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितीयों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त सं उक्त प्रत्यक्षण निश्चित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त प्राधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायिक्ष में कमी फरत या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्राधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने वें सुविधा के लिए;

यतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

(1) श्री आर० जी० बालसुन्दरमनियम

(अन्तरक)

(2) (1) श्री एस० बंगालवेदी

(2) श्री बी० रविशंकर बाबू

(3) श्री बी० जगदीश

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किए गए अन्य अवित्त द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही बर्ख होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1619/79, जे० एस० आर० श्रो०-१, मद्रास नार्थ। एग्रीकल्चरल भूमि सर्वे नं० 281, 320 और 335, सानानकोल, मान्याठेटम, नैमुरी कोट्टै।

श्रो० आनन्द्राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१, मद्रास

तारीख : 13-12-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०————

(1) श्री पी० सेंगोटियन

(अन्तरक)

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) सर्वेश्वी

269-ग (1) के अधीन सूचना

(1) एन० वी० मारीभुतु गवुंडर

भारत सरकार

(2) एम० कुलैडेवेलु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(3) एम० मनी

अर्जन रेज-1 मद्रास

(4) एम० सेरुकलै

मध्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

(5) एस० केवसामी गवुंडर

(अन्तरिती)

निदेश सं० 29/प्रप्रैल/79—यतः, मुझे, औ० आनन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 376/2सी, 375/2सी, 376/2बी, 402/2 है, जो पुंजैमुड़मार मेलमुगम गांव, वेलूर नामकल तालुक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर०-1, सेलम (डाकुमेंट सं० 591/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपकारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अपति :—

(1) श्री पी० सेंगोटियन

(2) सर्वेश्वी

(1) एन० वी० मारीभुतु गवुंडर

(2) एम० कुलैडेवेलु

(3) एम० मनी

(4) एम० सेरुकलै

(5) एस० केवसामी गवुंडर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी आज्ञेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टव्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 591/79 जे० एस० आर०-1, सेलम एप्रिल्कल्चर भूमि, सर्वे नं० 376/2सी, 375/2सी, 376/2बी, और 402/2, पुंजैमुड़मार मेलमुगम गांव, वेलूर पोस्ट, नामकलतालुक।

श्री० आनन्द्राम  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास।

तारीख : 12-12-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी० एन० एस० —————  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-घ(1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 प्रज्ञन रेज, मद्रास  
 मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

निवेश सं० 32/प्रैल/79—यतः, मुझे, श्रो० आनन्द्राम  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 15 ट्वेन छाल रोड, है तथा जो मदुरै  
 में स्थित है (और इससे उपांडू अनुसूची में और पूर्ण  
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
 पुदुमंडपम, मदुरै (डाकु० नं० 668/79) में भारतीय  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
 अधीन अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 अन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तथ पर्याय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वेशी

- (1) श्रार० सुब्बैया
- (2) मैनर रवी सुब्बैया
- (3) मैनर उमा सुब्बैया

(अन्तरक)

(2) सर्वेशी

- (1) एन० बालासुब्रामनियम
- (2) मैनर एन० एस० सख्तन
- (3) मैनर एन० एस० संकरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के  
 लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अप्रधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
 वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

डाकुमेंट नं० 668/79 एस० श्रार० ओ० पुदुमंडपम  
 मदुरै, भूमि और निर्माण ऑर नं० 15, ठ्वुन हालरोड,  
 मदुरै।

श्रो० आनन्द्राम  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 प्रज्ञन रेज-I, मद्रास

तारीख : 14-12-1979  
 मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस०—

मेसरस रवी पैटस अन्ड केमिकलस लिट  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

मेसरस केसी होत सन्स  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

निदेश सं० 62/प्रौल/79—यतः, मुझे, श्रो० आनन्द्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० पुराना डोर नं० 72 है, जो सूरजनारायण छैटी स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-१ मद्रास नार्थ (डाकु० नं० 362/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रौल, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आव वा किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्बति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में के हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 362/79 जे० एस० आर०-१, मद्रास नार्थ। भूमि और निर्माण—पुराना डोर नं० 72, सूरजनारायण छैटी स्ट्रीट, मद्रास-1

[श्रो० आनन्द्राम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, मद्रास ।

तारीख : 14-12-1979

मोहर:

प्रकाश प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के पधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर 1979

निवेश सं० 7147—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के पधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि इयाकर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 925, पूनमल्ली रोड है, जो मद्रास-84 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, पुरसवाख्यम (डाकुमेंट सं० 618/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के पधीन, कर देने के अस्तरक के वायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(1) श्री सी० एस० पद्मनाभन और अदर्से ।

(अन्तरिक)

(2) श्रीमती टजूशिसा अच्छीज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के लिए कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरात्मक व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापारिभावित है, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—925, पूनमल्ली है रोड, मद्रास-84 (डाकुमेंट सं० 618/79)।

(ब) ऐसी किसी आय या छिसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन ज., मद्रास

घटना: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 13-12-1979

मोहर:

प्रलेख आई० टी० एन० एस० ४४४

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर 1979

निवेश सं० 10147—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो मुट्ठिनाड ऊटी में स्थित है (और इससे उपांचढ़ प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कूनूर (डाकुमेंट सं० 486/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री जोधि धौड़र।

(अन्तरक)

(2) श्री सिन्निधियमाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बदल निपी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षण के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पूर्ण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एग्रिकल्चरल भूमि, मुट्ठिनाड, 15 एकड़ (डाकुमेंट सं० 486/79)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

यह अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 13-12-1979

मोहर :

प्रकाश वार्दू टी.एन.एस.—

(1) श्री बनालक्ष्मी प्रमाल और प्रदेश।

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-प (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सी. रामकृष्ण।

भारत सरकार

(भन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 विसम्बर, 1979

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मान्यता:-

निवेद नं. 10116—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सम्पत्ति प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का फारंग है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 251 है, जो ओपनकार स्ट्रीट, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं. 2683/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन प्रैस, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का फारंग है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्व अतिक्रम अधिक है और प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और प्रत्यरिती (प्रत्यरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरकण के लिए तब पापा या प्रतिक्रिया, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरकण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यरकण से हुई किसी आवश्यक वाक्ता, उक्त प्रतिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में मुदिष्ठा के लिए घौरथा;

(ख) देसी किसी आप या किसी धन या ग्राह्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रतिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रतिनियम, या धनकर प्रतिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुदिष्ठा के लिए;

अनुसूची

भूमि और निर्माण 251, ओपनकार स्ट्रीट, कोयम्बटूर, (डाकुमेंट सं. 2683/79।)

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

महतः अब, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-प के प्रमुखरण में, मैं उक्त प्रतिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन I—

10-426GI/79

तारीख : 13-12-1979

मोहर :

प्रखण्ड प्राइ० टी० एन० एस०—————

(१) एल० जयेनकुमार वास।

(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा  
२६९-ष (१) के अधीन सूचना

(२) श्री एम० शममुद्धम और अदसे।

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास  
मद्रास, दिनांक १३ दिसम्बर, १९७९

निदेश सं० ७२०२—यह, मुझ, राष्ट्रा बालकृष्ण  
ग्रामकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
२६९-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य २५,०००/- 'रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० ५७ है, जो जेनरल पेट्रोरस रोड, मद्रास-२  
में स्थित है (और इससे उपायदृ ग्रन्तिसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
ट्रिप्पलकेन (डाकुमेंट सं० २६७/७९) में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन  
तारीख अप्रैल, १९७९

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि ग्रामपूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या 'किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष की उपचारा  
(१) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अवधारित :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी  
अप्य व्यक्ति द्वारा, ग्रामोद्योगीकारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभासित है, वही  
अप्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### सुनिश्ची

भूमि और निर्माण ३७, जेनरल पेट्रोरस रोड, मद्रास-२  
(डाकुमेंट सं० ३६७/७९)।

राष्ट्रा बालकृष्ण  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : १३-१२-७९

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री राजमाल और सुन्दरम् ।

(अन्तरक)

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्राप्तकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 दिसंबर, 1979

(2) श्री सी० हरिहरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

निदेश सं० 7140—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 19 है, जो कानून समित रोड है जो गोपालपुरम, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाकुमेंट सं० 688/79) में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य ग्राहितियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अनुसूची

भूमि और निर्माण 19, कानून समित रोड, नार्थ गोपालपुरम, मद्रास (डाकुमेंट सं० 688/79)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राप्तिकारी  
सहायक प्राप्तकर मायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

ग्रन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-12-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री एम० शिमूरती

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(2) श्री के० राजगोपालन

(अन्तरिती)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 13 विसम्बर, 1979

निदेश सं० 7164—यतः, मुझे, राष्ट्रा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 4 डाक्टर तिरुमूरती नगर, मेयन स्ट्रीट है, जो मद्रास 34 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकूमेंट सं० 578/79) में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्य आस्तियों को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किमा जाता था किंतु वह, छिपाने में सुविधा के लिए;

राष्ट्रा बालकृष्ण  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अब: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्:—

तारीख : 13-12-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट दी० एन० एस०—

(1) श्री टी० ए० बालाकृष्ण।

(प्रस्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री के० रवीन्द्रन।

(प्रत्तरिती)

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजनन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विमान 13 विसम्बर, 1979

निवेद सं० 7192—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिस हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी-45, प्लाट सं० 148-ए है, जो अन्न नगर, मद्रास-40 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाकुमेंट सं० 671/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और प्रत्तरक (प्रस्तरकों) और प्रत्तरिती (प्रत्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजनन रेंज-II, मद्रास

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुबरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपजारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित अन्तरितियों, अवार्ता:—

तारीख : 13-12-1979

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एवं० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की घारा  
२६०-व (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीकण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक १३ दिसम्बर, १९७१

निवेश सं० १०१७—यतः मुझे राष्ट्र बालकृष्ण ग्रामकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा २६०-व के अंतर्गत सत्रम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० स० एफ० सं० ३०३/१ और ३०२/५ है, जो ओठनठरे ग्राम में स्थित है (और इससे उपावड़ ग्राम्यस्थी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर डाकूमेंट सं० १९०५/७९ मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन दिनांक २९ मई १९७१ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया किया गया है:—

(१) अंतरण से ही किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के पश्चात के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(२) ऐसी किसी प्राय वा किसी अब या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें ग्रामकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, जिसने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा २६० के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की घारा २६०-व और उक्त घारा (१) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृद्धः—

(१) श्रीमती शकुन्तला देवी और अवर्से ।

(अन्तरक)

(२) श्री वी० दौरैस्कामी लेट्रीयार और अवर्से ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी भरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी घारेपा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है ४५ दिन की प्रवधि या तस्वीरनीय अधिकारी पर सूचना की तारीख से ३० दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता हारा ;

(च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह जिसी अन्य अधिकारी के पास सिवित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

ग्राम्यस्थी

एग्रिकल्चरल भूमि ओठनठरे ग्राम ग्रामांशी तालुक,  
कोयम्बटूर ७.३७ एकड़ (डाकूमेंट सं० १९०५/७९)

राष्ट्र बालकृष्ण  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीकण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : १३-१२-१९७१

मोहर :

प्रकल्प नार्डो टी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज-II मद्रास कार्यालय

मद्रास, विनाक 13 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० 10174—यह: मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसे पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० एस० एफ० सं० 303/1, 304/3, 322/1, और 302/5 है, जो ओठनतुरे ग्राम में स्थित है (और इसे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमें सं० 1906/79) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन प्रत्रैल, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विवास करने का कारण है कि यकात्प्रदाता सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिशत प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए अप पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तर सम्बन्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) प्रस्तरक से हुई किसी भाव ने वाक्त उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उक्ते वचने में सुविळा के लिए; और/वा

(क) ऐसी किसी भाव या किसी छन या पर्याप्त प्रार्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (-1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या अन्तर कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने व तुलिका के लिए;

(1) श्री पी० आर० बालकृष्ण।

(प्रस्तरक)

(2) श्री बी० दौर्देवामी चेट्टियार और अदर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वारा किसी ग्राहक अवधि द्वारा, अव्वोद्धस्ताक्षरी के पास विवित में लिए जा सकें।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ द्वारा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एप्रिलेक्टुरल भूमि ओठनतुरे ग्राम, 4-11 एकड़।  
(डाकुमेंट सं० 1906/79।)

राधा बालकृष्ण  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
प्रजेन रेंज-II, मद्रास

घर: घर, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रयुक्तमें, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपायारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवार्ता:—

तारीख: 13-12-1979

मोहर:

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०————

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर 1979

निदेश सं० 10169—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाह सरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं० 8/114 ए रेस कोसं है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2040/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह सरने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य पासिलियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, प्रथमि :—

(1) श्रीमती परिमलकान्ति अम्बाल

(अन्तरक)

(2) श्री एस० आर० रंगनाथन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियत द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षियत द्वारा अधीकृतकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 8/114 ए, रेस कोसं, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2045/79)

राधा बालकृष्णन  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II मद्रास।

तारीख : 13-12-1979

मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती पंरिमलकांती अम्माल और अदर्सी ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) कोयम्बटूर मैसोनिक चेरिटी ट्रस्ट

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० 10169—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8/114 रेस कोर्स है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्री कारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2039/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1979 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया अप्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और निर्माण—8/114, रेस कोर्स रोड, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2039/79)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 13-12-1979

मोहर :

प्रधान आई० टी० एन० इम०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा  
26७वा (1) के प्रधीन संतरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायता प्राप्ति वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 दिसंबर 1979

निरेश सं० 7143—यतः मुझे, राजा बालकुण्णन, आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पञ्चात् 'उत्तम अधिनियम' कहा गया है), को पारा ५८५व्य के अधीन व्यवस्थम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,५००/- है से अधिक है।

और जिसकी मं० ३८ है, जो राजा अपामने चेट्टीयार रोड, मद्रास-८४ (हाफ डोर) में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुरामवालकम् (डाकुमेट सं० 646/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य वर्णन के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विवाह संतरे का कारण है कि यथापूर्वोक्त अधिनियम का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से नहीं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के जीव एवं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, तिष्ठलिखित उद्देश से उक्त प्रनारण लिखित में वास्तविक स्थान से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने पर इसमें उचित में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आवित्यों को जिन्हें आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पर उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान म बुखारा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26७वा (1) के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 26७वा (1) के उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित घटितपों अर्थात् :—

(1) श्रीमती वी० लीलावती और अदर्स

(अन्तरक)

(2) श्री वी० काम्नीनान श्री० अदर्प

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके गूर्जीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयाद्वय करता है ;

उचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए मौर्ख भी आवश्यक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, तत्कालीन व्यक्तियों पर सूचना की वापील से 30 दिन की अवधि, तो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, जो जीतर पूर्णकाल व्यक्तियोंमें में कियो गया बन दाता,

(ख) यह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध रिती अन्य व्यक्ति द्वारा धर्योदासारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संडरेकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं वही शब्द हींगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—38, राजा अपामने चेट्टीयार रोड, मद्रास-८४ (हाफ डोर) (डाकुमेट सं० 646/79) ।

राजा बालकुण्णन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-, मद्रास

तारीख : 13-12-1979

मोहर :

प्रकल्प नं. १०३८० इ०००५००

(1) जीवनशीली लीबानी और अदर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269 प (1) के अधीन भूवना  
भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर 1979

निरेण सं. 7143—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसको पाश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा २६९-ब्र  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. ३४, राजा है तबा जो अन्नामलै चेट्टीयार रोड,  
मद्रास ८४ (आकुमेट मं. ५५१/७९) में स्थित है (अतः  
इसमें उपाख्य अनुभूति ये व्यार पूर्ण रूप में वर्णित हैं),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दोलानलय, पुण्यदानाम (आकुमेट  
मं. ५५१/७९) में भर्तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का १६) के अधीन अप्रैल, 1979  
को पुर्वान्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिक्रिया के लिए प्रतिक्रिया को गई है और नुते यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया में, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया के  
पन्द्रह प्रतिशत तो अधिक है अतः अन्नामलै चेट्टीयार (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिक्रिया विवरण उद्दीप्त तथा अन्नामलै चेट्टीयार में  
वास्तविक रूप में स्थित रहा किंतु तारा १॥

(क) अन्तरण तथा इसी विवाह की गार, उस अधिनियम के अधीन हर इस ह प्रतिक्रिया के लिए जो उतने रखने में युक्ति न दिए, और/या

(ख) ऐसी विवाह या ऐसी तथा उस प्रतिक्रिया को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उसी विवाह का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रदृढ़ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ब्र प्रत्यक्ष  
में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-ब्र की उपाधा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

(2) जीवनशीली लीबानी और अदर्स

(अन्तरिती)

को यह युक्ति द्वारा उक्त सम्पत्ति के व्यक्ति के  
लिए उपर्याप्ति करता हूँ।

उक्त समालेत के व्यक्ति के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस भूवना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तमस्वन्धी व्यक्तियों पर  
भूवना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रविधि वाद में समर्पण होती ही, के भीतर उत्तेक्ष्ण  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस भूवना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवैधतात्तरी के पात्र  
विविध न किए जा सकेंगे।

स्पष्टान्तरणः—इसी विवाह की ओर पद्धति का, जो उस अधिनियम के अध्याय 20-में परिभासित है, वही  
अप्य होणा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पुरुष

भूमि और निमाण—38, राजा अन्नामलै चेट्टीयार  
रोड, मद्रास-८४ (हाफ सेट)।

राधा बालकृष्णन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रंज-II, मद्रास

तारीख : 13-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० पृ० १८० पृ०

(1) श्री के० एल० बीरबहूप

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 दिसम्बर 1979

निदेश सं० 8597—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० एफ० सं० 232/1 ए० है, जो अविशेषकुरम मन्त्रालय में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, त्रिचि (डाकुमेंट सं० 1632/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी अथवा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री शाहल हमीद और अदरस

(अन्तरिती)

को पहले ग्राम जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के निए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साफ्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयाय 20-ह में परिभाषित है, वही प्रयुक्त होगा, जो उस प्रयाय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और निर्माण—एस० एफ० नं० 232/1 ए०, अविशेषकुरम मन्त्रालय, त्रिचि (डाकुमेंट सं० 1632/79)।

राधा बालकृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 18-12-1979

मोहर :

प्रूल आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० 186-ग०/पी० एन०/स्टडी०/79-80—अतः  
मुझे, वी० सी० चतुर्वेदी  
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
प्रौर जिसकी सं० 68 है तथा जो ग्राम शेरपुर में स्थित  
है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुड़की में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 7-5-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रौर भूमि यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथावृत्ति सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का अन्दर प्रतिशत अधिक है प्रौर  
अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए नव पात्र गया प्रतिकृति विभिन्न  
उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण निवित में त्रास्तिकृत रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी ग्राम या किसी बाबत के दायित्वों  
को, जिन्हे भारतीय प्राविद्यूत अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रावितिकृति, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनात्मक प्रतिकृति द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रन-  
सरण में, मैं, उक्त प्रतिकृति को धारा 269-घ को उत्तरा-  
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रवर्ति:—

(1) श्री साहब लाल, महेन्द्र सिंह व अर्जीत सिंह  
पुत्रगण कंवल सिंह, उपनाम कबूल सिंह, राजबीर  
सिंह असिल खुद व वली व भाई हकीकी मिं०  
जसबीर सिंह व हरबीर सिंह नावालिगान पुत्र-  
गण सोरन सिंह, ब्रजबीर सिंह, सतबीर सिंह  
पुत्र सौरन सिंह निवासी ग्राम कल्याणपुर उर्फ  
नारसन कलां, डा० गुरुकुल नारसन परगना  
मंगलौर, तहसील रुड़की, जिला सहारनपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्री ओमपाल सिंह पुत्र रंगबीर सिंह व रफल  
सिंह पुत्र कबूल सिंह व राजपाल सिंह पुत्र धूम  
सिंह, निवासी नारसन खुद परगना मंगलौर,  
तहसील रुड़की, जिला सहारनपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
माप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त द्वारा सम्पत्ति में दृष्टवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रामीणाश्री के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अंदराय 20-क में परिभाषित है, वही  
प्रयोग होता, जो उक्त प्रश्नाय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि खमरा 74 रकवा 8 बीघा 16 बिस्ता 10  
विस्तांसी पुज्जा लगान 90/- रु० सालाना मुतालिका खाता  
नं० 53 रकवा 17 बीघा 2 बिस्ता 15 विस्तांसी पुज्जा  
लगान 159 रु० 70 पैसे सालाना स्थित ग्राम शेरपुर  
परगना मंगलौर, जिला सहारनपुर में है।

वी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर।

तारीख : 27-10-1979

मोहर :

प्र० पूर्ण श्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अक्टूबर 1979

निर्देश मं० 358-ए/पा० एन०/बागपत/79-80—अतः,  
मुझे वी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस  
हस्तक्षेप के पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पहले विषयास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 39 मि० है तथा जो रावण उर्फ बड़ा  
गांव में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में आ०र  
पूर्ण स्वप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय,  
बागपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 28-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विस्मान करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तररनि  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी अवधि को बाचत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री सन्धीर मिह व स्कन्द्रेन्द्र मिह सुपुत्र कबूल  
मिह निवासी रावण उर्फ बड़ा गांव पर० व  
तहसील बागपत, जिला मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरत मिह पुत्र न्यादर सिह व चोहल मिह  
पुत्र बलदेव सिह व सत्यपाल व जयपाल पुत्र  
कटारा सिह निवासी टिपोली पर० व तहसील  
बागपत, जिला मेरठ।

(अन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध कोई भी अक्षेत्रः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या नवम्बरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, तो भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में द्वारा अवधि या  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनवद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृत व्यक्तियों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि अ० नं० 39 मि०/5111) 4-12-1/2 वाके  
ग्राम रावण उर्फ बड़ा गांव पर० व तहसील बागपत  
जिला मेरठ में स्थित हैं।

वी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 27-10-1979

मोहर :

पर्यावरण शाई० टी० एन० पूस० ---

आयोग प्रधिनियम 1961 (1961 का 43)

बी० धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

मंत्रीमण्डल, वडापाल देवदत्त तुम्हा (निरीक्षा)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० 529-ग०/पी० एन०/दवन्द/79-80—अतः, मूले बी० भी० चतुर्वेदी

आयोग प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें से के पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' लिहा गया है) की धारा 269ख के अधीन पथम धारेःलाई को गढ़ विश्वास करने वाला राजनीति है नि-  
र्माण वाजार सूची 25,000/- रुपये देना चाहिए है।

श्रीर जिसकी ख्याति सं० 440 मिं० है तथा जो ग्राम रामपुर में स्थित है (प्रीर इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्टर्ड कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, देवदत्त में, रजिस्टर्ड करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-7-1979 को दूर्वाला राजनीति के उचित राजार मूल्य से रूप के दृष्यमान प्रतिफल के तिरायनीति की गई है पौर मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि इसकी स्थिति हाँ उचित वाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यारूप (अनुसूची) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच इन प्रत्यारूप के तिरायारायार मूल्य अन्तरित विभिन्निति उद्देश्य न उस तारीख दिनीया में वापरविह रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण न हुई किसी आप की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी दिग्गी ज्ञान या जिसी धन या ग्राम्य आमिलियों को जिनके भारतीय आयोग प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पक्ष नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति:—

(1) श्री हुक्म सिंह पुत्र शिंग निः रामपुर मनिहारान, मो० कायस्थान परगना व डाकखाना रामपुर, जिला महारानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री भंवर मिह पुत्र नरीना रिह व श्रीमती माविकी देवी पत्नी नरीना मिह निवासी रामपुर मनिहारान, मोहल्ला गंगाराम, परगना व डाकखाना रामपुर, जिला महारानपुर।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्ववित समाज के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त समाज के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(ग) इस सूचना के राजवाच में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नवाचनकी अकिलीयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाद में समाप्त होती है के सीता पूर्ववित व्यक्तियों में थे किसी व्यक्ति द्वारा;

(द) इस सूचना के राजवाच में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के सीते उक्त स्थावर उपाय में दिनबद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्याक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**मानस्टीकरण:**—इसमें प्रपुक्त घटदों और उसमें का जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृतो

कृषि भूमि नम्बर खगरा 440/मि०/911) 4 पुख्ता स्थित ग्राम रामपुर यजवता वर्ग तदूङ परगना रामपुर तहसील देवदत्त जिला महारानपुर में है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुका (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 27-10-79

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, प्रशासक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 555-ए/पी० एन०/कैराना/79-80—अतः  
मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सत्रप प्राधिकारी को, वह विवास करने का कारण है कि स्थावर मंपति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1075, 1077 से 1079 है तथा वे ग्राम जन्धेड़ी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैराना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-6-1979 को प्रूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल प्राप्ति के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विवास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिगोचर प्रतिफल प्राप्ति के दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्राप्ति प्रतिशतों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पर्याप्त के लिए तथा यांत्रिक तिम्नियित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल नियम में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन नार देने के प्रमाणक के वायिक्षण में कमों करने या उपरे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, सिम्लिहित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लाहूदीन उर्फ लाहूवा पुत्र बखत ग्राम भूरा परगना कैराना, जिला मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री कूह सिंह पुत्र प्रताप सिंह व श्रीमती तेज कीर विधवा शादी सिंह व भजन सिंह व गुरदेव सिंह व जामीर सिंह व जागर सिंह व गुरमेल सिंह व भाग सिंह व अजायब सिंह व महेन्द्र सिंह पुत्र शादी सिंह ग्राम गोकरनगढ़ हाल दमेड़ी खुर्द परगना कैराना, जिला मुजफ्फरनगर।

(अन्तरिती)

को 'यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में तारीख होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपति में हितवद्धि किसी प्रथा अवधि द्वारा अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

**इन्डोक्रिन:**—इनमें रायुक्त गद्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसंधान

कृषि भूमि मगरजी 16111) 4-15 पुल्ता भूमि नम्बरी 1075 1066 1078 1079 आ 70 किते ल० 58.80 ) 4 , ) 1-5 , ) 1 , ) 3-5 सालाना व 1/2 भाग अर्ज ) 4-13 1143 1293 ) 12 , ) 4 दो किते ग्राम जन्धेड़ी परगना कैराना जिला मुजफ्फरनगर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-10-1979

मोहर :

प्रकाश प्राईंटी ट्री. एवं एस्ट्री—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अक्टूबर 1979

निदेश सं 506-ए०/पी० एन०/नकुड०/79-80 अतः, मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है।

और जिसकी संख्या 95/2, 98/2 से 103/2, 198/2 से  
202/2 है तथा जो ग्राम रामरायेड़ी में स्थित है (और इससे  
उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय, नकुड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-6-79  
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्तमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है। और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वृत्तमान प्रतिफल से, ऐसे वृत्तमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किंवा जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

12-426GI/79

(1) श्री प्रीतम सिंह पुत्र भेहर सिंह निवासी रामरायेड़ी  
परगना गंगोह तह नकुड़ जिला सहारनपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री जिन्दा व अनीनवाज व उमरदीन व आलमदीन व  
जमील (बालिण) व अफसर (नाबालिण) पुत्रगण  
अब्दल वली व संरक्षक पिता स्वयं व कासमगली व  
शफी व जिन्दा पुत्रगण सलीमुहीन निवासी सागाठेड़ा  
डा० महर्गी पर गंगोह तहसील नकुड़ जिला सहारन-  
पुर।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घावेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि छाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवधु  
किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्तापरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबोहस्तापरी :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 25-18-0 पु० लगानी 137-15 पैसे सालाना  
नम्बर खसरा 95/2, 0-16-10 पु० व 98/2, 0-17-0 पु०  
व 99/2 0-7-0 व 100/2, 5-19-10 व 101/2, 0-15-0  
पु० व 102/2, 1-6-10 पु० व 103/2, 5-17-0 व 198/  
1/2 6-15-0 व 199/2, 1-7-0 व 200/2, 0-6-10 पु०  
व 201/1/2 1-11-0 पु० वाके रकबा ग्राम रामरायेड़ी परगना  
गंगोह तह नकुड़ जिला सहारनपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 29-10-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०—

ग्रामकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन्न रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निदेश सं० 391-ए/कानपुर/79-80—ग्रतः मुझे, बी०  
सी० चतुर्वेदी,

ग्रामकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस में  
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एम० आई० जी०, एच-1/4 है तथा जो ब्लाक  
एच० वन हाल किदवर्ह नगर, कानपुर में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
ग्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-6-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरद्वारा) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक क्षम से कठित  
नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त  
ग्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के  
बायित्र म कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर ग्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या अन-  
फर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगमार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त ग्रधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की भारा 269-व की उपकारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती निर्मल कपूर घर्मे पति श्री एस० पी० कपूर  
निवासी एम० आई० जी० मकान नम्बर एच०-1/4  
किदवर्ह नगर, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री अमरजीत सिंह, राजेन्द्र सिंह, मनजीत सिंह ग्रामज  
सरदार ग्रामा सिंह निवासी 128 एच०-1/4 किदवर्ह<sup>1</sup>  
नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि, या तस्वीरियी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
दद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

प्रबोहोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
ग्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर एम० आई० जी० एच०-1/4 ब्लाक एच वन  
हाल नम्बर 128 एच०-1/4 किदवर्ह नगर, कानपुर।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);  
अजन्न रेंज, कानपुर

तारीख : 6-11-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईं दी० पर्ष० एस०—

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 26७व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 नवम्बर 1979

निदेश सं० 1146-ए/हरिद्वार/79-80:—अत मुझे, बी०  
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 26७व  
के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 26 है तथा जो जैसा राम रोड श्वेत नगर  
मायापुर हरिद्वार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 26-4-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान  
प्रतिफल के लिये प्रतिविधि को गई है और मुझे यह विवास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत  
प्रधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षी (अस्तरितियों)  
के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिशत, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अस्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से छप नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनु-फर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ  
प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किथा  
आना चाहिये था, उपर्यन्त में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 26७व के अनुसार में,  
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 26७व की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवार्ति:—

(1) श्रीमती देवी बाई विधवा सेठ पवन बास स्वयम व मुख्तार  
बास मिन जानिब श्रीमती गंगादेवी धर्म पत्नि श्री  
शशोक कुमार पुत्री सेठ पवन दास, श्रीमती पुष्पा रानी  
धर्म पत्नि हरयुन लाल पुत्री सेठ पवन दास निवासी  
जैसा रामरोड, मायापुर हरिद्वार जिला सहारनपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री राम सहाय मल साढ़ूबाला चैरिटेबल ट्रस्ट 13/  
कैंस्ट्रोयल गाँड़न रोड मद्रास 34 द्वारा वेद प्रकाश  
चौधरी पुत्र श्री सल्लाल निवासी 14 जी० टी०  
रोड मोहन नगर जिला गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक उपकरण में कोई सीमांकन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना  
की सामीक्षा में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से  
किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**उपचीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अधियाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक मकान एक मंजिला दक्षिण मुख्या जो प्लाट नं० 27 पर<sup>2</sup>  
बना है जिसका भाव 25×66 फुट जिसके भीतर चार कमरे  
दो गुसलखाने व दो रसोई व फलण लैटरीन व जीना बने हैं स्थित  
जैसा राम रोड श्वेत नगर मायापुर हरिद्वार जिला सहारनपुर  
जिसके पूर्व में मकान सेठ मन्साराम, पश्चिमी गली, उत्तर सड़क,  
दक्षिण जैसाराम रोड है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सकार प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-11-1979

मोहर :

प्रूप आई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 नवम्बर 1979

निदेश सं० 1147-ए/हरिद्वार/79-80 —अतः मुझे, बी० सी० सुनुवेंदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में है तथा जो स्टेशन रोड, ज्वालापुर तह० रुडकी सहारनपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-5-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अवार्ता :—

(1) श्री महन्त द्वारका नाथ चेला 'महन्त हरिनाथ द्वारा देशराज मुख्यायर खास सन्तागढ़ जिला सहारनपुर। (अन्तरक)

(2) श्री सुरेश चन्द्र पुत्र बलजीत सिंह डा० खास निरंजनपुर जिला सहारनपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिये करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अच्छे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संषोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किंता प्लाट आराजी 347 रकवर्ह आठ सो इकाहत्तर वर्ग गज वाके श्री राम नगर कालोनी अहमदपुर कड़क स्टेशन रोड, ज्वालापुर तहसील रुडकी जिला सहारनपुर।

बी० सी० सुनुवेंदी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-11-1979  
मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस०-----

ग्राम्यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 नवम्बर 1979

निदेश सं० 1148-ए/हरिद्वार/79-80—अतः मुझे, बी०  
सी० चतुर्वेदी,

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269वं  
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है।

और जिसकी सं० एक किता मकान है तथा जो ज्वालापुर, स्टेशन  
रोड हरिद्वार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता-अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार  
में सजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 29-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृपयमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है।  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269वं की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्री महन्त ब्राह्मकानाथ चेला स्वामी हरिनाथ द्वारा  
देशराज पुत्र पूर्वी सिंह, मुख्यतियार खास निं०  
सन्तागढ़ तह० सहारनपुर जिला सहारनपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा रानी पत्नी श्री राम विहारी गुप्ता होली  
चोक करखल जिला सहारनपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबढ़ किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

**स्वधीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में यथा परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान स्टेशन रोड ज्वालापुर हरिद्वार में स्थित  
है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-11-1979  
मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर  
कानपुर, दिनांक 14 नवम्बर 1979

निदेश सं० 1149—ए/हरिद्वार/79-80:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सभीन सम्पत्ति को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एककिता प्लाट है तथा जो ————— में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-5-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुसूचित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और वह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार देने के अन्तररूप के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी प्राय या किसी धैन या अन्य मास्तियों को, जिस्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अनुसूचियों, अर्थात् :—

(1) श्री महन्त द्वारकानाथ चेला स्वामी हरिनाथ द्वारा देशराज, मुखियार खास महन्त द्वारकानाथ सन्तागढ़ जिला सहारनपुर। (अन्तरक)

(2) श्री सुभाष चन्द्र चेला स्वामी गिरधर नारायणपुरी निरंजनी अखाड़ा कन्धल जिला सहारनपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धीय अनुसूचियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अनुसूचियों में से किसी अनुसूचित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अनुसूचित द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**इष्टदाताकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिवर्तित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट दरोवस्त एक किला प्लाट आराजी अफताड़ा रकवई एक सहा 1675 / 9 वर्ग गज राम नगर कालौनी ज्वालापुर, सहारनपुर।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 14-11-79

मोहर :

प्रकृष्ण भाई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के पश्चीम सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक प्राप्तकर प्राप्तुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 नवम्बर 1979

निवेश सं० 1150-ए०/हरिद्वार/79-80:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा  
269-व के पश्चीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 590 है तथा जो मायापुर पर० ज्वालापुर तह०  
हड्डी, सहारनपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 3-8-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल  
प्रतिशत से अधिक है और प्रतिरक्त (अन्तरकी) और प्रत्यक्षित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रत्यक्षित में वास्तुविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के पश्चीम कर देने के अन्तरक के वाविल में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी पाय या लियो उन या घट्य प्रस्तियों  
को, जिसमें भारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनाम प्रस्तरित हारा प्रकृष्ट मही किया गया  
वा या किया आना काहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तर  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब द्वारा धर्मबीर विद्या-  
लंकार मुख्य अधिकारी गुरुकुल कांगड़ी पुत्र लां बन्ना  
राम मुख्तार ग्राम मिजनिब आर्य प्रतिनिधि सभा  
पंजाब।  
(अन्तरक)

(2) कपिल इन्टर नेशनल प्राइवेट लि० बी०-14  
विशाल एनक्लेव, न्यू देहली-110026 द्वारा प्रभुलाल  
धावाई डायरेक्टर पुत्र मुख्तालाल निवासी 14 विशाल  
एनक्लेव, न्यू देहली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए आर्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वींशी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताकरी के पास  
विवित में किए जा सकेंगे।

**लप्तीकरण।**—इसमें प्रयुक्त शब्दों पौर वदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

271 पक्की भूमि नम्बर छासरा 590 मि० अन्वर सीमानगर  
पालिका समिति हरिद्वार स्थित ग्राम मायापुर पर० ज्वालापुर तह०  
हड्डी की जिला सहारनपुर लगानी 5/56 सालाना।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्राप्तकर प्राप्तुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 14-11-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 नवम्बर, 1979

निरेण सं० 1151-ए/हरिद्वार/79-80:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० एक दुकान है तथा जो ग्राम अहमदपुर में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1/6/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल में, ऐसेदृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थातः—

(1) श्री दयालदास भाटा पुत्र श्री वेदाराम भाटा निवासी रानीपुर मोड़ हरिद्वार परगना ज्वालापुर तहसील की जिला सहारनपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री पं० चन्द्रेश्वर जोशी सुपुत्र विष्णुवत्त जोशी निवासी मोहल्ला धीरा मन्दिर जोड़गेट बाजार जालन्धर (पंजाब)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किसी दूसरी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थानीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मोहुसूदा

एक मकान दो मंजिला उत्तर मुखा जिसका नाप  $40 \times 50$  जिसमें आठ कमरे दो दुकान व उपर की मंजिल दो कमरे मण्डीना पानी बिजली फिटिंग कनेक्शन स्थित ग्राम अहमदपुर कड़छ (रानीपुर मोड़ के समीप) परगना ज्वालापुर जिला सहारनपुर।

पूर्व में मकान सोहनवराम "जेद्वाल आदि—पश्चिमी रास्ता उत्तर सड़क, दक्षिण मकान कुषाराम है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 14-11-79.

मोहुर :

प्र० रुप माई० टो० एम० एव०—४

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आमूल्य (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 नवम्बर 1979

निवेश सं० 281-ए/कानपुर:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 53/26 है तथा जो नया 53/26 नयांगंज कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-5-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तंत्र पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कारदाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मार्गितयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-पर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13-426 GI/79

- (1) श्री सुरेन्द्र कुमार खन्ना 53/7 (1) पुराना नया नम्बर 53/26 नयांगंज कानपुर।  
(अन्तरक)  
(2) श्री मोहिन्दर कुमार खन्ना 53/7 (1) पुराना नया नम्बर 53/26 नयांगंज कानपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में होई भी प्राप्तेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, और भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्तावरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, तभी प्रयुक्त होगा, जो उस प्रधाय में विद्या गया है।

अनुसूची

पुराना नम्बर 53/7/1 नया नम्बर 53/26 गृह सम्पत्ति नयांगंज कानपुर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 67.2 वर्ग गज है।  
बी० सी० चतुर्वेदी,  
सकाम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आमूल्य, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-11-79

मोहर :

प्रस्तुत शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के प्रधीन मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 नवम्बर 1979

निदेश सं० 728/अर्जन/फरखाबादः—अतः मुझे, बी० सी०  
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो वाके मौ० भोपत पही पं० पहाड़ा जिला फरखाबाद में स्थित है (और इससे उपावर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरखाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिये अनुसूचित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवाकूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय या बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबंध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया था ना चाहिए था या, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः गब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री राम लड़के लाल पुत्र शंकरलाल निवासी फरखाबाद मु० तजै पं० फजलहाल जि० फरखाबाद।  
(अन्तरक)

(2) श्री आनन्दकुमार लुहिया पुत्र श्री वज्जतीमन्द लुहिया निवासी फरखाबाद कस्सान्यमु० खरारान 951138 श्रीमती हरदेवी पत्नि गोवरधन लाल व श्रीमती राम बेटी पत्नि इश्वरलाल नि० मु० त० ग्राम पीहल जि० फरखाबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंधमें कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी सम्य अवधि द्वारा, प्रधोदत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**इष्टकारणः—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वाके मौ० भोपत पहा पर० पहाड़ जि० फरखाबाद में भूमिकरी  
33  
1.38

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 17-11-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 नवम्बर 1979

निवेश सं० 1152-ए/नकुड़/79-80:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मुबारकपुर तह० नकुड़ जि० सहारनपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकुड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से जूही किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने वा इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, तिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बनवत्त तिठु पुत्र श्री बनवत्ती जिह निवासी मुबारकपुर पर० गगोह तह० नकुड़ जिला सहारनपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्री मामराज तथा श्रीमती विद्यावती निवासी ग्राम गगोह तहसील नकुड़ जिला सहारनपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजनीत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनीत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

हृषि भूमि 28 बीघा खास ग्राम मुबारकपुर परगना गगोह तह० नकुड़ जिला सहारनपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 17-11-79

मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०-----

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 20 नवम्बर 1979

निदेश सं० 171-ए/हरिद्वार/79-80:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो श्रवण नाथ नगर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में, रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-5-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरूप की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्युत्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्युत्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्युत्तरण लिखित में वास्तविक लकड़े कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रारंभ से ही किसी आय को बाहर उत्तर, प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्युत्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हे, भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपबाहा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर पार्ति :—

(1) पंजाब सिध्केत कृषि केश रजिस्टरड द्वारा श्री राम प्रकाश मेहरा पुत्र दीक्षान चन्द, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण लाल पुत्र श्री बैसाखी राम निवासी श्रवण नाथ नगर हरिद्वार।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्बिंधी व्यक्तियों पर भूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही ग्रथ्य होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि खंड  $30 \times 60 = 1800$  वर्ग फुट स्थित श्रवण नाथ नगर, हरिद्वार।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 20-11-79

मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस० —

ग्रामपाल अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1979

निदेश सं० 409-ए/सहायनपुर/79-80:—प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन उक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो श्रवण नाथ नगर हरिद्वार में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 जून, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः आव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री संवत् कुमार शर्मा पुजा जै नारायण शर्मा निवासी मोहल्ला कनकल मुख्तार खास राजेन्द्र नाथ मदान।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती आसी देवी चूनीलाल चैरीटेबिल ट्रस्ट पीलीकांडा श्री गंगानगर राजस्थान।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर साति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्याम 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाम में दिया गया है।

### प्रमुख

एक मकान स्थित श्रवण नाथ नगर हरिद्वार जिसमें 12 कमरे भूमि का खेतफल 2222'-6" वर्ग फुट है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
(अर्जन रेंज), कानपुर।

तारीख: 20 नवम्बर, 1979  
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण )

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 नवम्बर 1979

निवेश सं० 706/अर्जन/अलीगढ़/79-80:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और

जिसकी सं० 1457/2, 2+3, 1459/2 III+13 है तथा जो अलीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची म और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, अलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-4-79/

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—

(1) श्री राम प्रसाद पुत्र श्री केबला सा० चम्दनिया कस्ता कौल, अलीगढ़।  
(अन्तरक)

(2) सचिव मानसरोवर गृह निर्माण सहकारी समिति अलीगढ़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू दिसी प्रत्यक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1457/2, 2+3, 1459/2 (III)+13 कुल दो किला रकवई (III) 2—16 और लगान 10.15।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 22-11-79.

मोहर :

प्र० प्र० श्री० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 नवम्बर 1979

निदेश सं० 70-ए/पी० एन० कानपुर/79-80:—यतः  
मुझे, वी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के प्रधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर जम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 80/79 है तथा जो बंगलडी कानपुर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 16 अप्रैल,  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक से दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या भव्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन रेंज, कानपुर:—

- (1) श्रीमती शान्ती रानी अम्बाल पत्नि रामशक्ति अम्बाल  
जौक, कानपुर।  
(अन्तरक)
- (2) श्री हरदीप सिंह 17, कुंज बिहार कौशल पुरी, कानपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तमान्वयी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध  
किसी भव्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधार्य 20क में परिभ्राषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति नम्बर 80/79 बंगलडी, कानपुर।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सकार प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त; (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-11-79.

मोहर:

प्रकृष्ट बाईं दी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 नवम्बर 1979

निदेश सं० 1261/अर्जन/श्रलीगढ़/79-80:—प्रतः मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान भाभमांजो है तथा जो श्रलीगढ़ में स्थित  
है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 अप्रैल,  
1979

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक  
(अस्तरकों) और अन्तरिती से (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922,  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः द्वारा, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-ब की उपलापा (1)  
अधीन निम्नलिखित अधिकारी का अर्ज़तः:—

(1) श्रीमती शान्ती देवी विधवा प० मणिशंकर दुबे, सुभाष  
रोड, श्रलीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आमा रानी पत्नि श्री प्रशोक कुमार मौड़ीकल  
प्राप्तीसर विधेक नगर पोलीक्लीनिक नियाला नगर,  
लखनऊ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि वाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्पलीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
है, वही प्रयोग होगा जो उस प्रध्याय में विद्या  
भया है।

अनुसूची

एक मकान भाभू मान्जी श्रलीगढ़ में 335.18 वर्ग मीटर  
है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 22-11-79.

मोहर:

प्रकल्प प्राइंट डी० एम० एस०—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के प्रयोग सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 नवम्बर 1979

निवेश सं० 761/प्रर्जन/कानपुर/78- 79:- उक्त मुद्दे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रयोग समझ प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिवित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 15/6 है तथा जो दूधवाला बंगला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 मई, 1979

को उद्दीप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमात्र प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमात्र प्रतिफल से ऐसे इव्वत्तमान प्रतिक्रिया से अधिक है यद्यपि अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए उक्त पाया गया परिकल्पना निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में विवरित रूप से छोड़ा नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय को बाहर रखने विधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कमी छहने या उससे बहने में सुविधा के लिए।  
बी० सी०

(ख) ऐसी किसी आय या इसी धन या अथ आक्षियों को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, उसाने में मुविदा के लिए;

अन्तः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भन्न-रूप में, मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, वर्ता :—

14—426GI/79

(1) श्री पूर्णनिव विकास भट्टाचार्जी आमज स्व० सुरेश चन्द्र भट्टाचार्जी सा० 15/6 सिविल लाइन दूधवाला बंगला, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार बल्द्र अमरनाथ व श्रीमती चन्द्रा देवी पत्नि अमरनाथ साकिनान हाल 15/6 दूधवाला बंगला सिविल लाइन, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो भरके पूर्वोन्त सम्पत्ति के अवैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवैन के सम्बन्ध में कोई भी माझेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख में 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोनर पूर्वोन्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अप्प अविक्षित द्वारा, अप्पोदृस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अद्याय 20-6 में परिभाषित है, वही वर्ण होता है, और उस अद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

महात नवम्बर 15/6 दूधवाला बंगला सिविल लाइन का कुल भाग।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
प्रर्जन रेज, कानपुर।

तारीख: 27- 11- 79.

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०---

प्रायकर अधिनियम, १९८१ (१९८१ का ४३) को भारा  
२६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयवत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक १४ दिसम्बर १९७९

निदेश सं० ६८-ए/कानपुर/७९-८०:—प्रतः मुझे, बी० सी०,  
चतुर्वेदी,  
प्रायकर अधिनियम, १९८१ (१९८१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा २६९-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी ओं यह विवास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- इप्ये  
में अधिक है।

और जिसकी सं० ४९/२३ है तथा जो पान्डु नगर कानपुर में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख २० अप्रैल,

१९७९

को पूर्वोंत प्रधिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का लाभ है कि यथापूर्वोंत प्रधिति का उचित बाजार  
मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) प्रधानमंत्र में हुई किसी प्राय को आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी छन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या  
अन्यकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा २६९-ग के अनुसूच  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा २६९-घ की उपघारा (१)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(१) श्री मृत्नूल १०६/१ गाम्भी नगर, कानपुर।

(अन्तरक)

(२) श्री प्यारा लाल तलवार व श्री प्रेमनाथ तलवार निवासी  
१५/२८१ सिविल लाइन्स कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्बन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी प्राप्तेवः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविकितियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
प्रश्नावाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत  
अविकितियों में से किसी अविकित होता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनवध  
किसी अन्य अविकित होता, अबोहस्ताकरी के पास  
निवित में किया जा सकेंगे।

लक्ष्यांकन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों पर वर्णन का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्याय २०-क में परि-  
भासित हैं, वहीं पर्यंत होगा, जो उस अन्याय  
में दिया जाये जाए।

मुसूम्बूची

एक किता महात जिसका नम्बर ४९/२३ पान्डु नगर कानपुर  
तथा क्षेत्रफल ५४० वर्ग गज है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : १४ दिसम्बर १९७९

मोहर :

प्र० ४५१० टी० एन० एस०—————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 29 नवम्बर 1979

निदेश सं० 284-ए/देहरादून/78-79:—ग्रतः मुझे, भी०  
सी० चतुर्वेदी,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),  
को भारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।  
और जिसकी सं० 21/24 है तथा जो देहरादून में स्थित है (और  
इससे उपायद्रमनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
प्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-5-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिक्रम के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिक्रम से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम का प्रदृढ़  
प्रतिशत प्रधिक है, और यह कि अस्तरेक (अस्तरेकों) और  
अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण  
सिद्धित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया दबा है :—

(क) प्रस्ताव के ही किसी वाय की बाजत, उक्त प्रधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अवधारण के बायित्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।  
आदि/या।

(ब) ऐसी किसी वाय या किसी बन या घम्य प्रास्तियों  
को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या उक्त-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोधनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
दबा या या किया जाना चाहिए का, जिनाने में सुविधा  
के लिए।

अब, प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ।—

- (1) श्री गोपाल दत्त खानदूरी पुत्र स्व० श्री आर० टी०  
खानदूरी निवासी 21/24 ईस्ट कनाल रोड, देहरादून।  
(अन्तरक)  
(2) श्री सुरेश कुमार खजुरीया पुत्र श्री असुदेव शर्मा 230  
करनपुर देहरादून द्वारा।  
(प्रत्यक्षित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी याचन :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तस्मान्य व्यक्तियों ७८  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो  
भी प्रवधि बाद में गमाप्त होनी द्वी, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी प्रभ्य व्यक्ति द्वारा, पघोहस्ताक्षरी के पास  
मिलित में किए जा सकेंगे।

**उपर्योग :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम, के घम्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस घम्याय में दिया गया  
है।

अमृसूची

दो मंजिला मकान जिसका नम्बर 21/24 ईस्ट कनाल रोड  
देहरादून में स्थित है तथा भूमि का क्षेत्रफल 4500 वर्ग गज है।

तारीख : 28-11-79.

मोहर : ]

भी० सी० चतुर्वेदी,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

प्रस्तुप आई० टी० एन०एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 दिसम्बर 1979

निवेश सं० 753/अर्जन/मथुरा/78-79:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्भवी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के प्रधीन संभग प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 25/8 है तथा जो बाके रानी मर्डी मथुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 9 अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी रहने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री बनारसी दास व विष्णु प्रकाश पुत्र श्री काशीनाथ जी निवासी ठठेरान गली, मथुरा।  
(अन्तरक)

(2) श्री धनश्याम पुत्र श्री रामशरण दास निवासी सहगल पुरा मथुरा व अशोक कुमार पुत्र श्री बनारसीदास निं० डेम्पियर नगर मथुरा।  
(अन्तरिती)

को यदि सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाचियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय निम्नी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक जायदाद नम्बर 25/8 बाकेरानी मर्डी मथुरा।

बी० सी० चतुर्भवी,  
संभग प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 5-12-79

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधिकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 दिसम्बर 1979

निवेश सं० 756/प्रजन/मथुरा/78-79:—ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2518 बाकेरानी मन्डी है तथा जो मथुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 9 अप्रैल,

1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य साहित्यों को, जिन्हें भारतीय ग्राम-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) है के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ब की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तः:—

(1) श्री बनारसी दास व विष्णु प्रकाश पुत्र काशीनाथ निवासी ठठेरानगरी मथुरा।

(अन्तरक)

(2) कर्म हिन्द केमीकल इंडस्ट्रीज मथुरा व प्रशोक कुमार पुत्र बनारसी दास द्वारा पार्टनर श्री रमेशचन्द्र पुत्र गिराजप्रसाद निवासी मन्डी रामदास व महेशचन्द्र पुत्र सत्यप्रकाश निवासी वल्लागली मथुरा व हंसमुख पुत्र राम स्वरूप जी व श्रीमती रसभी पत्नी जागेश कुमार अग्रवाल निं० मन्डी रामकृष्णपुरम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भावधः:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रत्यन्धी व्यक्तियों पर मूल्यानुसारी अनुसूची से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताश्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वर्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायवाद नम्बरी 2518 बाकेरानी मन्डी मथुरा।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सभाम प्राधिकारी,  
सहायक अधिकर अधिकारी, (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 5-12-79

मोहर :

प्रलूप धाई० टी० एन० एस०————

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 दिसंबर 1979

निदेश सं० 64-ए/कानपुर/78-79:—प्रसः, मुझे, बी०  
सी० चतुर्वेदी,

धारा० र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके प्रावाहू 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सकल प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि उद्यावर सम्बन्धित त्रिपक्ष उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु। में अधिक है।

और जिसकी सं० 117/112 है तथा जो काकादेव, कानपुर में स्थित  
है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 27 फ्रेव्रल,  
1979

को उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
पति 65 रु. निए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वक सम्मति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) और प्रत्यक्षिती  
(अन्तरिक्षितों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित के लिए वास्तविक  
कारण से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षित के वायिक्ष में कमी  
करने या उससे भ्रन्ति में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी तक्ती आय या किसी घन या अन्य अस्तियों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन-फर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाधीन प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट मही किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
पुष्टिश्वास के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, भी, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपलब्धा  
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवक्षितयों, अर्थात्:—

(1) श्री राम मोहन तिवारी बल्द बद्रीप्रसाद तिवारी,  
निवासी 87/137 वेबनगर, कानपुर।

(प्रत्यक्षित)

(2) श्री बालाप्रसाद दीक्षित बल्द प० द्वारिकाप्रसाद,  
निवासी 117/62, एन ब्लाक; काकादेव कानपुर।

(प्रत्यक्षिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रबंधन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तरसंबंधी अवक्षितयों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि  
बाद में नमायन होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षितयों  
में से किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में नमायन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-  
बद्ध किसी भ्रन्ति द्वारा, प्रघोषित स्थानीय के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में  
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उमे इह य  
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 117/112, काकादेव, कानपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण);  
ग्रन्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 11-12-79

मोहर:

प्रकृत प्राइंट टी० एन० एस०-----

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 विसम्बर 1979

निवेश सं० 65-ए/कानपुर/79-80:—ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी-159 है तथा जो दादा नगर, कानपुर में स्थित है (और इससे उपान्दुष्मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-4-79

को पूर्वोऽ० सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्तिः—

(1) श्रीमती रामकुमारी कपूर पत्नि श्री ग्राह० बी० कपूर 47/7, ममीराम बगिया, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरण गुप्ता पत्नि श्री रामकिशन गुप्ता, 33/107, गया प्रसाद लेन, कानपुर।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नम्बर बी-159 हम्डस्ट्रीयल दादानगर, कानपुर जिसका क्षेत्रफल 1000 हजार वर्ग मीटर है ।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (मिरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-12-79 ।

मोहरः

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.---

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269वां (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

मिवेश सं. 754/प्रजन/79-80:—ग्राम, मुमे, श्री० सी०  
चतुर्भुदी,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-वा के प्रधीन संशम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में प्रधिक है,  
और जिसकी सं. 13 है तथा जो वाके रमन रेती बृद्धावन में स्थित  
है (और इससे उपाख्य ग्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 21 प्रैल,  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुमे पृष्ठ विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और ग्रामकर  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा, (1) के  
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

(1) श्री विहारी लाल गुनशुनवाला पुत्र विशेशर लाल जी,  
निवासी दीसयर, बृद्धावन।

(अन्तरक)

(2) श्री विश्वनाथ गनेरीवाल पुत्र श्री राधाकिशन गनेरीवाल,  
निवासी कलकत्ता द्वारा श्रीमती भाग्यवती देवी गनेरी-  
वाल इस्ट कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवज्ञ के सम्बन्ध में चौई भी आश्रेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य अवित्त द्वारा अवौद्धस्ताक्षरी के पार  
लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रधानीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमुसूची

एक प्लाट नम्बरी 13 वाके रमन रेती बृद्धावन जिसका कि  
क्षेत्रफल 2050 वर्ग गज है।

तारीख: 12-12-79.

मोहर:

वी० सी० चतुर्भुदी,  
संशम प्राधिकारी,  
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, कानपुर

प्रृष्ठ पाई २१० एन० एस०—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

26७वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 दिसम्बर 1979

निवेश सं० 605/अर्जन/अलीगढ़/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उपचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26७वा के अधीन सकाम प्राधिकारी जो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वाई नं० 9 है तथा जो तालाब सविद खां अलीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलीगढ़ में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-4-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी तन व अन्य आमियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनन्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया था या किया जाना चाहिए या किया जाने में सुविधा के लिए;

अतः इन उक्त प्रधिनियम की धारा 26७वा के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 26७वा की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राह्यतः—

15—426GT/79

(1) श्री शैलेन्द्र कुमार दैरेण्य पुत्र श्री ज्वाला प्रसाद, तालाब सविद खां, अलीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार पुत्र श्री कन्हैया लाल गुप्ता गली मुसिफ, हाथरस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निवित में निए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान दो मंजिला तालाब सविद खां अलीगढ़ 207.27 वर्ग मीटर वाई नं० 9 मकान, नं० 1।

बी० सी० चतुर्वेदी;  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 10-12-1979

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिसंबर 10 दिसंबर 1979

निदेश सं० 1255/अर्जन/कानपुर/78-79—अतः

मुझे, सौ० सौ० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रयोग सम्बन्ध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि इसाव८ सम्पत्ति, जिनहा० उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिमको सं० 12 है तथा जो फैक्टरी एरिया कानपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-4-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यावूर्धोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तर्का०) और अन्तरिती (अन्तरितियो०) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नव पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अनुसरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो० को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो०, अर्थात्:-

1. श्रोमता आज्ञाकौर जौजा मरदार सुजानसिंह माकिन 111ए०/241, अशोक नगर, कानपुर। (अन्तरक)

2. श्रोमती गुरचरन कौर जौजा मरदार तेजसिंह व मरदार महेन्द्रसिंह व मरदार मुरेन्दर सिंह आनंद तेजसिंह माकिन नं० 104/435 सौंसामऊ हाल 123/152 फैक्टरी एरिया प्रतापगंज गढ़रियान पुरवा, फजलगंज, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो० पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो० में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास निश्चित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दो० और पदो० का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 123/152 व हाल 123/152 फैक्टरी एरिया, प्रतापगंज, गढ़रियान पुरवा, फजलगंज, कानपुर।

वो० सौ० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 10-12-1979

मीडिया :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आमंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ठक्कर बंगला गिरिपेठ, नागपुर  
नागपुर, दिनांक 11 अक्टूबर, 1979

निवेदण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/96/79-80-  
अतः मझे, एस० के० बिलया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सज्जन प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसको सं० मकान नं० 553, वार्ड नं० 69 है तभा  
जो न्यू कालोनी, नागपुर में स्थित है (और इससे उपावढ  
अनुमूलों में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधि-  
कारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रान्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरकू (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की आवंत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
क्षमित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रोमती रूपवतीबाई गोविदराम मुरजानी, न्यू कालोनी  
नागपुर। (अन्तरक)
2. श्रोमता वासुदेव चिजाराम मधोजानी, (अन्तरिती)
3. श्रोमती कलावती श्रोचंद मधोजानी, दोनों यहने बाले  
न्यू कालोनी, नागपुर। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर  
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, पूर्वोत्तर पूर्वोक्त  
अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 553, वार्ड नं० 69 न्यू कालोनी, नागपुर  
(एरिया 609.67 स्क्वायर फुट)।

एस० के० बिलया  
सकल प्राविकारी

सहायक आयकर आवृत्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 11-10-1979

मोहर :

अक्षय आई०टी०एन०एस०—

जायकर प्रविमिषम; 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए ( 1 ) के प्रधीन सूचना

पाठ्य रसायन

### कार्यान्वय, महाप्रभु आवकर प्राप्तकृति (निरीश्वरण)

अर्जुन रेंज, नागपूर

नागपूर, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आई०प०स००/प०सी०क्य०/९८/७९-८०

ग्रतः मङ्गे, एस० के० बिलख्या,

प्रायः कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व्य  
के अधीन तत्काल प्राविकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि  
व्यापार सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रुपए  
से प्रधिक है।

और जिमकी सं० मकान नं० 552, वार्ड नं० 69, है तथा जो न्यू कालोनी, नागपुर में स्थित है (श्रीरामसे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में अण्ठित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कायलिय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्राप्तरकों) और प्रस्तारिती (प्रस्तारितियों) के बीच ऐसे प्रश्नरूप के लिए तय पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रश्नरूप लिखित में वास्तविक कारण से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दूई किलो शाव की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्ताव के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सक्षमता के लिए; और/या

(अ) ऐनों किसी जात या किसी ग्रन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाषन-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालाई अनुसरिता द्वारा प्रकट नहीं किया जाया जा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः इस, उक्त प्रधिनियम की धारा 26७-व के बदलाव में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26७-व की उपधारा (1) के साथ, तिसलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती रूपवती वाई गोविन्दशाम मुरजानी, न्यू कालोनी, नागपुर। (अन्तरक)
  2. श्री श्रीचंद चिनाराम मखीजानी, मकान नं० 552, न्यू कालोनी, नागपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आलोचना--

(क) इस पूछता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद ये समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अग्र व्यक्ति द्वारा, भवीतस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौत पदों का, जो उच्च  
भौतिकीयम के व्यव्याय 20क में परिचालित  
है, वही अर्थ होगा जो उस भौत्याय में दिया  
गया है।

३८४

मकान नं० ५५२, घार्ड नं० ६९, न्यू कालोनी, नागपुर  
(एरिया ७५८.५८ स्क्वेयर फीट) ।

एस० के० बिलम्बा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जेन्ट रेंज, नागपर

तारीख : 10-10-1979  
मोहर :

प्रूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 13 अक्टूबर 1979,

निदेश सं० आय० ए० सी०/अर्जन/97/79-  
४०—यतः मुझे, एस० के० बिल्या,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के प्रधीन प्रभाव प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2, बार्ड नं० 5 है तथा जो  
हिन्दुस्तान कालोनी, नागपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
16-4-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उत्के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रमाण है तथा अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मासितयों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसर  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दिगंबर कृष्णराव दिवानजा, प्लाट नं० 32,  
अध्यक्षकर नगर, नागपुर। (अन्तरक)

2. श्री अरुण कुमार नीलकंठ भगत, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट  
बडकस चौक, नागपुर। (अन्तरिती)

3. डा० यशवन्त बागुदेवराज शिल्लेदार, पोथो लेन,  
नमक गंज, इतवारी, नागपुर। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में रितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया  
गया है।

अनुसंधी

Open Plot No. 2, Mouza Ayni Kh. No. 73, Lalard No. 5,  
Hindustan Colony, Wardha Road Nagpur (Area 7177 Sq. ft.)

एस० के० बिल्या  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 13-10-1979

मोहर :

प्रूप्र आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 16 अक्टूबर, 1979

निवेश सं० आय० ए० सी०/अर्जन/99/79-80—

अतः मुझे, एस० के० बिल्या,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसका प्लाट नं० 133, मकान नं० 160 है तथा जो  
नागपुर में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 12-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या हिसा वत या प्रथ्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1. श्रो बाबूगाम मोतासाब चुनादेकर, प्लाट नं० 133  
शिवाजी नगर, धरमपेठ एक्स्टेंशन, नागपुर। (अन्तरक)

2. श्रो विश्वनाथ मुम्बाला तिवारी, 213, चंद्रलोक  
बिल्डिंग, मेंट्रल एवेन्यू रोड, नागपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कायवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अवित्यों में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोक्तरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
प्रत्येक होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 133, का भाग, मकान नं० 160, शिवाजी  
नगर, धरमपेठ एक्स्टेंशन, नागपुर।

एस० के० बिल्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 16-10-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी एस० एस०—

आदेश अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की आया

269 व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 23 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० आय० ए० सं०/अर्जन/100/79-  
80—यतः मुझे, एस० के० बिलया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अंतर्गत सभी प्राप्तिकारों को पूर्व विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संरक्षित, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाट नं० 11, ब्लाक 'के०' है तथा जो  
लक्ष्मीनगर, नागपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारों  
के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-4-1979  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चदू ग्रहण  
से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरि-  
तियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।  
बोर्ड।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य वायित्वों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनाम अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

यतः प्रवृत्त, उक्त अधिनियम की आया 269-व के अनुसरण में  
में, उक्त अधिनियम की आया 269-व की उपचारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रामतो स्नेहलता बाई क्रिणाजी कुलकर्णी, 2135  
मदाशिंघपेठ, पुना। (अन्तरित)

2. श्रामतो कौमल्याबाई मिताराम खोत, (अन्तरित)

3. श्रामतो मुनदा विजयकुमार खोत, दोनों रहनेवाले,  
महाल, नागपुर। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्गत के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में  
ममात्ता होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी अनित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**प्रबंधीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही पर्व होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

वास्तुचौ

ब्लाट नं० 11, ब्लाक 'के०', सायंटीफिक कोआपरेटिंग  
सोमायटी लक्ष्मीनगर, नागपुर। (एस्ट्रिया 8000 स्क्वेयर  
फॉट)।

एस० के० बिलया  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, नागपुर

तारीख : 23-10-1979

मोहर :

## प्रकृष्ट प्राईंटो० एन० एस०—

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा  
269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 29 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० आई०ए०सी०/ए०सी०क्य०/101/79-80

यतः मम, एम० के० बिलद्या,

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इतके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा  
269वा के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 66, मकान नं० 267, है  
तथा जो नागपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के  
कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से ज्ञम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विवास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) प्रस्तुरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी ज्ञन मा अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आपकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम  
या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः, यदि, उक्त प्रधिनियम की बारा 269वा के  
प्रबुद्धरूप में, मैं, उक्त प्रधिनियम की बारा 269वा की  
उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, प्रर्तिः—

1. श्री उत्तमचन्द्र मावजीबाई मिदापुरा, सर्कल नं०  
9/14, इतवारी भाजीमंडो, नागपुर। (अन्तरक)
2. श्रीमती विमलाबाई रामरक्षा मिश्रा, अम्बाजारी  
लेश्वाइट, नागपुर। (अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के  
तिये कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजत्रौ में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों  
में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्धि किसी प्रत्येक अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जाएंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया जाय है।

अनुसूची

प्लाट नं० 66, मकान नं० 267, डिवीजन नं० 8,  
सर्कल नं० 20, वाई नं० 72/74, अम्बाजारी लेश्वाइट,  
नागपुर।

एस० के० बिलद्या  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 27-10-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी एन् एस्—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन मूल्य

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 29 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/102/79-80

यतः मुझे, एस० के० बिलम्ब्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' रहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर प्रतिष्ठित, विस्तृत विवास वाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 15, खसरा नं० 34 तथा 35 है तथा जो अर्जनी नागपुर में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979 पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठल के लिए भ्रष्टरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत प्रतिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भ्रष्टरिती (अन्तरितियों) तात्पुरता अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी भाव की वादत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के विविध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी प्राव या किसी धन या अभ्य आस्तियों को (जहें सारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

16—426GI/79

1. श्री प्रशांत कुमार प्रमोद चंद्र सेनगुप्ता, कांग्रेसनगर, नागपुर।
2. श्रीमती नीलिमा मुरेन्द्र कुमार सेनगुप्ता, बंजारी नगर, नागपुर। (अन्तरक)

3. राजेश दाजीबा गजमीये

4. सुधीर लालभनजी गजमीये प्लाट नं० 284, बेस्ट हाईकोर्ट रोड, लक्ष्मीनगर, नागपुर। (अन्तरिती)

को यह मूल्य जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अवैत के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अवैत के संबंध में कोई भी वाक्येप:—

(क) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीनकारी के आत लिखित में किये जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रदृढ़ शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 15, खसरा नं० 34 तथा 35, पटवारी हल्का नं० 9, सेन्ट्रल रेलवे एम्प्लाईज कोअपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, अर्जनी, नागपुर।

एस० के० बिलम्ब्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 29-10-1979

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निदेश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/597—यतः मुझे,  
एम० आर० अग्रवाल,  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो माउन्ट आबू में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आबू रोड में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2 अप्रैल, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी हिसी प्राय या हिसी धन या प्रथ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री केशवलाल लालूभाई पटेल द्वारा स्पेशल पावर अफ अटारनी होल्डर श्री जी० एन० पटेल, अहमदाबाद।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती रेखा गंगाडिया पत्नी श्री प्रवीन अन्न गंगाडिया निवासी गेस्ट हाउस, पशु चिकित्सालय के पास, माउन्ट आबू।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फर्स्ट फ्लॉर पोरशन (एक कमरे के अलावा), गेस्ट हाउस का, जो पशु चिकित्सालय के पास, माउन्ट आबू में स्थित है और उप पंजियक, आबू रोड द्वारा क्रमांक 139 दिनांक 2-4-1979 पर पंजीबद्ध विक्रिय पव में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त(निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 13 सितम्बर, 1979  
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 नवम्बर 1979

निदेश सं० राज०/सहा० आ० श्रजन/614--यतः मुझे,  
एम० आर० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० वी-22 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-4-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ में, आयकर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, परामर्श :—

1. श्री कुलमूर्यण शर्मा एवं अन्य द्वारा श्रीमती सरला शर्मा निवासी जयपुर वर्तमान निवासी कुवैत (अयरबियन गल्फ)

(अन्तरक)

2. श्री कन्हैया लाल यादव एवं श्रीमती पदमा देवी यादव, वी-22, गोविन्द मार्ग, आदर्श नगर, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्षताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**संपर्करण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों के, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति जो प्लाट नं० वी-22, गोविन्द मार्ग, आदर्श नगर, जयपुर में स्थित है और उप पंजीयक, जयपुर वारा क्रमांक 905 दिनांक 17-4-1979 पर पंजीबद्ध विक्रम पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, जयपुर

तारीख : 27-11-1979

मोहर :

प्रकृत प्राई• टी• एम• एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27, नवम्बर 1979

निरेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/611—पतः, मुझे,  
एम० आर० अग्रवाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा जाय है), की  
आरा 269-व के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विवास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० के प्रतिक ।

और जिसकी सं० 9 वी है तथा जो जोधपुर में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्री-  
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 28-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विवास करने का कारण  
है कि प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल ऐसे, से दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से अधिक है,  
और उन्तर (उन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिशत,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्धारित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं लिया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी वास्तव की वाचक उक्त  
प्रधिनियम, के अधीन कर बैठे के बाहर के  
वास्तविक में कमी करने का उससे बचने में  
मुविष्ठा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय पा किसी घन वा अन्य आंतरितियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रदोषनार्थे प्रतिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जाय वा पा किया जाना चाहिए वा, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-व की उपाधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नरेन्द्र मोहन लाल कासलीवाल, जोधपुर।  
(अन्तरिक)

2. श्री गम्भीर मल पुत्र श्री दीनत मल ओसवाल एवं  
श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री गम्भीर मल ओसवाल, प्लाट नं०  
9 बीर दुर्गादास मार्ग, पावटा, जोधपुर। (अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेः—

(क) इस सूचना के उल्लेख में ग्राहक की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तस्वीरित व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील में 30 दिन की प्रवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के उल्लेख में ग्राहक की तारीख से  
45 दिन के भीतर उस स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्धु किसी प्रत्यक्ष द्वारा, प्रधोक्त्रसत्त्वरी  
के पास लिविन में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रवधि शब्दों और वर्ती का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### बन्धुष्ठानी

मकान संपत्ति जो प्लाट नं० 9 वी रोड़, पावटा, वीर  
दुर्गादास मार्ग, जोधपुर में स्थित है और उप पंजीयक,  
जयपुर द्वारा क्रमांक 800 दिनांक 28-4-1979 पर  
पंजीयक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 27-11-1979

मोहर :

पक्ष प्राइंट ट्री. एन. एस.---  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

राज्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 नवम्बर 1979

निरेंग सं० राज०/पृ० ० श्र० अर्जन/६१२-प्र० मुझे,  
एम० आर० अग्रवाल,  
प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इपके उच्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सशम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० ऐ अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो ब्यावर में स्थित  
(और इसने उत्तरद अनुपूर्वी में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्यावर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 18-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिए तथा पापा  
यथा प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष किसित न  
शहृदारित करा न जाना चाहिए था, विभाग ने दिया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
प्रधिनियम के प्रधीन करने के प्रत्यक्ष के दृष्यित  
में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसो किसी प्राय वा किसी छन या मन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त प्रधिनियम, या छनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः इब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के प्रमुखरण  
में, भौत प्रधिनियम की धारा 269-घ की उच्चाता (1)  
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धति।—

1. श्री मुकट विहारी लाल भार्गव पुत्र स्व० श्री विनोदी-  
लाल भार्गव निवासी ब्यावर वर्तमान निवासी जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मैसर्स महावीर एण्ड कम्पनी, ब्यावर द्वारा इसके  
सामेदार 1. श्री मोहन सिंह लोढ़ा पुत्र श्री  
चिमन सिंह लोढ़ा 2. खान चंद ओहरा पुत्र प्रेम राज  
ओहरा लालचन्द पुत्र ठहलराम सिंधी निवासी ब्यावर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापे :—

(न) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरात्मक व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो श्री  
प्रधान बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जिसबद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताभीती के पास लिखित  
में किए जा सकते।

**प्रधानदाता करण**—इसमें प्रधान गवर्नर और पदों वा, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होता जो उक्त प्रध्याय में दिया गया है।

### प्रत्युत्तमी

4 विस्वा ग्रामीदी की भूमि जो नथा नगर, ब्यावर  
में स्थित है और उप पंजीयक, ब्यावर द्वारा क्रमांक 703  
दिनांक 18-4-79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत  
रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 27-11-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 नवम्बर 1979

निदेश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/613—

यतः मुझे, एम० आर० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन संक्षम प्राविकारी को, यह विवाद छरने का कारण है कि द्वावर संवित तिवार उचित वाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रतिक है

और जिसकी सं० है तथा जो व्यावर में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, व्यावर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 जून, 1979

को उचित सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्टप्राप्त उत्तराधिकारी के द्वावर संवित वाजार मूल्य, उसके दृष्टप्राप्त प्रतिफल से, ऐसे दृष्टप्राप्त प्रतिफल का परम्पराहृ प्रतिशत से प्रतिक है और प्रतरक (प्रतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर द्वावरण लिखित में उत्तराधिकारी का द्वावर संवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वावत उत्तर अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(छ) ऐसी निमी तार या निमी व्रत या अन्य मासितियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं प्रतरिती द्वावरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रत, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रतूमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाधा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुकुट बिहारी लाल भार्गव पुत्र स्व० श्री विनोदी लाल भार्गव, निवासी व्यावर वर्तमान निवासी जयपुर। (अन्तरक)

2. मैसर्स महावीर एण्ड कम्पनी, व्यावर द्वावर इसके संस्थानीदार 1. मोहनसिंह लोडा पुत्र श्री छिमन सिंह लोडा 2. जान चन्द बोहरा पुत्र प्रेमराज बोहरा एवं श्री लालचंद पुत्र टहलराम सिंधी निवासी व्यावर। (अन्तरिती)

को पहुंचना जारी करके पूर्वोत्त अधिनियम के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना को नामोत्त से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बावजूद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से निमी व्यक्ति द्वावर;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वावर, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

त्वचोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4 विस्वा आवादी भूमि जो नयानगर, व्यावर में स्थित है और उप पंजीयक, व्यावर द्वावर क्रमांक 1340 दिनांक 19 जून, 79 द्वावर पंजीवद्व विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल  
संक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 27-11-1979

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 नवम्बर 1979

निवेदण सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/610—यतः मुझे,  
एम० आर० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 723 सैक्टर नं० 11 है तथा जो उदयपुर  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 4-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
श्रीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ए० मुब्लमनियम पुत्र श्री डी० एस० पप्पू अयर,  
राजमहल, उदयपुर।  
(अन्तरक)
2. श्री गोविन्द नाल एडवोकेट, 723 सैक्टर नं० 11  
हिरण मगरी स्कीम, उदयपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आदेत:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या नसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो प्लाट नं० 723 सैक्टर नं० 11, हिरण  
मगरी स्कीम, उदयपुर में स्थित है और उप पंजीयक, उदयपुर  
द्वारा क्रमांक 2148 दिनांक 4-8-79 पर पंजीबद्ध विक्रय  
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 27-11-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भृत्य मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शाखा (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 दिसम्बर 1979

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/619—यतः मुझे,  
एम० आर० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें दर्शके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-व (1) के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य २३,०००/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० बी०-22 है तथा जो जयपुर में स्थित  
है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 20 अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृष्टमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
वह विश्वास रखने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिकल से ऐसे  
दृष्टमान प्रतिकल का अन्तर प्रतिकल से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिरिती (प्रतिरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
द्वाये से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित  
नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से दुई किसी आय की वापन उठन  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायदि में रक्षा करने पर उसमें बचने में सुनिधा  
रु किया; ६००/-

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम पा-  
षन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में अनिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व  
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री कुलभूषण शर्मा एवं अन्य मुख्तार श्रीमती सरला  
शर्मा, जयपुर।  
(अन्तरक)

2. श्री जी० एल० रमनानी, बी-22, गोविन्द मार्ग,  
आदर्श नगर, आदर्श विद्या मंदिर के पास, जयपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मध्यस्था-  
करी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्राप्ताय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस प्राप्ताय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 22, गोविन्द मार्ग, आदर्श नगर, जयपुर  
पर स्थित मकान सम्पत्ति जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा  
ऋमांक 635 दिनांक 20-4-79 पर पंजीयक विक्रय पत्र  
में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 4-12-1979

मोदर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के प्रधीन सूचना-

भारत सरकार

कार्यालय, सहायता प्राप्ति विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 दिसम्बर 1979

निकेश मं० राज/सहा० आ० अर्जन/616—यतः मुझे,  
एम० आर० अग्रवाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिम्मा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

श्री जिसकी मं० मकान है तथा जो लाडनू में स्थित है, (और इसमें उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लाडनू में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 26 अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तत्र पाया गया प्रतिकरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन करने के अन्तरक के विविध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 268-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति: —

17—426GI/79

1. श्री मालचन्द पुत्र स्व० श्री सदारामजी श्रीका निवासी लाडनू जिला नागौर होल्डर आफ जनरल पावर आफ अटोर्नी आफ श्री श्याम मुन्दर कीला एवं सीताराम कीला अग्रवाल निवासी लाडनू वर्तमान कलकत्ता। (अन्तरक)

2. श्री प्रभू सिंह पुत्र स्व० श्री देवी सिंह निवासी लाडनू जिला नागौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशालियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्वा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान सम्पत्ति जो मदर बाजार के पीछे, मोचियों की गली के पीछे, लाडनू जिला नागौर में स्थित है का पांचवां हिस्सा जो उप पंजीयक, लाडनू द्वारा क्रमांक 209 दिनांक 26-4-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल,  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 4-12-1979

मोहर:

प्रेरुप आई० टी० एन० एस०—

आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 दिसम्बर 1979

निरेण सं० राज/सहा० आ० अर्जन/615—यतः मुझे,  
एम० आर० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान है तथा जो लाडनू में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लाडनू में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 26 अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृष्टप्राप्त अनुसूचित के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टप्राप्त अनुसूचित प्रतिफल से, ऐसे  
दृष्टप्राप्त अनुसूचित का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तत्र पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथतः :—

1. श्री मालचन्द पुत्र स्व० श्री सदारामजी ओझा  
निवासी लाडनू जिला नागौर जनराज पावर आफ पटानी  
होल्डर आफ श्री प्याम मुन्दर कीला पुत्र सीताराम कीला  
अग्रवाल निवासी लाडनू वर्तमान में कलकत्ता। (अन्तरक)

2. श्री मदन मिह पुत्र स्व० श्री देवी मिह निवासी  
लाडनू जिला नागौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के पक्षन्द में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू द्वारा किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थाकरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
प्रय॑ होगा, जो उन अश्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान सम्पत्ति जो सदर बाजार के फैले, मोचियों की  
गली के पास, लाडनू में स्थित है का पांचवां हिस्सा जो  
उप पंजीयक, लाडनू जिला नागौर द्वारा क्रमांक 210 पर  
दिनांक 26-4-79 को पंजीयक विक्रय पत्र में और विस्तृत  
रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 4-12-1979

मोहर:

प्रस्तुत शाई० टी० एन० एस०-----

ग्राम पंचायित्रम् 1961 (1961 का 43)  
गीधारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत प्रशार  
गार्हिता, राजपत्र संस्करण (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जयपुर  
जयपुर, दिनांक 4 दिसम्बर 1979

निदेश स० राज०/सहा० आ० अर्जन/618—यतः मुझे,  
एम० आर० अग्रवाल,  
ग्राम पंचायित्रम् 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
दृष्टि के पार्वत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), गीधारा 269 ब  
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है।

और जिसकी स० मकान है तथा जो लाडनू में स्थित है,  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लाडनू में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 26 अप्रैल, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ऐसे कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तर (अन्तरिक्त) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के रिए नव पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(ग) प्रत्याग्रह के लिए प्राय की बात, उक्त अधिनियम के ग्रामीण कर देने के प्रत्याग्रह के दायित्व  
में नहीं करने या उससे बचने में गुविधा के लिए;  
और/या

(घ) ऐसी हिसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयन अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाम  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री माल चन्द्र पुत्र स्व० श्री सदारामजी ओक्षा  
निवासी लाडनू जिला नागौर होल्डर आफ जनरल पावर  
आफ एटार्नी आफ श्री श्याम सुन्दर कीला एवं सीताराम  
कीला अग्रवाल निवासी लाडनू वर्तमान कल्पकता। (अन्तरक)

2. श्री मोहन सिंह पुत्र स्व० श्री देवी सिंह निवासी  
लाडनू जिला नागौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेष्टः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभासित हैं वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान सम्पत्ति जो सदर बाजार के पीछे, मोर्चियों की  
गली के पास, लाडनू जिला नागौर में स्थित है का पांचवां  
हिस्सा जो उप पंजीयक, लाडनू द्वारा क्रमांक 208 दिनांक  
26 अप्रैल, 79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप  
में विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल,  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 4-12-1979

मोहर:

प्रसूत आई० टी० एन० एम०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 दिसंबर 1979

निवेश सं० राज०/सह० आ० अर्जन/617—  
यतः मुझे, एम० आर० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, बिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
एप्प० में अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो लाडनू में, स्थित है,  
(और इसमें उत्पादद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लाडनू में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
26 अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए उत्तम प्रयत्न गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
चारों से उक्त अन्तरण निवित्र में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मालचन्द पुत्र स्व० श्री सदारामजी श्रोता निवासी  
लाडनू जिला नागौर मुलार आम श्री श्याम सुन्दर कीला  
एवं सीताराम कीला अग्रवाल निवासी लाडनू एवं वर्तमान  
निवासी कलकत्ता।  
(अन्तरक)

2. श्री गम मिह पुत्र स्व० श्री देवी मिह निवासी  
लाडनू जिला नागौर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन का यथाव्याप्ति कोई भी आक्षेप :—

(क) इव ग्रन्ति के राजात्रि में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन, को प्रत्येक उत्तरवार्द्धी अवक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
नवाच्छ होनी हो, के भी तार पूर्वोक्त अवक्तियों में से  
किसी अवक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन ही भी तार उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी  
प्रत्येक अवक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में लिए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही  
अथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति जो मदर बाजार के पीछे, मोचियों की  
गली के पास, लाडनू जिला नागौर में स्थित है का पांचवां  
हिस्पा जो उा पंजीयन, लाडनू द्वारा क्रमांक 211 दिनांक  
26 अप्रैल, 79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत  
रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 4-12-1979

मोहर :

प्रश्न पाईद० नो० १००—

आयकर प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा

269-प्र(1) के बारे में सूचना

भारत सरकार

संसाधन, सहायता आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० गज/गहा० आ० अर्जन/62८—यतः गुरु  
गम० शार० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इसके पश्चात् उक्त आधिनियम कहा गया है), का धारा 269-वा० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विभाग करने का कारण है कि स्थायी अधिनियम, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में भर्ती है और जिसकी सं० प्लाट नं० 54-55 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 अप्रैल 1979 को पूर्णिमा अधिनियम के उचित बाजार मूल्य के दृश्यमान भौतिक कल्पना अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का नामा है कि यह पूर्णिमा अधिनियम से उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान अन्तरित कल्पना अन्तरित का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भौतिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (प्रतिरितीयों) के बीच ऐसे अन्तर हैं जिए तथा यह यह प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्गत लिखित में वर्णित रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान में कभी करने या इसके बदल में सूचिधा के लिए; और/या

(ब)ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1952 (1952 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुचिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम द्वारा 269-प्र के अनुभरण में, उक्त अधिनियम द्वारा 269-वा० की उधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगदेव गिरु पुत्र श्री प्रताप गिरु महाराजा नवासी फतेहपुरा, उदयपुर। (अन्तरक)

2. श्रीमती कमला बाई पत्नी श्री रमेश कुमार धावड़ एवं श्रीमती लेहरी बाई पत्नी हमेश लाल धावड़ निवासी ग्राम नीमीदा तहसील नाथद्वारा, उदयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके त्रिपुरा अधिनियम के अर्जन के लिए आवश्यक है।

इस अधिनियम के अर्जन के अवधार में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर रूचना की तारीख + 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिनियम में दियी गयी व्यक्ति द्वारा ;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायी अधिनियम में हितबद्ध किये अन्य व्यक्ति इस प्रधानमंत्री के पास नियमा दिया जा सकेंगे।

**संशोधनगति :**—इस प्रयुक्ति शब्दों श्वीर पर्वत जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वे अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रगति

18070 वर्गफुट जमीन का टुकड़ा जो न्यू फतेहपुरा, उदयपुर में स्थित है और जो पंजीयक, उदयपुर द्वारा ऋम गंडा 1542 दिनांक 11-4-1979 द्वारा पंजीकरण विक्रय पत्र में ग्रोर विस्तृत स्पष्ट से विवरणित है।

एम० शार० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 11 दिसम्बर, 1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 4 विवेकानन्द मार्ग, सी-स्कीम,

जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1979

निर्देश संख्या रा०/स० आ०/अर्जन/—यतः मुझे, एम० आर० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो फतेहपुर (जिला सीकर) में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4 अप्रैल 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या फिरने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री जुगल किशोर जालान, 7 दिगम्बर जैन मन्दिर रोड, कलकत्ता-7, लक्ष्मी देव जालान, जालन्धर (पंजाब) हरी प्रसाद जालान, जयपुर (राजस्थान) पुरुषोंतम लाल जालान, 7 दिगम्बर जैन मन्दिर रोड, कलकत्ता-7 केसर देव जालान, 109 महात्मा गांधी, रोड कलकत्ता । (अन्तरक)

(2) सर्वश्री (1) अब्दुल अजीज (2) मोहम्मद इल्यास (3) गुलाम नबी (4) गुलाम सरवर (5) अब्दुल अजीज (6) अब्दुल जब्बार (7) लियाकत अली (8) मोहम्मद अली (9) फतेह मोहम्मद (10) ईस्माईल (11) जफ़ेर (12) मोहम्मद हुसैन (13) बशीर (14) सुवेदार दाराचां ममस्त फतेहपुर जिला सीकर के निवासी ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रतिक्रिया जो भी ग्रवित वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर/सम्पत्ति में हितबद्ध निसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवाहसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बाँड नं० 1, फतेहपुर, टाउन जिला सीकर में स्थित खसरा नं० 906 की भूमि का दो तिहाई अविभाजित भाग जिसका अनुमानित धोव 2 बीघा 9 बिस्वा है जो उप पंजियक, कलकत्ता द्वारा कम संख्या 1885 पर दिनांक 4 अप्रैल, 79 को पंजीबद्ध विश्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० आर० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 17 दिसम्बर 1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० ए० प०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन गूवता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 4 विवेकानन्द मार्ग, सी-एनीम,  
जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1979

निर्देश संख्या : राज०/स० आ०/अर्जन/—यनः, मुझे एम० आर० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

श्रीर जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जो फतेहपुर (जिला  
सीकर) में स्थित है, (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथात् यह सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मर्वंत्री जुगनकिशोर जालान, 7 दिग्म्बर जैन मन्दिर  
रोड, कलकत्ता-7, लक्ष्मी देव जालान, जानन्द्वर (पंजाब)  
हरी प्रसाद जालान, जयपुर (राजस्थान)  
पुरुषोत्तम लाल जालान, 7 दिग्म्बरजैन मन्दिर रोड,  
कलकत्ता-केमर देव जालान, 109 महात्मा गांधी रोड,  
कलकत्ता

(अन्तरक)

(2) मर्वंत्री (1) अब्दुल अजीज (2) मोहम्मद इल्याम  
(3) गुलाम नबी (4) गुलाम सरवर (5) अब्दुल  
अजीज (6) अब्दुल जब्बार (7) लियाकत अली-  
(8) मोहम्मद अली (9) फतेह मोहम्मद (10)  
ईमाईन (11) जफ़र (12) मोहम्मद हुसैन  
(13) वणीर (14) सूबेदार दाराखां (समस्त  
फतेहपुर जिला सीकर के निवासी

(अन्तरिती)

को यह सुवता जारी करके पूर्वीता उपाति है प्रत्या के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेव :—

- (र) इस सूवता है राजत्र में प्राहाति की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी अकिञ्चन द्वारा;
- (ब) इस सूवता के राजत्र में प्राहाति की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रदोहनात्मकी के पास  
लिखित में किए जा सकेंग।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही  
प्रत्येक जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बार्ड नं. 1, फतेहपुर टाउन जिला सीकर में स्थित खसरा  
नं. 908 की भूमि का दो तिहाई अविभाजित भाग जिसका  
अनुमानित क्षेत्र 3 बीघा 12 विस्ता है जो उप पंजियक,  
कलकत्ता द्वारा ऋम संख्या 1866 पर दिनांक 3 अप्रैल,  
79 को पंजबद्व विक्रय पत्र में ओर विस्तृत रूप से विवरणित  
है।

एम० आर० अग्रवाल  
सहम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 17 दिसम्बर 1979

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निर्देश संख्या राज/महा० आ० अर्जन/623—यतः मुझे  
एम० आर० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 304 है तथा जो माउन्ट आबू में स्थित है, (और इसमें उपावद्ध अनुगृही में और पूर्ण स्तर में बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आबू गोड में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 18 अप्रैल 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, प्रर्णात :—

(1) श्री मोहन लाल करुण शंकर शूक्ला एवं श्रीमती भानुमति मोहनलाल शूक्ला, नीलिमा पार्क, नवरंगपुरा, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री जोतिन्द्रा नटवरणाल मेहता, कल्याण सोसाईटी, इलीम त्रिंग अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भाति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्भाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्षियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के बीचर पूर्वोक्त अवक्षियों में से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पेश्लीफरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उग्र अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

माना सम्भाति जिसके नं० 304 है और जो वार्ड नं० 4, पिंजीपुर रोड, माउन्ट आबू जो उग्र पंजियक आबरोड द्वारा पंजीयन द्वारा प्रकट पत्र में अनुगृहीत दिनांक 18-4-79 पर पंजीयन द्वारा प्रकट पत्र में ग्राही विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 24 दिसम्बर 1979  
मोहर :

प्रकाश भाई० टी० एव० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, बंगलूर

बंगलूरु दिनांक 30 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० सी आर-62-23507/79-80/एक्यू/वी—यतः  
मुझे पी० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके इशात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व  
के प्रधीन समस्त प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उद्धित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से प्रतिक है

और जिसकी सं० 162-164 है, तथा जो अरकाठ सिरीनिवासा-  
चार स्ट्रीट बंगलूरु में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची  
में और पूर्णांख से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,  
गाँधीनगर, बंगलूरु वस्तावेज सं० MO/79-80 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक  
16-4-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उद्धित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विवाद करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उद्धित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यह  
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और अस्तित्वी  
(अस्तित्वियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण लिखित में  
वास्तुविक रूप से उद्धित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के बायित्य  
में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या ग्रम्य ग्रास्तियों  
को, जिन्हे आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अस्तित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती सयीदउननीसा उर्फ फजलुननीसा पत्नी लेट  
एम० ओ० राहमान खान, रिप्रेजेंट कर रहे हैं पी०  
ए० होलडर श्री मुहम्मद इकबाल मुहम्मद खान  
सं० 147, फुलूर 7 मेन, 5, ब्लाक जयानगर बंगलूर-4  
(अन्तरक)

(2) श्री धतमल जैन, सं० 70 अरकाट सिटीनिवासचार  
स्ट्रीट, बंगलूर-53 रिप्रेजेंट कर रहे हैं पी० ए० होल्डर  
जयन्ती लाल जैन  
(अन्तरिती)

(3) (1) मैसर्स जे० के. फारमा  
(2) पेट्टी भरचेंट्स एसोसिएशन  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
प्रबंन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
दूसरे व्यक्ति द्वारा, प्रदूषस्तानी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रयोग 20वीं में परिभाषित  
है, वही शब्द होता, जो उस प्रयोग में  
दिया गया है।

**प्रमुखसूची**

वस्तावेज सं० 170/79-80 ता० 16-4-1979)

घर सम्पत्ति सं० 162-164 तथा जो अलकाटरसिटीनिवासचार  
चार स्ट्रीट बंगलूरु में है।

पी० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, बंगलूर

यतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के अनुसरण  
में, ऐसे उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1)  
अन्तीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धाति :—

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 13 नवम्बर, 1979

निदेश सं० सी० आर० 62/23451/79-80—एक्रिव०—  
—यतः मुझे, पि० रंगनाथन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 301/7, 6 कास रोड़, है तथा जो फस्ट ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का कु16) के अधीन, तारीख 12-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब याया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रत्यक्षरण में, मेरे उक्त अधिनियम की आय 269-ब की उपवास (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री टी० के० शारम्पा, पत्नी श्री टी० एस० कृष्ण-स्वामी, नं० 239, राष्ट्रीय विद्यालय रोड़, वि० वि० पुरम, बैंगलूर-4। (अन्तरक)

2. श्री एम० साकूबाई, पत्नी श्री एन० एस० मनि, नं० 301, 1 ब्लाक, जायनगर, बैंगलूर-11। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अवित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, ] वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 101/79-80 ता० 12-4-79)

प्रिमेसस नं० 301/7, 6 कास रोड़, 1 ब्लाक जयनगर, बैंगलूर।

चक्रवंदी :

पूः खाली जमीन का नं० 300,

द०ः खाली जमीन का नं० 287,

प०ः प्रापर्टी नं० 302 विसौडिंग टु रंगट्या और

उ०ः लिंक "बी" मेन रोड़।

पि० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 13-11-1979

मोहर :

प्रसूप श्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूरु  
बंगलूरु, निक 15 नवम्बर, 1979

निदेश सं० सी० आर०-62/23453/79-80/एचिव०  
बी०—यह, मुझे, बी० रंगानाथन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
से अधिक है

और जिसकी सं० 83, है, तथा जो 13 ऋस विलसन गार्डन  
(लक्कासंद्रा एक्सटेंशन) बंगलूरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, जयनगर बंगलूरु दस्तावेज सं० 46/  
79-80 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 5-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रदृढ़ प्रतिगत से अधिक है और अन्तररन (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित म वास्तकि रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण में दुई किसी आय की बाबा, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शापित्व म कमी फरने या उपरे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) दोनों किसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लीलावती पत्नी श्री डी०सी० चन्द्रेश्वरा सं० 522,  
33, क्रास IV ब्लॉक जयनगर, बंगलूरु-11। (अन्तरक)

2. श्रीमती एम० असवध्यमा पत्नी के० एन०  
रामास्वामी रेडी सं० 86, 8 क्रास विलसन गार्डन, बंगलूरु।  
(अन्तरिती)

3. श्री कावल कृष्ण बाथरा (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 46/79-80 ता० 5-4-1979)  
घर सम्पत्ति सं० 83 तथा जो 13 ऋस विलसन गार्डन  
(लक्कासंद्रा एक्सटेंशन) बंगलूरु।

पी० रंगानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूरु

तारीख: 15-11-1979

मोहर:

प्रकाश पाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, विनांक 15 नवम्बर, 1979

निवेश सं० सी आर 62/23457/79-80/एक्वि०/बी०

यतः मुझे, पी० रंगानाथन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ए  
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 60/3 है, तथा जो 8 "ए" मेन रोड,  
III ब्लाक जयानगर बैंगलूर-11 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जयानगर बैंगलूर में दस्तावेज  
सं० 30/79-80 में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-4-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृष्टिकोण से, ऐसे दृष्टिकोण प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से  
अधिक है और अस्तरक (प्रस्तरकों) और अस्तरिती (प्रस्तरितियों)  
के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तुविक रूप से  
कहित नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण से, हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के विवरण  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।  
ओर/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घटना पर्याय प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनक-र  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थ  
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-ए के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-ए की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

1. श्रीमती (1) एन० कमालम्मा (2) एन० विजाया  
(3) एन० सुजाया (4) एन० श्रीजया (5) एन० वाणी  
सं० 60, III ब्लाक 8 मेन जयानगर, बैंगलूर-11।  
(अन्तरक)

2. श्री एन० प्रकाश सं० 60, III ब्लाक, 8 "ए"  
मेन जयानगर, बैंगलूर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त विधि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोदस्ताकारी के पास लिखित  
में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रधाय 20-क में परिमावित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में विद्या गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 30/79-80 ता० 4-4-79)

घर संपत्ति सं० 60/3 तथा जो 8 "ए" मेन, III  
ब्लाक, जयानगर बैंगलूर में है।

पी० रंगानाथन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख: 15-11-1979

मोहर:

प्रकल्प आई०टी०एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 नवम्बर, 1979

निदेश सं० सी० आर०-62/23559/79-80/एक्वि०/  
बी०—यह: मुझे पी० रंगानाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को  
भारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० 45/1 पुरानी सं० 102 है, तथा जो  
II मेन रोड़, सेशावरीपुरम बंगलूर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में  
दस्तावेज सं० 123/79-80 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 11-4-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान  
प्रतिफल का पक्का प्रतिशत से प्रधिक है और प्रत्यक्ष  
(प्रत्यक्षों) और प्रस्तुरिती (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित  
उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के बायित्य में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बच्चा प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ मन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के ग्रन्तिरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, पर्वातः—

1. श्रीमती टी० शोभा पुत्री लेट रंगास्वामी अव्यंगार  
सं० 140, II मेन रोड़, सेशावरीपुरम, बंगलूर। (अन्तरक)

2. श्रीमती पी० मधू पुत्र लेट पुद्माश्री 45/1, II  
मेन रोड़, सेशावरीपुरम, बंगलूर-560020। (अन्तरिती)

3. (1) श्री रामाकृष्ण पुहप: श्री वक्टेश्वरा  
वेट गरोड़कर और आर० के० साइक्लस (2) श्री अब्दुल  
मजीद पुरुष यक्सप्रस टैलरस (3) श्री निवास यसकटीकन  
कनट्राक्टर। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तस्वींघी अवधियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति ये  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोटो का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होया जो उस प्रव्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज 124/79-80 ता० 11-4-1979)  
घर सम्पत्ति सं० 45/1, तथा जो II मेन रोड़ सेशा-  
वरीपुरम, बंगलूर-560020 में है।

पि० रंगानाथन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 14-11-1979

मोहर:

प्रलेप आई० ई०० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 नवम्बर, 1979

निवेश सं० सी० आर० 62/23634/79-80—एक्षि०  
(बी०)—यतः मुझे, पि० रंगनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 550/53 गुरुशमन है, जो पार्क स्ट्रीट,  
एड रोड, बसवनगुडि, बंगलूर-4 में स्थित है (और इसे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि, बंगलूर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1909 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 3-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और  
मन्त्रक (मन्त्रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बोक्त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री वि० जि�० आकापी, पुत्र श्री गुडाचार, नं० 57,  
ईस्ट एड रोड, गरुतयेन पार्क, बसवनगुडि, बंगलूर-4 (मन्त्रक)

2. (1) श्रीमती के० राधाबाई पत्नी वी० एस० कम्बन्

(2) श्री वी० सत्यमूर्ति पुत्र श्री वी० एस० वेंकटाचालन  
चेट्टियार

(3) श्रीमती के० जानकी पत्नी श्री वि० कुण्णन  
सभी निवासी 26-27 के० एम० एस० कालोनी अलगार  
कोयलू रोड महुरै, तमिलनाडु-2 (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किरी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साप्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 32/79-80 ता० 3-4-79)

नार्दन् पोर्शन आफ प्रिमैसस बेटिंग नं० 550/53,  
गरुतयेन पार्क, ईस्ट एड रोड, बसवनगुडि, बंगलूर-4।  
चक्रबंदी:

प०: रियेनिंग पोर्शन आफ प्रापर्टी बरिंग नं० 550/53,  
सोलड की श्रीमती जि० रुकमया और एनअद्वर।

प०: प्रापर्टी बिल्डिंग टु श्री सदाशिवनाथ

उ०: रोड और

द०: रियेनिंग पोर्शन आफ दि सेम नं० सोलड टु श्रीमती  
जि० शुक्ला० और एनअद्वर।

पि० रंगनाथन

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 13-11-1979

पोहर:

प्रारूप आई० टी० एन०एस०—————

आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 नवम्बर, 1979

निवेश सं० सी आर० 62/23658/79-80—यतः,  
मुझे, पि. रंगनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- है से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 16/2, नं० 30, है, तथा जो 4 कास रोड, अशोक नगर, बंगलूर में स्थित है (और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुटि, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 23-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्हु प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्त्त :—

1. श्री वि० एन० वेंकटस्वामि उर्फ वेंकटस्वामि निवासी 220/सी० आई० टी० बी० नं० 991, 4 कास अशोकनगर, बंगलूर-19। (अन्तरक)

2. श्री बालाजि० हौस बिल्डिंग को-आपरेटिव सोसायटी लि०, रिप्रेजेंटेड बाय प्रेसिडेंट कास हनुमंथनगर, बंगलूर-19 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्रमें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर दूर्वक्षित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के अन्तर्गत हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसन्धान

(दस्तावेज सं० 266/79-80, ता० 23-4-79)  
सर्वे नं० 16/2, भग्न नं० 30, 4 कास रोड, अशोक-  
नगर, बंगलूर-19।

चक्रवर्तीः

पू० : सी० आई० टी० बी० लैंड

प० : रोड

उ० : खाली जगह का नं० 983 का 990, 991 ए  
ओर 991 बी आफ बि० डि० ए० अलाटमैंट्स और  
द० : रोड

पि० रंगनाथन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीखः 13-11-79

मोहरः

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 21 नवम्बर, 1979

निदेश सं० सी० आर० 62/23951/79-80/एक्वि०/  
बी०—यतः मुझे, पी० रंगनाथन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सन्नाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इकाई से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है, तथा जो के० के० लेन 7 फ्लॉर  
काटनपेट बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के  
कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर दस्तावेज सं० 527/79-80  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 12-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अपवाहा, (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्द्धात् :—

1. श्री सी० ग्रलीण्या पुत्र लेट बी० अशेषा सं० 2,  
के० के० लेन, 7 फ्लॉर काटनपेट, बंगलूर-531। (अन्तरक)

2. श्री जी० हेमराज पुत्र श्री के० गणेशमलजी सं० 123,  
केसरी बिल्डिंग, मामुलपेट, बंगलूर। (अन्तरिती)

3. (1) टी० एम० कुनही

(2) पी० पी० भासकरन

(3) के० पी० एम० कुनही

(4) एस० कनाकाराज (वह अवित, जिसके अधि-  
भोग में सम्पत्ति है)

मो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उक्त सम्बन्ध में कोई भी व्याप्रेष।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या उससम्बद्धी अविक्षियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़  
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोदृस्तावती के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय, 20-क में परिभाषित हैं, वही  
प्रयृ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 527/79-80 ता० 12-4-1979)  
घर सम्पत्ति सं० 87, पुराना और नया सं० 2, तथा  
जो के० के० लेन 7 फ्लॉर काटनपेट बंगलूर में है।

पी० रंगनाथन  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 21-11-1979

मोहर:

प्रलग्न आई० टी० एम० एम०--

1. श्री के० सुभद्रा चंद्रशेखर अरसीकेरे, हसन ।  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स कलामडी एनटरप्राइंस 105, पयालेस गुट्टा-  
हल्ली बैंगलूर, रेप्रेसेंट कर रहे हैं उनके पाठ्नर श्री के० वी०  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 नवम्बर 1979

निदेश सं० सी० आर० 62/23966/79-80/एक्विव०/  
वी०—यतः मुझे, पि० रंगनाथन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 105 है, तथा जो सेशाद्री रोड पयालेस गुट्टा-हल्ली,  
बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी-  
नगर, बैंगलूर दस्तावेज सं० 677/79-80 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
29-5-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से फिसी अवधि द्वारा;

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति सं० 105, तथा श्री सेशाद्री रोड, पयालेस  
गुट्टा-हल्ली बैंगलूर में है।

पि० रंगनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—  
19—426GI/79

तारीख: 21-11-1979

मोहर:

प्रकाप आई० टी० एम०एस०---

प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) को भारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 29 नवम्बर, 1979

निदेश सं० III 365/अर्जन/79-80—ग्रन्त: मुझे,  
जै० नाथ,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, विधिवाली वाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है।

और जिसकी सं० मर्कल नं० 24, होर्सिंग नं० 3, वार्ड नं०  
9, सीट नं० 67, प्लाट नं० 112 है, तथा जो अशोक राज  
पथ पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 9-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिशत के लिए प्रत्युत्तिर्त की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
आन्तरिक (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) घटुरण से हुई छिपी प्राप्ति को बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
विविध में ही करने या उक्स बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी छिपी प्राप्ति या छिपी धन या अमर आस्तियों  
का, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगवार्ष प्रत्यक्षा द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम नींग 293-ग के अनुक्रम  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम विलाश शाह बलद राम चरण शाह स्थित  
मलकी कचहरी थाना मालसलामी जिला पटना। (अन्तरक)

2. श्री नन्द कुमार यादव बलद श्री राम बाबू यादव  
मौहल्ला मालकगंज थाना मालसलामी जिला पटना।  
(अन्तरक)

3. मेसर्स जनरल पेपर ट्रेडिंग हाउस, पटना (वह व्यक्ति,  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रवधि दाद में समाप्त होती है, के भोवर ग्रूवर्ड  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दूद  
किसी अन्य अवधि द्वारा, अधोदृष्टाधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भावित हैं, वही अर्थ होना, जो उस प्रध्याय  
में दिया गया है।

#### अनुसूचा

एक मकान का 5 आना 4 पाई हिस्सा जो अशोक  
राजपथ पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या  
2123 दिनांक 9-4-79 में वर्णित है और जिला अवर  
निवन्धन प्राधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

जै० नाथ  
सभी प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकत, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बिहार (पटना)

तारीख: 29-11-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 29 नवम्बर 1979

निदेश सं० III 366/अर्जन/79-80—अतः मुझे,  
जै० नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० संकिल नं० 24, होलिंग नं० 3, वार्ड  
नं० 9, सीट नं० 67 प्लाट नं० 112 है, तथा जो अशोक  
राज पथ, पटना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-4-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिक्रिया पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरण (अन्तरकां) प्रीर अन्तरेनी (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनहर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, मर्यादित:—

1. (1) किशोरी लाल साहू (2) श्री राम बाबू साहू  
(3) श्री हीरा लाल (4) श्री मोती लाल सभी बालदान  
श्री जवाहिर साहू साकिन मालकी कचहरी थाना माल-  
सलामी जिला पटना।  
(अन्तरक)

2. श्री राज कुमार बर्मा बल्द श्री राम बाबू यादव  
साकिन मालफगंज थाना मालसलामी जिला पटना।  
(अन्तरिती)

3. मेरसं जेनरल पेपर ट्रेडिंग हाउस, पटना (वह व्यक्ति  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील जै 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**संष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
प्रार्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मकान का 4 आना 3 पैसा हिस्सा जो अशोक राज पथ पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से दस्तावेज सं० 2122 दिनांक 9-4-79 में वर्णित है और जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पटना

तारीख: 29-11-1979

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 1 जनवरी 1980

निदेश सं० III 367/अर्जन/79-80—यतः मुझे,  
ज्योतिन्द्र नाथः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

ओर जिसकी सं० होल्डिंग नं० 74 ए० सर्किल नं० 20बी,  
बाँड नं० 11 एम० एम० ब्लॉड नं० 621 टौजी नं० 802  
थाना नं० 137 है, तथा जो कदम कुआं कांग्रेस नगर, पटना  
में स्थित है (ओर इसे उग्रबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप  
से बर्णित है), रजिस्ट्रीरन्स अधिकारी के कार्यालय, पटना  
में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
प्रधीन, तारीख 27-4-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रोजेक्टर अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती फूलकुमारी देवी पत्नी स्व० श्री बैज नाथ  
प्रसाद सिंह उर्फ नुतू बाब पुत्री स्व० श्री काली चरण सिंह  
ग्राम राजीपुर थाना विक्रम जिला पटना, वर्तमान कदम कुआं  
कांग्रेस नगर, पटना

(अन्तरक)

2. श्री राजेश शर्मा पुत्र श्री हृदय नारायण शर्मा  
मौजा/पत्वालय—पण्डील जिला मधुबनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पूर्ण मकान जो तीन मंजिला है उसका ग्राउण्ड फ्लोर  
का सम्पूर्ण किता जो एक कट्टा 13 धूर के रकवे में स्थित  
है तथा जो कदम कुआं कांग्रेस नगर पटना में स्थित है और  
पूर्णरूप से दस्तावेज सं० 2528 दिनांक 27-4-79 में  
बर्णित है और जो जिला अवर निवन्धन प्राधिकारी पटना  
के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

तारीख: 1-1-80

मोहर:

प्रसूप प्राईंट दी० एन० एस० —————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1979

निवेश सं० ए० सी० एक्यु०-23- -2356(899)/  
16-6/79-80—अतः मुझे, एस० एन० मांडल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा यहा है), को धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 115, प्लाट नं० 12 है तथा जो कालाबड़ी रोड़, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के राजनिय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उस के दृष्यमान प्रतिफल के सिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए उच पाया गया प्रतिफल, निम्नसिद्धित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कहित नहीं किया यहा है :—

(क) अन्तरण से ही किसी भाव की वादत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय प्रायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनके प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा ब्रेकट नहीं किया यहा या या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के सिए;

अतः, प्रत, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपलब्धा (1) के अधीन निम्नसिद्धित अवित्यों, अवात्।—

1. श्री हराजीभाई कालाभाई, कुवाबाड़ा रोड़, राजकोट  
(अन्तरक)

2. मै० जामनगर ट्रॉफोर्ट क०  
भारीदार :—

(1) श्री मनसुखलाल रणछोड़दाम,  
(2) श्री रमनीकलाल रणछोड़दाम,  
(3) श्री नविनभाई रणछोड़दाम,  
(4) श्री जमदीमचन्द्र रणछोड़दाम के मारफत,  
कुवाबाड़ा रोड़, राजकोट  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य अवित्य द्वारा, अपोहस्ताकारी के पास विवित में किए जा सकें।

एष्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अवधोगा जो उस अन्याय में विद्या गया है।

### अनुसूची

569-4-45 वर्मगज जमीन पर खड़ी द्वारा राजकोट जिसका सर्वे नं० 115 प्लाट नं० 12 है, जो कुवाबाड़ा रोड़ राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 1309 ता० 1-4-1979 से रजिस्टर्ड विक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद  
तारीख: 5 दिसम्बर, 1979  
मोहर :

प्र० प्र० श्री० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 दिसम्बर 1979

निवेश सं० रेफ नं० पी० बार० 835 अकेज 23/6-1/  
79-80—प्रतः मुझे, एस० एन० मण्डल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है।

और जिसकी सं० नं० 131/1, 131/2, 132 और  
133 हैं तथा जो इण्डस्ट्रियल रोड और रेजिस्ट्रेशनल क्वार्टर्स  
बड़ौदा और बाकी में स्थित हैं (और इसमें उपाख्य अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-4-1979  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापा गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः श्री, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीरमेड प्राइवेट लिमिटेड शान्ती सदन, मीरजापुर  
रोड, अहमदाबाद-1 (अन्तरक)
2. श्री अंबलाल साराभाई एन्टरप्राइसेस (प्रा०) लि०  
बड़ौदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
लिए कायवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—घरमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो माप में 25,288.62 चौरस मीटर्स है और  
जो मुमानुरा गाँव बड़ौदा में है। इसके साथ कुछ इण्ड-  
स्ट्रियल शेइस और रेजिस्ट्रेशनल क्वार्टर्स जो जी० श्री० डी०  
सी० ई० इण्डस्ट्रियल एस्टेट वापी में हैं। ये मिलेकत  
(संपत्ति) पहले और दूसरे शिड्यूल के अतिरिक्त सेल डी०  
नं० 625 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा द्वारा तारीख  
17-4-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मण्डल  
सक्षम प्रधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 20-12-1979  
मोदूर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निदेश सं० 88/79-80/प्राई० ए० सी० (ग/ग्राम) बी० बी० ए० आर०---अतः मुझे, बिंदु मिश्र, आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 1084 है, जो अशोक टाकीज के मामले स्थित है (और इसमें उपवाद अनुसूची में और पूर्ण रूप में उल्लिङ्गित है), रजिस्ट्रीर्ना प्रधिकारी के कार्यालय, मम्बलपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि भारतीय उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह रुपयांश से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (पन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्युक्त के अधिकारी में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रयोग से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के प्रवीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्री मंदेश्वर नाथ मजुमदार पैन्सनपारा, मम्बलपुर।  
(अन्तर्क)

2. श्री पुरेन्द्र नाथक, पुत्र मदन नाथक, पधनपाड़ा, मम्बलपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के संबंध में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकारी;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा प्रश्नहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया जाया है।

### मनुसूची

नजलु लैण्ड, मम्बलपुर महल प्लाट नं० 1564 आयतन ए० 0.01, प्लाट नं० 1563 आयतन ए० 0.02 और प्लाट नं० 1565 आयतन ए० 0.20 मीटर आयतन ए० 0.23 अशोका टाकीज मामना में अवस्थित।

विंदु मिश्र,  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक आपकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीखः 31-12-1979

मोहरः

प्रस्तुति आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 31 दिसंबर, 1979

निदेश मं० 89/79-80/आई० ए० सी०(ए०/आर०)

बी० बी० ए०स०—अतः मुझे, बिं० मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2605 है; जो कुमुनपुरकट्टा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कट्टक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-4-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पार्या गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति कुमुनदी देवी पत्नी स्व० अपनि नन्दा, अडिया बाजार, कट्टक। (ग्रन्तरका)

2. (1) श्री भीराम अप्रवाल

(2) श्री श्येम सुन्दर अप्रवाल झोला माही, कट्टक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० 203, थाना, मीजा कुमुनपुर खाता सं० 1298,  
सं० 2077-ट०. 003, सं०. 2078--ए०. 032 और  
सं० 2082--ट०. 136, मीट ए०. 171 डिसम्बर जमीन  
मार्य पक्का मकान झोलामाह नजदीक में है।

बिं० मिश्र

मकान अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख: 31-12-1979

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 19 दिसम्बर 1979

निदेश सं० 87/79-80/प्राई० ए० सी०/(A/R)/BBS  
-श्रतः मुझे, बी० मिश्र,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1090 है, जो इकाइपाड़ा, सम्बलपुर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सम्बलपुर में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 23-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्त्रहु प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (अन्तरक)  
और बन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त पन्तरण  
निविन में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के  
दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या पन्त्र प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाव अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

बतः यथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—  
20-426GT/79

1. श्री विश्वनाथ मोदी जगेल बाजार, सम्बलपुर (अन्तरक)

2. श्री किशोर चन्द्रदेसाई नवापारा, सम्बलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी अवित्यों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रबंध बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितेवद  
किसी अन्य अवित्य द्वारा, प्रधोस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** - इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही पर्याप्त होता जो उस प्रधाय में विभा  
पक्ष है।

अनुसूची

एक छावा गृह दवाइपारा सम्बलपुर में वार्ड नं० (5)  
पुराना नं० (8) (नया) मुनिसिपल होल्डिंग नं० 250  
(पुराना) 284 (पुराना) एवं 293 (नया) एवं 1104 फीट है।

बी० मिश्र  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख : 19 दिसम्बर 1979  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269प (1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, वडायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जनवरी 1980

निदेश सं० जे० डी० आर०/1/79-80—अतः मुझे,  
गो० सि० गोपाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सभी प्रधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० 359-प्रार०, माडल टाउन है  
तथा जो यमुना नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-  
मूल्यी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी  
के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री सतपाल पुत्र श्री शाम लाल  
(2) श्रीमती बीना रानी पत्नी श्री सतपाल निवासी  
मकान नं० 359-प्रार०, माडल टाउन, यमुनानगर।  
(अन्तरक)

2. श्री मोहन लाल गुजराल पुत्र श्री राम लाल  
गुजराल, 359-प्रार०, माडल टाउन, यमुनानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना ।।।  
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 359-प्रार०, माडल टाउन, यमुना-  
नगर तथा जिसका और प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता जगा-  
धरी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 340 तिथि 25-4-79  
में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
मध्यम प्राधिकारी  
मध्यकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 9-1-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जनवरी, 1980

निदेश सं० डी० एल० प्राई०/3/79-80—अतः मुझे,  
गो० सि० गोपाल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि रक्कड़ा 18 कनाल 17 मरले है तथा  
जो ग्राम पल्ला तहसील बल्लभगढ़ में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, देहली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख प्रप्रैल, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रामकली तथा श्रीमती शांती, पुत्री श्री हुकमी  
पुत्र श्री हर गियान निवासी ग्राम पल्ला, तहसील बल्लभगढ़  
(अन्तरक)

2. मै० ग्रेटर देहली प्लैनरज प्रा० लि० 3, शंकर  
मार्केट, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवृत्ति पा तत्संबंधी अवक्तियों पर सूचना की  
तभीत से 30 दिन की अवृत्ति, जो भी अवृद्धि बाद में  
मापात्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से किसी  
अवक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य अवक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

संष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित है, वही  
प्रार्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 18 कनाल 17 मरले जोकि ग्राम पल्ला  
तहसील बल्लभगढ़ में स्थित है तथा जैसे कि और अधिक  
रजिस्ट्रीकर्ता देहली के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 231  
तिथि 20-4-1977 में वर्ज है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम अधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 9-1-1980

मोहर :

प्रध्यप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण )

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जनवरी 1980

निदेश सं० एच० एन० एस०/4/79-80—प्रतः मुझे,  
गो० सि० गोपाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ष  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग जो कि हरियाणा मैटल  
एण्ड स्टील इण्डस्ट्रीज के नाम से जानी जाती है तथा जो  
जी० टी० रोड, हांसी मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हांसी मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः:—

1. श्री शाम लाल जिन्दल पुत्र श्री रामा नन्द जिन्दल  
निवासी हिसार। (अन्तरक)

2. मै० श्रीकृष्ण टेक्सटाइल, हांसी तह० हांसी, जिला  
हिसार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्विकिता अन्य व्यक्ति द्वारा पूर्वोक्तसाक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया

अनुसूची

सम्पत्ति फैक्टरी बिल्डिंग, जो कि हरियाणा मैटल तथा  
स्टील इण्डस्ट्रीज, हांसी के नाम से जानी जाती है तथा  
जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता हांसी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री क्रमांक 190 तिथि 27-4-1979 में दिया  
गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 9-1-1980

मोहर :

प्रध्यप आई० टी० एन० एस०----  
धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-प(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

## कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जनवरी, 1080

निर्देश सं० आर० डब्ल्यू० आर०/1/79-80—अतः मुझे,  
गो० सि० गोपाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है।

और जिसकी सं० एक मकान जो कि सरकुलर रोड  
पर है तथा जो रेवाड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, रेवाड़ी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिक्षत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अनुसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नान्वित अवक्षितयों, अवर्ति :—

1. श्री अजुध्या नाथ पुत्र श्री बन्सी लाल, निवासी  
सरकुलर रोड, चर्च के सामने, रेवाड़ी। (अन्तरक)

2. श्रीमती शारदा कपूर पत्नी डा० वी० बी० कपूर  
निवासी चर्च हाउस के सामने, सरकुलर रोड, रेवाड़ी।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के  
लिए नारंशक्तियाँ करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के सम्बन्ध में कोई भी वापेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को  
तामील से 30 दिन की प्रवधि जो भी प्रवधि बाद में  
ममाल्स होती हो, के प्रत्येक पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताभारी के पास लिखित  
में किए गए सकेंग।

**इच्छाकारण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति एक मकान जो कि चर्च हाउस के सामने तथा  
सरकुलर रोड, रेवाड़ी पर स्थित है तथा जैसे कि और  
अधिक रजिस्ट्रीकर्ता रेवाड़ी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक  
506 तिथि 4-6-1979 पर दर्ज है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 9-1-1980

मोहर :

प्रकाश प्राईंटी० एन० एस०—

आवक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्थन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए०सी०-१३/रेज-II/कल०/1979-80—यतः मुक्ते  
एस० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के प्रधीन संश्लेषण आयिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- प० से अधिक है

और जिसकी स० प्लाट नं० 76 है तथा जो ब्लाक 'ई' न्यू आलिपुर  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और प॑र्ण से  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 16-4-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विवास करने  
का कारण है कि यथा प॒र्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल-निम्नलिखित उद्देश्य है उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजार 'उक्त  
प्रधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
भूमिका के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या प्रम्य घासितियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तोर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के बिए,

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के  
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की  
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मि० उमार खान (अन्तरक)

2. मे० इनजार (इण्डिया) लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बाय में कोई भी व्यापे प्रयोग की जाती है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियद के प्रधाय 20-प में  
परिभासित है, वही प्रयोग होगा, जो उस प्रधाय  
में दिया गया है।

मुक्ते

प्लाट नं 76, ब्लाक 'ई' न्यू आलिपुर में 1 K 2  
Chittacks खालि जमीन है।

एस० सी० यादव  
(संक्षम अधिकारी)  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II; कलकत्ता

तारीख: 25-7-79

मोहर:

## संघ लोक सेवा आयोग

## नोटिस

स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैटिसेज परीक्षा 1980

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 1980

सं ० एफ० 5/1/79-प०।(ख) —भारत के राजपत्र, दिनांक 26 जनवरी 1980 में रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा में स्पेशल क्लास अप्रैटिस के पदों पर नियुक्ति हेतु चयन के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़ कोषीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर, (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर वण्णजी, (गोवा), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेयर (शिलांग), शिमला, श्रीनगर तथा त्रिवेंद्रम में 8 जुलाई 1980 से एक परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट किए गए उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए उपावन्ध II, पैरा 11)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित मंख्या 14 है। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिक्तियों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण हो रुपए देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीप्राईर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा, भेजी जानी चाहिए। मनीप्राईर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

दो रुपए की यह राशि किसी भी हाल में वापस नहीं की जाएगी।

**नोट:** —उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आपने आवेदन-पत्र स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैटिसेज परीक्षा, 1980 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैटिसेज परीक्षा, 1980 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुआ आवेदन-प्रपत्र आवश्यक प्रमाण-पत्रों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 24 मार्च 1980 को या उससे पहले (24 मार्च

1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंदमान एवं निकोबार तथा लक्ष्मीपुर में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 7 अप्रैल 1980 तक अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंदमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्ष्मीपुर में रहने वाले उम्मीदवार से, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 24 मार्च 1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंदमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्ष्मीपुर में रह रहा था।

5. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन पत्र के साथ रु 36.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आर्दम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु 9.00 का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित पोस्टल आर्डर के रूप में हो या सचिव, संघ लोक भारतीय सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक की मुद्रय शाखा नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक छापट के रूप में हों।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा करें। जिससे वह “051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क” के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसीद आवेदन-पत्र के साथ भज दें।

जिन आवेदनपत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा जो पैरामाफ 6 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

6. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 की अवधि में भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह बर्मा में वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रवासन कर भारत आया है या अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन श्रीलंका से मूलतः भारतीय व्यक्ति है जिसके प्रवासन करने की संभावना है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

7. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो, तो उसे रु 21.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु 5.00) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट II की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्हक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपयुक्त नोट के उपबन्धों की शर्तों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग की भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने की बाब्द उम्मीदवारी वापस लेने के संबंध किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

आर० एस० अहलुवालिया, उप सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग

#### उपाबन्ध

#### उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि आवेदन प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियम ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि कैसे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवारों को नोटिस के पैराग्राफ 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन कर लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधुरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

सरकारी नौकरी में या सरकारी स्वामित्व वाले श्रौद्धोगिक उद्यमों या इस प्रकार के अन्य संगठनों या निजी रोजगारों में पहले से काम करने वाले सभी उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है। और वह वंश लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो भी उस पर विचार नहीं किया जाएगा, अले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैं भियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैमियत से काम कर रहे हैं उन्हें यह परिवर्तन अंडर-टेंकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र श्रवण भेजने चाहिए।—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए नोटिस का पैरा 5)।
- (ii) आय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रायाणि/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रायाणि/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. ० × 7 सें. मी. ०) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियाँ।

(v) स्कूल और कालेज में उम्मीदवार के शिक्षण काल का संक्षिप्त विवरण जिसमें उसकी शैक्षिक तथा खेलकूद से संबंध सफलताओं का उल्लेख हो तथा जिसे वह स्वयं अपने हाथ से लिखे और उस पर हस्ताक्षर करे।

(vi) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रायाणि/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।

(vii) जहां लागू हो वहां आयु में छूट/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रायाणि/प्रमाणित प्रतिलिपि। (देखिए (नीचे पैरा 5 और 6))।

(viii) उपस्थिति पत्रक (आवेदन पत्र के साथ संलग्न) विधिवत भरा हुआ।

(ix) लगभग 11. 5 सें. मी. ० × 27. 5 सें. मी. ० आकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाके जिन पर आपका पता लिखा हो।

**नोट :**—उम्मीदवारों को अपने आवेदनपत्रों के साथ उपर्युक्त मद

(ii), (iii), (vi) तथा (vii) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्र अधिकारी द्वारा प्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवार द्वारा सही रूप में सत्यापित हों।

लिखित परीक्षा के परिणाम सितम्बर 1980 महीने में घोषित किए जाने की संभावना है। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को व्यक्तित्व परीक्षण के समय प्रस्तुत करने हेतु तैयार रखना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और आयोग विचार के लिए उन उम्मीदवारों का कोई दावा नहीं होगा।

मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (vi) और (vii) में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दिया गया है।

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर:—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर “सचिव संघ लोक सेवा आयोग की नई दिल्ली के प्रधान डाक घर पर देय” लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुद्धित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेसर्वेट किए गए हों और न ही सञ्चित, संघ लोक सेवा प्रायोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

#### (ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और सचिव, संघ लोक सेवा प्रायोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा नई दिल्ली में देय हो तो तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुद्धित या कटे फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) आयु का प्रमाण :—प्रायोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करनी हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र अथवा समकक्ष प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में शाए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित-प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में निखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म

की तारीख से भिन्न और उसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1 :—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाणपत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र की केवल आय से संबद्ध प्रतिष्ठि वाले पृष्ठ की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ही भेजनी चाहिए।

नोट 2 :—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए उनके द्वारा जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—उम्मीदवार को किसी प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के समर्थन में कोई अन्य प्रमाण प्रस्तुत करना चाहिए। आयोग इस प्रमाण के अंतिम पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं है।

यदि उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत किए गए विश्वविद्यालय के इंटरमीडिएट या कोई अन्य अर्हक परीक्षा पास करने के प्रमाण पत्र में सभी उत्तीर्ण विषयों का उल्लेख नहीं है तो उसे प्रिसिपल के इस आयोग के प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित-प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने अर्हक परीक्षा गणित के साथ-साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में कम से कम एक विषय लेकर उत्तीर्ण की है।

जिस उम्मीदवार पर नियम 6(ग) या नियम 6(च) लागू होता हो तो उसे अपनी शैक्षिक योग्यताओं के प्रमाण स्वरूप सम्बद्ध विद्यालय के रजिस्ट्रार/कालेज के प्रिसिपल/संस्था के अध्यक्ष से नीचे दिए गए निर्धारित फार्म में लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/\*कुमारी—

—सुपुत्र/सुपुत्री\* श्री—————इस विश्वविद्यालय/\*कालेज/संस्था के/की वास्तविक छा. त्र/छात्रा\* हैं/थे\* थीं।

2. उन्होंने त्रिवर्षीय डिग्री कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा/पंचवर्षीय इंजीनियरी डिग्री कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा ग्रामीण उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् की ग्रामीण सेवाओं में त्रिवर्षीय डिप्लोमा कोर्स की प्रथम परीक्षा जो—————को समाप्त हुई उत्तीर्ण कर ली है और उन्हें प्रथम वर्ष के लिए निर्धारित विषयों में से किसी में भी फिर से परीक्षा में नहीं बैठना है।

## अधिकार

उन्होंने — विश्वविद्यालय द्वारा संचालित  
क्रियावाचीय डिप्टी कोर्स की प्रथम/द्वितीय\* वर्ष की परीक्षा\* पंचवर्षीय  
इंजीनियरी डिप्टी कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा—  
श्रेणी में उत्तीर्ण कर ली है।

\* 3. उनके परीक्षा विषय निम्नलिखित थे :—

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

\*पंचवर्षीय इंजीनियरी डिप्टी कोर्स के विषयाधियों पर लागू  
नहीं होगा।

(रजिस्ट्रार/प्रिसिपल के हस्ताक्षर)  
(विश्वविद्यालय/कालेज/संस्था का नाम)

तारीख—

स्थान—

\*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

जिस उम्मीदवार पर नियम 6 के नीचे विद्या गया गया नोट 1 लागू होता हो जिस संस्था से उसने परीक्षा पास की हो उसके प्रिसिपल/हेडमास्टर से लिए गए इस प्रावधार के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणिति/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसके कुल अंक विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी की अंक सीमा के अंतर्गत आते हैं।

नोट :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिससे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। किन्तु ऐसे उम्मीदवारों को निम्नलिखित निर्धारित फार्म में सम्बद्ध कालेज/संस्था प्रिसिपल से एक प्रमाण-पत्र की अभिप्राणिति/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि वे अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उनकी परीक्षा में बैठने विद्या जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मात्रा जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण-पत्र जल्दी और हर हालत में 5 सितम्बर 1980 से पहले प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

परीक्षा में इस प्रकार बैठने की अनुमति प्राप्त उम्मीदवार को, चाहे वह परीक्षा के लिखित भाग में उत्तीर्ण हो अथवा नहीं, उपर्युक्त अवधि के भीतर अर्हक परीक्षा पास करने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। इस अनुदेश का पालन न करने पर उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और वह अपना परिणाम जानने का अधिकारी नहीं होगा।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म  
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती\*/कुमारी—  
सुपुत्र/\*सुपुत्री— निम्नलिखित विषय  
लेकर— द्वारा संचालित—  
परीक्षा में— मास, 19—  
में बैठने वाले/वाली\* हैं बैठ चुके/चुकी\* हैं—

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)
- (v)

प्रिसिपल के हस्ताक्षर  
(कालेज/संस्था\* का नाम)

तारीख—

स्थान—

\*जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दें।

(iv) फोटो की दो प्रतियाँ :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पास पोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. ०×७ सें. मी. ०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्र के पहले पृष्ठ पर निर्धारित स्थान पर लगा देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थाही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

छान दें :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि कोई आवेदन-पत्र उपर्युक्त पैरा 3(ii), 3(iii), 3(iv) तथा 3(v) के अंतर्गत उल्लिखित प्रमाण-पत्रों में से किसी के साथ प्रस्तुत नहीं किया जाता और इसे न भेजने के लिए कोई उपिल स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता तो आवेदन-पत्र अस्वीकृत किया जा सकता है तथा इसकी अस्वीकृति के लिए श्रीमत पर विचार नहीं किया जाएगा जो प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत नहीं किए जाते वे आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के तुरन्त बाद भेज दिए जाने चाहिए और वे हर हालत में प्रायोग के कार्यालय में (उपर्युक्त पैरा 3(iii) के नोट में दी गयी अन्यथा के अतिरिक्त) आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर अवश्य पहुंच जाने चाहिए। अन्यथा आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति का होने का वाका करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिससे संबद्ध राज्य संरक्षक ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणिति/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार प्राप्ति किशा से भिन्न किसी प्रयोजन से आमतौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले  
अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों द्वारा  
प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :-

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\* —————  
सुपुत्र/सुपुत्री\* श्री ————— जो गांव/कस्बा\* —————  
जिला/मण्डल\* ————— राज्य/संघ\* राज्य  
क्षेत्र ————— के/की\* निवासी हैं —————  
जाति/\*जन जाति के/की है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित  
जाति/अनुसूचित जन\* जाति के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश 1950\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950\*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश,  
1951\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)  
आदेश, 1951\*

(अनुसूचित जातियां और या/अनुसूचित जन जातियां सूची  
(संशोधन आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम  
1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश  
राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर प्रदीप क्षेत्र (पुनर्गठन)  
अधिनियम, 1971 तथा अनुसूचित जातियां और अनु-  
सूचित जन जातियां (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा  
यथा संशोधित)।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश,  
1956\*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित  
जन जातियां आदेश, 1959\* अनुसूचित जाति तथा अनु-  
सूचित जन जातियां (संशोधन) अधिनियम, 1976\*  
द्वारा यथा संशोधित

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां  
आदेश, 1962\*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964\*

संधिन (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश,  
1967\*

संविधान (गोप्रा, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां आदेश,  
1968\*

संविधान (गोप्रा, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियां  
आदेश, 1968\*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश,  
1970\*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\* ————— और/या\*

उनका परिवार आमतौर पर से गांव/कस्बा\* —————

जिला/मण्डल\* ————— में  
रहते/रहती\* हैं।

हस्ताक्षर

पत्रनाम —————

(कार्यालय की मोहर)

स्थान —————

तारीख —————

राज्य\*

संघ राज्य क्षेत्र

\*ओ शब्द लागू न हों उसे काट दें।

नोट :—यहां “आमतौर से रहते/रहती हैं” का अर्थ वही होगा जो “त्रिपुणी शहर आफ दि पीपुल एक्ट, 1950” की ओरा 20 में ह। अनुसूचित जाति जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलैक्टर/डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्थाई स्टाईपेंडरी मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट/सबांडिवीजनल मजिस्ट्रेट/तालुक मजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

(प्रथम श्रेणी के स्टाईपेंडरी मजिस्ट्रेट से कभी ओहदे का नहीं)

(ii) चीक प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट/एडीशनल चीक प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट

(iii) रेवेन्य अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कभी न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/अधिकारी अफसर, लक्ष्मीपुर।

5. (i) नियम 5(ब) (ii) अथवा 5(ब) (iii) के अंतर्गत आपूर्व में छूट और नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दाता करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) में विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) के शास्त्रिक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि में प्रजनन कर भारत आया है—

(1) वज़ाफ़ारण परिवोजना के ट्रांजिट केम्ब्रो अवधा विभाग राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के हैम्प इंडेंट।

(2) उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।

- (3) सम्बन्ध जिले में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ।
- (4) अपने ही कार्यभार के अधीन सम्बन्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर ।
- (5) उप-शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता ।

(ii) नियम 5(ख) (iv) अथवा 5(ख) (v) के अंतर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका में प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत में उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिये गये इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक जो अक्टूबर 1964, के भारत-श्रीलंका समझौते के अंतर्गत 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है ।

(iii) नियम 5(ख) (vi) अथवा 5(ख) (vii) के अंतर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजद्रुतावास रंगून द्वारा दिये गये पहिलान प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का निवासी है उसके जिला मजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पत्र को एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है ।

(iv) नियम 5(ख) (viii) अथवा 5(ख) (ix) के अंतर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शक्ति देश के साथ संबंध में अथवा अशांतिप्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट \_\_\_\_\_ के रैक नं. \_\_\_\_\_ की रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शक्ति देश के साथ संबंध में/अशांति प्रस्त\* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए ।

हस्ताक्षर \_\_\_\_\_

पदनाम \_\_\_\_\_

तारीख \_\_\_\_\_

\*जो शब्द लागू न हों उसे छपया काट दें ।

(v) नियम 5(ख) (x) अथवा 5(ख) (xi) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट \_\_\_\_\_ के रैक नं. \_\_\_\_\_

की सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए ।

हस्ताक्षर \_\_\_\_\_

पदनाम \_\_\_\_\_

तारीख \_\_\_\_\_

(vi) नियम 5(ख) (xii) के अंतर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है ।

(vii) नियम 5(ख) (xiii) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया से आये हुये उम्मीदवार को या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित भारत मलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिये गये प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है ।

6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(i), (ii) और (iii) में किसी भी वर्ग के नोटिस के अंतर्गत नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसकी किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखाने के लिये कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है इस आशय का एक प्रमाणित पत्र लेकर उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी होगी ।

7. यदि किसी व्यक्ति के लिये पात्रता-प्रमाण पत्र (एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट आवश्यक हो तो उसे अभीष्ट पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिये भारत सरकार के रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) को आवेदन करना चाहिए ।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा व्यौरा न दें अथवा किसी सही सूचना को न छिपायें ।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे प्रमाण-पत्र प्रथमा उनके द्वारा प्रस्तुत की गई प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न लो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न उसमें कोई फेरबदल करें और न ही फेरबदल किये गये छूटे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अमानुद्धि प्रथमा/विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाये।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जायेगा कि आवेदन-पत्र ही अभुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि परीक्षा से सम्बद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती (एकनालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिये।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जायेगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि परिणाम कब सूचित किया जायेगा। परन्तु यदि परीक्षा के मूल होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम की जानकारी न मिले तो उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिये। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विवार किये जाने के बावें से वंचित हो जायेगा।

12. नियमों और प्रश्न-पत्रों से सम्बद्ध पुस्तिकार्यों—स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिसेज परीक्षा, 1978 से इस परीक्षा की योजना में सम्मिलित सभी प्रश्न-पत्रों के लिये वस्तुपूरक प्रश्नों के होने से इस परीक्षा के लिये नियमों और प्रश्न-पत्रों से सम्बद्ध पुस्तिकार्यों का छापना बंद कर दिया है। किन्तु 1977 में हुई परीक्षा तक की पिछली परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से सम्बद्ध पुस्तिकार्यों की विक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली (110054) के द्वारा की जाती है और उन्हें वहाँ से मेल आंडर अथवा नकद

भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग, सी ब्लाक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का विक्री काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 तथा (iii) गवर्नरमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केबल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकार्य विभिन्न मुक्तिसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती है।

13. आवेदन-पत्र से सम्बद्ध पत्र-व्यवहार—आवेदन पत्र से सम्बद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जायें तथा उसमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाये।

1. परीक्षा का नाम
2. परीक्षा का महीना और वर्ष
3. रोल नम्बर अथवा उम्मीदवार की जन्म-तिथि यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो।
4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
5. आवेदन पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता व्यापार दें—जिन पत्रों में यह व्यौरा नहीं होगा सम्भवतः उन पर व्यापार नहीं दिया जायेगा।

14. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिये कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्र आदि आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिये। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर व्यापार देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है। किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

SUPREME COURT OF INDIA  
(ADMINISTRATION BRANCH I)

New Delhi, the 21st December 1979

No. F. 6/79-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Mrs. Swaran Bali, Librarian as officiating Chief Librarian in the Supreme Court of India with effect from the forenoon of January 2, 1980.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has also promoted and appointed Miss Maya Bose, Senior Assistant Librarian as officiating Librarian in the Supreme Court of India with effect from the forenoon of January 2, 1980.

MAHESH PRASAD  
Dy. Registrar (Admn. J.)

New Delhi, the 2nd January 1980

No. F. 6/79-SCA(I).—Shri V. K. Chitre, Chief Librarian, Supreme Court of India, has retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of December 31, 1979.

B. M. CHANDWANI  
Asstt. Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 14th December 1979

No. A.19013/1/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Bepin Behari an Officer of the Indian Economic Service, as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 11th December, 1979 until further orders.

S. BALACHANDRAN,  
Under Secretary (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 4th January 1980

No. A-19020/3/79-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri S. V. Bhave, IPS (1956-Maharashtra), to officiate as Dy. Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment, with effect from the forenoon of 20th December, 1979, and until further orders.

No. A-19036/19/79-Ad-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint the following Inspectors to officiate as Deputy Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation with effect from the date as shown against their names :—

<i>Names of the Officers</i>	<i>Date of appointment</i>
S/Shri	
M. K. Jha	30-11-79 (Forenoon)
S. R. Bishnoi	28-11-79 (Forenoon)
S. Kumar	17-12-79 (Forenoon)
V. M. Pandit	27-11-79 (Afternoon)
Yadav Chandra	30-11-79 (Afternoon)
Inder Singh	17-12-79 (Forenoon)
I. S. Saroha	12-12-79 (Forenoon)

Q. L. GROVER,  
Administrative Officer (E)/CBI

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 5th January 1980

No. F. 2/23/78-Estt (CRPF).—The President is pleased to appoint Shri Harbans Singh Sethi, officiating Public Relations Officer in the CRPF, substantively to that grade with effect from 25-2-1978.

2. This Dte. General Notification of even number dated 27-9-1978 may please be treated as cancelled.

No. F. 4/14/79-Estt(CRPF).—The President is pleased to accept the resignation of Shri M. M. Baig, Asstt. Commandant, 1st Bn., CRPF with effect from 17-11-1979 (A.N.).

B. K. KARKRA  
Asstt. Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 5th January 1980

No. E-16014(5)/1/78-PERS.—On transfer on deputation, Sri Brahma Shankar Singh, DCIO of Intelligence Bureau, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, DSP, Durgapur w.o.f. forenoon of 11th December, 1979.

No. E-38013(3)/20/79-PERS.—On the transfer to Jhansi, Shri Ishwar Singh relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Trg, Reserve, BIL Bhilai with effect from the afternoon of 13th December, 1979.

No. E-38013(3)/10/79-PERS.—On transfer from Salem, Shri R. B. Kuruvilla assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, VPT, Visakhapatnam with effect from the forenoon of 10th Nov. 1979.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Registrar General, India

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 4th January 1980

No. 10/52/79Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Maratha, Assistant Director (Programme) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi as Deputy Director (Programme) in the same office on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a period of one year with effect from the afternoon of 18th December, 1979 or till the post is filled in *or* regular basis, whichever period is shorter.

His headquarters will be at New Delhi.

The above mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon Shri Maratha any claim to regular appointment to the grade. The Services rendered by him on *ad-hoc* basis in the grade of Deputy Director (Programme) will not count for the purpose of seniority in that grade *nor* for eligibility for promotion to any higher grade. The above mentioned *ad-hoc* appointment may be reversed at the discretion of the Appointing Authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA  
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 23rd December 1979

F. No. BNP/C/5/79.—In continuation to this Deptt's Notification of even number dated 26-9-79 the *ad hoc* appointment of Shri R. C. Agrawal, as Technical Officer (Printing & Platemaking) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of 3 months with effect from 25-12-79 or till the post is filled on the regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions.

P. S. SHIVARAM  
General Manager

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
ANDHRA PRADESH-II

Hyderabad-500004, the 4th January 1980

No. WMC/H/29/79-80/Vol-III/1310.—In continuation with the Government of Andhra Pradesh, the administrative control of the cadre of Divisional Accountants has been transferred from this office to the State Government with effect from 1st January, 1980 in accordance with order Ms. No. 304 Finance and Planning (Finance Wing—Works Accounts I) Department dated 20-11-1979 issued by the State Government. All correspondence relating to the cadre of Divisional Accountants may, in future, be addressed to the Director of Works Accounts and *Ex Officio* Deputy Secretary, Finance & Planning (Finance Wing) Department, Secretariat Buildings, Hyderabad-500022.

S. SOUNDARARAJAN  
Accountant General

## OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT POSTS AND TELEGRAPHS

Delhi-110054, the 1st January 1980

No. Admn.III-302 23(A)(2) Notifications.—Shri L. C. Gunta, a substantive Audit Officer in the Posts and Telegraphs Audit Organisation, posted at the Headquarters has retired from service w.e.f. 31-7-1979 (A.N.) on superannuation.

No. Admn.III-490 23(A)(2) Notifications.—Shri D. N. Nath, a substantive Audit Officer in the Posts and Telegraphs, S.W.T.C. Branch Audit Office, Calcutta has retired from service w.e.f. 30-9-1979 (A.N.) on superannuation.

No. Admn.III-493 23(A)(2) Notifications.—The Director of Audit, Posts and Telegraphs has been pleased to order that Shri A. Krishnamurthy (I), who was promoted to the Audit Officers cadre with effect from 16-10-1978 on his reversion from deputation to Government Medical Stores Depot, Hyderabad should be deemed to have been promoted to the Audit Officers cadre w.e.f. 29-8-1978 in an officiating capacity while holding the post of Accounts Officer in the Government Medical Stores Depot, Hyderabad, in the scale of Rs. 840—1200 under the second proviso to F.R. 30(1). His promotion is on *ad hoc* basis and is subject to revision.

No. Admn.III-496 23(A)(2) Notifications.—The Director of Audit, Posts and Telegraphs has been pleased to promote Shri S. N. Malhotra, Section Officer of the Posts and Telegraphs Audit Organisation to the Audit Officer's cadre carrying the scale of Rs. 840—40—1000—FR—40—1200/- w.e.f. 29th August 1978 in an officiating capacity, while holding the post of Accounts Officer in Nagaland Pulp and Paper Co., Tuli, Nagaland in the scale of Rs. 700—1300, under the second proviso to F.R. 30(1). His promotion is on *ad hoc* basis and is subject to revision.

T. K. SANYAL  
Dy. Director of Audit (Hqrs.)

## MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES

## (DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

New Delhi, the 31st December 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/305/55-Admn(G)/8910.—On attaining the age of superannuation, Shri K. P. Narayan relinquished charge of the post of Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta, on the afternoon of the 30th November 1979.

O. N. ANAND  
Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
*For Chief Controller of Imports and Exports*

## MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 4th January 1980

No. A-19018(446)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri E. Raman Nair, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation and Statistics) in the Small Industries Service Institute, Goa, as Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation/Data Bank) in the same Institute on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 1st September 1979, until further orders.

No. A-19018/452/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri K. C. Sharma, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation and Statistics) in the Small Industries Service Institute, New Delhi as Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation/Data Bank) on *ad-hoc* basis in the same office with effect from the forenoon of 27th August 1979, until further orders.

No. 12/767/72-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri V. C. Bavishi, Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) in Extension Centre, Jabalpur as Deputy Director (Mechanical) at Br. Small Industries Service Institute, Jammu with effect from the forenoon of 23-11-1979 until further orders.

M. P. GUPTA  
Dy. Director (Admn.)

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

## (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 29th December 1979

No. A-1/1(1020).—The President has been pleased to appoint Shri V. K. Sankaralingam, permanent Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Inspection, Madras, to officiate as Assistant Director (Admn.) (Gr. I) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Madras with effect from the forenoon of 30th November 1979.

2. Shri Sankaralingam will be on probation for two years with effect from 30th November 1979 (FN).

The 31st December 1979

No. A-1/1(1045).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri Ram Kishan, Junior Progress Officer in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate as Assistant Director (Grade III) on *ad-hoc* basis in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 17th December 1979.

2. The appointment of Shri Ram Kishan as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and on *ad-hoc* basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

No. A-1/1(1054).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri Dev Rai, Junior Progress Officer in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 17th December 1979.

2. The appointment of Shri Dev Rai as Assistant Director of Supplies (Grade II) is purely temporary and on *ad-hoc* basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

P. D. SETH  
Dy. Director (Admn.)  
*for Director General of Supplies & Disposals*

## (ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 27th December 1979

No. A6/247(215)/78-III.—The President has been pleased to appoint Shri K. S. Tambar, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Bombay to officiate as Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A', Engg. Branch) on *ad-hoc* basis in the same office w.e.f. 27th September 1979 and until further orders.

Shri Tambar relinquished the charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (E) and assumed charge of Inspecting Officer (E) in the office of D.I. Bombay on the forenoon of 27th September 1979.

P. D. SETH  
Dy. Director (Admn.)

## DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 24th December 1979

No. E-11 (7)—In this Department's Notification No. E-11(7) dated the 11th July 1969, add the following, namely:

*Under Class 2—NITRATE MIXTURE*

- (i) the entry "AQUANAL" and "AQUARAM" appearing after the entry "AQADYNE" shall be deleted;
- (ii) add "GAMMADYNE for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 31-3-81" after the entry "GN-1";
- (iii) add "KELVEX-100, KELVEX-200, KELVEX-500, KELVEX-700 and KELVEX-800 for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations provisionally upto 31-12-80" after the entry "INDOPRIME";
- (iv) add "PE-51, PP-IAS and PE-3L for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 31-3-81" before the entry "PENTADYNE";
- (v) add "ZETTADYNE for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 31-3-81" after the entry "TOEBLAST".

*Under Class 3 Division-1*

- (i) in the entry "DE SEGURIDAD (20-SR)—Spanish Make" the words and figures "1st August 1979" shall be substituted by the words and figures "31st December 1979".

*Under Class 3 Division 2*

- (i) add "PEK-1" after the entry "NOBEL RIM NFONTF";
- (ii) add "PLASTIC EXPLOSIVES" after the entry "PICRIC POWDFR";
- (iii) add "SHEET EXPLOSIVES" before the entry "SUPERMEX".

*Under Class 6 Division 2*

- (i) add "D-CORD I, D-CORD II, D-CORD III, and D-CORD IV" before the entry "DETONATING FUZE";
- (ii) the entries "S-CORD I, S-CORD II and S-CORD III" appearing after the entry "QUICK MATCH" shall be deleted.

CHARANJIT LAL  
Offg. Chief Controller of Explosives

## MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL

## (DEPARTMENT OF STEEL)

## IRON AND STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 22nd December 1979

No. FI-12(18)/79.—Iron and Steel Controller hereby appoints Shri S. P. Biswas, Section officer, on deputation to this office from the office of the Central Water Commission, New Delhi to officiate in the Vacant post of Asstt. Iron & Steel

Controller in this office with effect from the forenoon of 7th December 1979.

S. K. BASU  
Dy. Iron and Steel Controller  
for Iron and Steel Controller

## (DEPARTMENT OF COAL)

## COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Jagjivan Nagar, the December 1979

No. Adm.12(4)79.—Shri B. P. Dasandhi officiating Accountant has promoted to the post of Asstt. Secretary to the Coal Mines Welfare Commissioner/Secretary to the Medical Superintendent, Central Hospitals on *ad-hoc* basis w.e.f. 21st September 1979 (F/N).

T. C. K. LOTHIA  
Coal Mines Welfare Commissioner  
Dhanbad

## DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 31st December 1979

No. 6(61)/62-SI.—Shri M. Rajalingam, Programme Executive, All India Radio, Madras retired from service with effect from the afternoon of 30th November 1979.

N. K. BHARDWAJ  
Dy. Director of Administration (P)  
for Director General

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 27th December 1979

No. A.12024/1/76-Admn.I(Part II)(C).—Consequent on her transfer to Safdarjang Hospital Dr. (Smt.) G. K. Sachar assumed charge of the post of Dental Surgeon at Safdarjang Hospital on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 27th August 1979.

On her appointment to the post of Dental Surgeon under the Safdarjang Hospital Dr. (Smt.) G. K. Sachar relinquished charge of the post of Dental Surgeon at Central Govt. Health Scheme, New Delhi on the forenoon of 27th August 1979.

S. L. KUTHIALA  
Dy. Director Admn (O&M)

## MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

## DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the January 1980

No. A-19024/2/79-A III.—The short term appointment of the following officers to the posts of Chief Chemist has been further extended w.e.f. 1st January 1980 and until further orders :

1. Shri A. A. S. Prakasa Rao.
2. Shri Chandra Prakash.
3. Shri N. Kasi Rao.

The 2nd December 1979

No. A-19025/33/78-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Shri Umesh Kumar, working as Asstt. Marketing Officer (Group I) on *ad-hoc* basis, has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I), on regular basis w.e.f. 21-12-79, until further orders.

B. L. MANIWAR  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser

## PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehradun-248001, the 5th January 1980

No. 4-9/79-Adm.—Shri G. C. Srivastava, Accounts Officer belonging to the Cadre of Controller General of Defence

Accounts, is hereby appointed as Accounts Officer in Pre-investment Survey of Forest Resources, Dehra Dun w.e.f. 31st December 1979 (A.N.) on deputation terms and conditions contained in this office letter No. 3-21/74-Adm., dated 13th December 1979, until further orders.

C. L. BHATIA  
Chief Coordinator

### RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Kota, the 10th December 1979

No. RAPP/Rectt./3(2)/79/S/125 dt. 1c/12/79.—The chief project Engineer, Rajasthan Atomic power Project is pleased to appoint the following Non-Gazetted technical staff presently serving in the Rajasthan Atomic Power Project to the grade mentioned against each, in the same Project, in a temporary capacity with effect from the dates shown against each until further orders :—

Sl. No.	Name & Designation	Post to which appointed	Date on which assumed charge
1	2	3	4
1.	Shri A.K. Bhatnagar, SAC . . . . .	Scientific Officer Engineer Grade SB.	1-8-79
2.	Shri R.V. Manjrekar, SAC . . . . .	Do.	3-8-79
3.	Shri Y. Sharma, SAC . . . . .	Do.	1-8-79
4.	Shri S.L. Khanna, SAC . . . . .	Do.	1-8-79
5.	Shri R. Dixit, SAC . . . . .	Do.	1-8-79
6.	Shri Subash Chandra, SAC . . . . .	Do.	1-8-79
7.	Shri S.B. Choudhary, SAC . . . . .	Do.	1-8-79
8.	Shri C.A. Agarkar, SAC . . . . .	Do.	1-8-79
9.	Shri B.N. Tihalani, Foreman . . . . .	Do.	1-8-79
10.	Shri S. M. Pradhan, Foreman . . . . .	Do.	1-8-79
11.	Shri R. Subramanian, SAC . . . . .	Do.	1-8-79
Gopal Singh Administrative Officer (E) for Chief Project Engineer			

### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 2nd January 1980

No. AMD-4/1/79-Adm.—Shri K. N. Ramachandran Nair, Security Officer in Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy is appointed in a substantive capacity against a permanent post of Security Officer in the scale of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 in the same Division with effect from 1st March 1977.

G. R. UDAS  
Director  
Atomic Minerals Division

Hyderabad-500 016, the 2nd January 1980

No. AMD-2/2922/79-Adm.—The resignation from Government service tendered by Shri Ram Kumar Sharma, temporary Scientific Officer-SB of the Atomic Minerals Division has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division, with effect from the afternoon of the 18th December 1979.

M. S. RAO  
Sr. Administrative and Accounts Officer

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th December 1979

No. A.12025/8/76-EI.—The President is pleased to appoint S/Shri B. K. Gandhi, Senior Technical Assistant (Aeronautics), and J. S. Chauhan, Senior Technical Assistant (Aircraft Evaluation), to the grade of Scientific Officer, Civil Aviation Department, on an *ad-hoc* basis for a further period beyond 18-10-1979 and upto 24-1-1980, or till regular appointments to the grade are made, whichever is earlier, in continuation of this Department Notification No. A.12025/8/76-EI, dated the 10th September 1979.

No. A.32013/7/79-EI.—The President is pleased to appoint Shri Kuldip Rai, Senior Technical Assistant (Aeronautics), to the grade of Scientific Officer, Civil Aviation Department, on an *ad-hoc* basis for a further period beyond 18th October 1979 and upto 24th January 1980, or till regular appointment to the grade is made, whichever is earlier, in continuation of this Department Notification No. A.32013/7/79-EI, dated the 10th September 1979.

No. A.32013/7/79-EI(i).—The President is pleased to appoint Shri B. R. Sharma, Senior Technical Assistant, to the grade of Scientific Officer, Civil Aviation Department, on an *ad-hoc* basis with effect from 11th December 1979 and upto 24th January 1980 or till regular appointment to the grade is made whichever is earlier.

No. A.32013/3/79-EI.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/3/79-EI, dated the 22nd May 1979, the President is pleased to appoint Shri F. C. Sharma, Scientific Officer, to the post of Senior Scientific Officer, Civil Aviation Department on *ad-hoc* basis, beyond 18th October 1979 and upto 31st March 1980 or till the same is filled on regular basis, whichever is earlier.

C. K. VATSA  
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 27th December 1979

No. A.39013/3/77-EA.—Shri R. S. Deswal, Asstt. Aerodrome Officer, Delhi Airport, Palam resigned from Government service with effect from the 5th June 1977.

The 28th December 1979

No. A.32013/17/78-EA.—The President has been pleased to appoint Shri P. N. Bhaskar, Asstt. Aerodrome Officer, on purely *ad-hoc* basis, for a period of six months, with effect from the 21st December 1979, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier. Shri Bhasker is posted at Civil Aerodrome, Bhavnagar.

V. V. JOHRI  
Asstt. Director of Admin.

New Delhi, the 4th January 1980

No. A.32014/1/79-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri C. R. Dutta, Store Assistant, as Store Officer (Group 'B' post) on regular basis in the office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta Airport, Calcutta, with effect from the forenoon of the 10th December 1979 until further orders.

R. N. DAS  
Asstt. Director of Admin.

### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 22nd December 1979

No. 1/481/79-FST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. Balakrishnan, Supervisor, Madras Branch, as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, on a regular basis with effect from the 3rd October 1979, and until further orders.

P. K. G. NAYAR  
Director (Admn.)  
for Director General

## NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior, the 1st January 1980

No. 5.—The following officers are hereby appointed to officiate as District Opium Officer/Supdt. (Executive), Group 'B' in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates shown against each :—

S. No.	Name and designation	Date from which appointed
1	2	3
1.	Shri G.N. Gurnani District Opium Officer, Bhilwara.	19-11-79
2.	Shri B.K. Mogra District Opium Officer, Neemuch-II.	17-11-79
3.	Shri D.D. Kureel, District Opium Officer, Shahjahanpur.	30-11-79

M. M. BHATNAGAR  
Narcotics Commissioner of India

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS

## CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 29th December 1979

No. 33/12/78-ECIX.—The Director General of Works, CPWD, is pleased to appoint the undermentioned nominees of the U.P.S.C. as Assistant Architect against temporary posts in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from the dates and pay shown against each :—

S. No.	Name	Date of apptt. as Assistant Architect.	Pay	Remarks
1	2	3	4	5
1.	Mrs. Aparna M. Lad	1-12-79 (F.N.)	Rs. 650/- P.M. (Provi- sional)	Her pay will be fixed according to rules short
2.	Sh. M.L. Praja- pati.	10-12-79 (F.N.)	Rs. 650/- P.M.	His pay will be fixed according to rules shortly.

2. Both the officers will be on probation for a period of two years from the dates of their appointment as Assistant Architect as shown above.

3. Mrs. Aparna. M. Lad is posted in SA (SWZ) II Unit, C.P.W.D., Bombay and Shri Prajapati is posted in SA (UNIDO) Unit, CPWD, New Delhi.

H.D. SINHA  
Dy. Director of Administration

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

## (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

## COMPANY LAW BOARD

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s Capital Land and General Udyog (P) Limited*

New Delhi, the 22nd December 1979

No. 3750/22541.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Capital Land and General Udyog (P) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

HAR LALL  
Asstt. Registrar of Companies  
Delhi & Haryana

Bangalore-9, the 1st January 1980

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s Krishai Aid Private Ltd.*

No. 2796/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Krishai Aid Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Veesons Fastners Limited*

Bangalore-9, the 1st January 1980

No. 2576/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Veesons Fastners Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI  
Registrar of Companies  
Karnataka, Bangalore

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Jaya Commercials Agents and Consultants Private  
Limited*

Pondicherry-1, the 4th January 1980

C. No. 68/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the company "Jaya Commercials Agents and Consultants Private Limited", unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA  
Registrar of Companies,  
Pondicherry

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s Bitterns Limited*

Madras, the 4th January 1980

No. DN/5225/560(3)/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 ( ) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Bitterns Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE  
Asstt. Registrar of Companies,  
Tamil Nadu, Madras

**CORRIGENDUM**

Ahmedabad, the 28th December 1979

No. Acq. 23-I-2198(859)/16-6/79-80/2148.—The names of transferees in the notice u/s 269D(1), No. Acq. 23-I-2198 (859)/16-6/79-80, dated 15-9-1979, issued by the Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad and published in the Gazette on 3-11-1979 may be read as follows :

(1) PATEL MEPABHAI NATHUBHAI

(2) RAJNIKANT MEPABHAI  
*Instead of*

(i) Patel Meghabhai Nathubhai

(ii) Shri Rajnikant Meghabhai.

S. N. MANDAL  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad**OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
(CADRE CONTROL AUTHORITY)**

Kanpur, the 20th December 1979

**ORDER**

*Establishment—Central Services—Group 'B' Gazetted—  
Promotion, Transfer and Posting of—*

No. 6.—The following Inspectors of Income-tax are appointed to officiate as Income-tax Officers (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with immediate effect and until further orders. They will be liable to reversion in case it is subsequently found that their appointments have been made in excess of the vacancies available. On promotion, their services are placed at

the disposal of the Commissioners of Income-tax indicated against each :—

Sl. No.	Name of the officials	Services placed at the disposal of
S/Shri		
1.	I.S. Nigam, Companies Circle, Kanpur	C.I.T., Agra.
2.	H.C. Srivastava, Audit Range, Kanpur	C.I.T., Agra.

No. 61.—Shri Inderjeet Sharma, Income-tax Officer, Group 'B' T.R.O.I., Agra is hereby transferred and his services are placed at the disposal of the C.I.T., Meerut.

Commissioners of Income-tax, Agra & Meerut will please issue the posting orders of the newly appointed/posted officers under intimation to this office.

**ORDER**

The 29th December 1979

*Establishment—Central Services—Group 'B'—Gazetted  
Promotion, Transfer and Posting of—*

No. 64.—Shri R. K. Agarwal, Inspector of Income-tax, Office of Tax Recovery Officer, Dehradun (at Muzaffarnagar) is hereby appointed to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1st January 1980 or from the date he takes over charge, whichever is later and until further orders. He will be liable to reversion in case it is subsequently found that his appointment has been made in excess of the vacancies available.

On promotion he is posted as I.T.O., Internal Audit, Office of the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Audit Kanpur, vice Shri H. K. Srivastava, ITO (Group 'B') retiring on 31-12-79 (A.N.).

B. GUPTA  
Commissioner of Income-tax  
(Cadre Control Authority)

**FORM ITNS**

(1) Shri Alok Kumar Chamarla

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Parijat Investments Ltd.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 4th September 1979

Ref. No. Sl. 501/TR-10/C-9/Cal.1/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9 (being 3/20th share) situated at Weston Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Partly four and partly five storied building being 3/20th share of premises No. 9 Weston Street (containing an area of 30,600 sft. more or less) registered before the Registrar of Assurance, Calcutta vide Deed No. I-2283, dated 26-4-79.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-9-79  
Seal

**FORM ITNS**

(1) Sri Debanjan Mukherjee 1B, Nilmoni Mitra Street,  
Calcutta.

(Transferor)

(2) Sm. Aloka Bhattacharjee 14/1/B, Fakir Dey Lane,  
Calcutta.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 29th October 1979

Ref. 618/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. at Shyama Charan Mukherjee Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that undivided half share of land measuring 3 cottahs 1½ chittacks together with building situated at 22, Shyama Charan Mukherjee Street, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Calcutta

Date : 29-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Debanjan Mukherjee 1 B, Nilmoni Mitra Street, Calcutta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 29th October 1979

Ref. 617/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22 situated at Shyama Charan Mukherjee Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-4-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Sm. Sunanda Ganguly 60, Gopi Mohan Dutta Lane, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that undivided half share of land measuring 3 cottahs 1 $\frac{1}{4}$  chittacks together with building situated at 22, Shyama Charan Mukherjee Street, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Calcutta

Date : 29-10-1979

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Subhangshu Sekhar Ganguly,

(Transferor)

(2) Shri Subhas Chandra Chowdhury.

(Transfeice)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA**

Calcutta, the 6th November 1979

Ref. No. AC-83/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag. No. 4683 situated at Mouza Dakshin Nimta, 24-Parganas, Calcutta-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Cossipore on 27-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of land measuring 2034 sft. with building situated at Dag No. 4683, Kh. No. 756, Mouza Dakshin Nimta, Calcutta-49, 24-Parganas, more particularly as per deed No. 2959 of 1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
Calcutta

Date : 6-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Santu Sen

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tulshidas Saha.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Sl. 516/TR-81/C-69/Cal-2/79-80.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. 13 situated at Dilkhusa St., Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, Calcutta on 4-4-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided half share in premises No. 13, Dilkhusa St. covering land area 3 K 2 Ch. 4 Sft. together with two storeyed building registered before the S.R., Sealdah, Cal., being No. 1-342 dated 4-4-79.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1979  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Sm. Banee Mukherjee & Sagnik Mukherjee  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Somenath Beri &amp; Others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 6th December 1979

Ref. No. AC-47/R-II/Cal/79-80.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24, situated at Mouza Durgapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Cal. on 3-4-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 8-cottahs, 15-chittaks & 5-sft. with three storied building situated at premises No. 2H, Alipore Avenue, Calcutta.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
23—426GI/79

Date : 6-12-1979

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Mirza Mehdi Abbas Shirazi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Gour Mohan Kapur &amp; Mrs. Rajkumari Kapur

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
**OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE-II,**  
**CALCUTTA**

Calcutta, the 7th December 1979

Ref. No. Ac-48/R-II/Cal/79-80.—Whereas J. S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 4C, situated at Chapel Road, Hastings, Cal-22

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

at Sub-Registrar of Assurances on 10-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 6-cottahs, 4-chittaks & 14-sq. ft. with one storied building consisting of three rooms, one lavatory one kitchen etc. at premises No. 4C, Chapel Road, Hastings,

S. K. DASGUPTA  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-II,  
 Calcutta

Now, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-12-79.  
 Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Tulsi Charan Das Naskar, Gopi Charan Das Naskar, Sii Charan Das Naskar.  
(Transferor)
- (2) New Garia Development Co-operative Housing Society Ltd.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 13th November 1979

Ref. No. 623/Acq.R-III/79-80/Csl.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag No. 152, situated at Mouza-Chakgaria P. S. JADAVPUR,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Alipore on 20-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of land measuring 82 sataks in Dag No. 152, Mouza-Chakgaria, P. S. Jadavpur as per deed No. 1481 of 1979.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Calcutta.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Kanai Lal Dey

(Transferor)

(2) Sri Sujit Gupta

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA**

Calcutta, the 7th December 1979

Ref. No. AC-49/R-II/Cal/79-80.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 140/1, situated at Maniktala Main Road, P. S. Beliaghata (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar of Sealdah on 30-4-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 3-Cottahs, 13-Chittaks & 23-sq. ft. situated at 140/1, Maniktala Main Rd, under P. S. Beliaghata.

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Calcutta.

Date : 7-12-79  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Saroj Basini Moitra

(Transferor)

(2) Smt. Anima Moitra

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,  
54, RAFI AHMED KIDWAJ ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 19th November 1979

Ref. No. AC-84/Acq R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property situated at Hakimpara, Siliguri, Ward No. IV situated at Hakimpara, Siliguri, 25,000/- and bearing Ward No. IX, situated at Hakimpara, Siliguri (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Siliguri on 4-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of land measuring 10 cottahs with building situated at Holding No. 187, Ward No. IX, Hakimpara, Siliguri, Dist : Darjeeling, more particularly as per deed No. 2284 of 1979.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-IV,  
Calcutta.

Date : 19-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Smt. Saroj Basini Moitra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Protima Moitra

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,

54, RABI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 19th November 1979

Ref. No. AC-85/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. IX situated at Hakimpara, Siliguri (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Siliguri on 4-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided 1/6th share of land measuring 10 cottahs with building situated at Holding No. 187, Ward No. IX, Hakimpara, Siliguri, Dist: Darjeeling, more particularly as per deed No. 2315 of 1979.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 19-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

1. Smt. Saroj Basini Moitra

(Transferor)

1. Smt. Soma Moitra.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

54 : RAFI AHMED KIDWAI ROAD : CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 19th November 1979

Ref. AC-86/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. IV, situated at Hakimpura, Siliguri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 4-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of land measuring 10 cottahs with building thereon situated at Holding no. 187, Ward no. IX, Hakimpura, Siliguri, Dist : Darjeeling, more particularly as per deed no. 2314 of 1979.

S. K. DASGUPTA,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range : IV : 54 : RAFI AHMED  
 KIDWAI ROAD : CALCUTTA-16.

Dated : 19-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

1. Smt. Saroj Basini Moitra.

(Transferors)

1. Sri Baidyanath Moitra.

(Transferees)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,  
54 : RAFI AHMED KIDWAI ROAD : CALCUTTA-16  
Calcutta-16, the 19th November 1979

Ref. AC-87/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K.  
DASGUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the valuable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward no. IX situated at Hakimpara, Siliguri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 4-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of land measuring 10 cottahs with building thereon situated at Holding no. 187, Ward no. IX, Hakimpara, Dist : Darjeeling, more particularly as per deed no. 2351 of 1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
CALCUTTA-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 19-11-1979

Seal :

**FORM ITNS**

1. Sri Tarachand Agarwal.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,**

54 : RAFI AHMED KIDWAI ROAD : CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 19th November 1979

Ref. Ac-88/Acq.R-JV/Cal 79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. XVI situated at Shyama Prosad Mukherjee Road, Siliguri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Siliguri on 5-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

1. Sri Rabindra Agarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of land measuring 0.09 acre with building situated at holding No. 162, Ward No. XVI, Shyama Prosad Mukherjee Road, Siliguri, Dt. Darjeeling, more particularly as per deed No. 2316.

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
CALCUTTA-16.

Dated : 19-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
24—426GI/79

**FORM ITNS**

1. Sri Amar Nath Dutta, &  
2. Smt. Ruby Dutta.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

1. Nirmalendu Sen.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
  
ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA

Calcutta, the November 1979

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. Ac-43/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 573 situated at Mouza Shyamnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Cossipore Dum Dum on 20-4-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Land—1-cottah only with building thereon situated at Mouza Krishnapore (at present Shyamnagar), C.S. Khatian Nos. 166 & 180, C.S. Dag Nos. 2378 & 2377, Plot No. 573, P.S. Dum Dum, Dt. 24-Prgns.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1979

Seal :

## FORM ITNS

1. Sri Amar Nath Dutta, and  
2. Sm. Ruby Dutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Smt. Shipra Sen.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA

Calcutta, the November 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. Ac-44/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

573 situated at Mouza Krishnapore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cossipore Dum Dum on 20-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land—2-cottahs with building thereon situated at Mouza Krishnapore, P. S. Dum Dum, Dt. 24-Prgns., C.S. Khatian Nos. 166 & 180 C.S. Plot No. 2378 & 2377, Plot No. 573, more particularly as per Deed No. 2707 of 1979.

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : November 1979  
Seal :

**FORM ITNS**

1. Sri Gopendra Nath Mukhopadhyay.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

1. Smt. Arundhati Srivastava.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA

Calcutta, the November 1979

Ref. Ac-45/A-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8, situated at R. N. Guha Road, P. S. Dum Dum, Dt 24-Prgnas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cossipore, Dum Dum on 16-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land—3-cottahs & 3-chittaks with building thereon, Distt. 24-Prgnas, P.S. Dum Dum.

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : November 1979  
Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Srimati Arati Paul  
(Transferor)  
(2) Sri Hemendra Narayan Chowdhury & Srimati Hiranmoyee Chowdhury  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, IV  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta-16, the 26th November 1979

Ref. Ac-91/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, J. S. K. DASGUPTA being the Competent Authority under Section **269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)** (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 76 situated at Kailash Nagar, Scheme No. III, Bandel, Hooghly (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hooghly on 9-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of land measuring 9-cottahs, 11-chittaks & 12-sq. ft. with building situated at Plot No. 76 of Kailash Nagar Scheme-III, Bandel, P.S. Chinsurah, Hooghly more particularly described as per deed No. 1541 of 1979.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range IV,  
Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 26-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th December 1979

Ref. No. 10167.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and situated at Arts College Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2130/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. Swaminatha Gounder S/o, Mandamalai Gounder, Keevanatham Coimbatore Tk. (Transferor)
- (2) Shri G. M. Mohammed Ismail, S/o Mohammed Hussain 237, Avanashi Road, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant site at College Road, Coimbatore (Doc. No. 2130/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 10-12-1979.  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri M. Swaminatha Gounder S/o Mandamalai Gounder Keevanatham Coimbatore Tk.  
(Transferor)

(2) Shri V. Balasubramaniam, S/o N. L. Vellingiri Chettiar 13, Vivekananda Road, Coimbatore-9.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th December 1979

Ref. No. 10167.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and situated at Arts College Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2131/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at Arts College Road, Coimbatore (Doc. No. 2131/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1979.

Seal :

**FORM ITN5**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1979

Ref. No. 8574.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 36, situated at Reddiarpalayam Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ozhukarai (Doc. No. 389/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri S. Kalidas S/o G. Shanmugha Udayar Kannaiyer St. Kosapalayam Pondicherry 605 001.  
(Transferor)

(2) Shri N. Varadaraj, 3/31, Bharathi Mill St., Mudaliarpet Pondicherry-605.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land at 36, Reddiarpalayam Pondicherry State (Doc. No. 389/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 6-12-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1979

Ref. No. 8574.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 36, situated at Reddiarpalayam, Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ozhukarai (Doc. No. 351/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—426GI/79

(1) Shri Shanmugha Udayar, S/o Late Govindaswamy Udayar, Kamaraj (Valudavur) Road, Saram, Pondicherry-605 001.

(Transferor)

(2) N. Madhiazhagan 3/31, Bharathi Mill Road Mudaliarpet, Pondicherry 605 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land at 36, Reddiarpalayam Pondicherry (Doc. No. 351/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 6-12-1979.

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Kalpana 363, New Block I-27, 1st Main Road,  
Anna Nagar, Madras.  
(Transferor)
- (2) Shri K. Jayakrishna, 12, Raja Mahadur St.,  
T. Nagar, Madras-17.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1979

Ref. No. 7163.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

'No. 40 at Bazullah Road, Madras-17

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 557/79) on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 40, Bazullah Road, Madras-17 (Doc. No. 447/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II Madras-600 006

Date : 6-12-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Mrs. Kairun Bi W/o Abdul Azeef No. 3, Lalkhan St., Chidambaram  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. B. R. Abdul Basheer Sahib, B. R. Noorjahan, 36, Lalkhan St., Chidambaram.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1979

Ref. No. 8563.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4A, situated at Lalkhan St., Kaspa Chidambaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chidambaram Doc. No. 501/79 on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 4A, Lalkhan St., Kaspa, Chidambaram (Doc. No. 501/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-12-1979.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006**

Madras-600006, the 6th December 1979

Ref. No. 8579.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 35, 35B, 35C, 35A, situated at Sri Nageswaraswamy Thirumanjane St., Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. No. 738/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri C. Rajagopalan, Shri Karunanidhi Vedavalli Ammal 3, Uppukara St., Mannarkudi Shri S. Kulandai Ammal, 20, Mahatma Gandhi Road, Mannargudi.

(Transferor)

(2) Shri K. M. S. Kasinathan Chettiar, Shri K. M. S. Muthaiyan Chettiar S/o Subramania Chettiar, 36, Sri Adikumbeswaraswamy Koil North St., Kumbakonam.

(Transferee)

*Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—*

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at 35, 35A, 35B, 35C, Shri Nageswaraswamy Thirumanjane St., Kumbakonam (Doc. No. 738/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 6-12-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Sumitraben Thakkar  
7, Myniappa Naicken St., Madras-3.  
(Transferor)

(2) Mrs. Urmilaben D. Mistry, 19, Kalpana House,  
Rue De law riston Pondicherry-1.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th December 1979

Ref. No. 8580.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 48/60B, situated at Manakula Vinayagar Koil St., Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. No. 551/79) on April 1979. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 48/60B, Manakula Vinayagar Koil St., Pondicherry (Doc. No. 551/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 6-12-1979.  
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri S. Santhanam Iyengar, Shri S. Govindan, Shri S. Ravi, 12, North Car St., Chidambaram.  
(Transferor)

(2) Shri K. Sasireka, 50 East Car St., Chidambaram.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th December 1979

Ref. No. 8585.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, situated at North Car St., Chidambaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chidambaram (Doc. No. 559/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 12, North Car St., Chidambaram (Doc. No. 8585/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-12-1979.

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th December 1979

Ref. No. 10179.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 241, 241A, 241B, situated at 241C, 241D Sanganur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1701/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Santhabai Kabadkar, 3B, 3rd Floor State Bank Buildings, D. Harbour Heights, Golaba, Bombay-5  
Shri Ratnakar, S. Kabadkar, 380/7, Roshini, 15th Road, Bandra, Bombay-50 (3) Madhukar, S. Bakadkar, 10, Saraswat Colony, Santa Cruz West Bombay-54 (4) Deepak S. Kabadkar, Plot No. 64, Flat No. 6, Darshan, Rafi Ahmed Kidwai Road, Matunga, Bombay-19 (5) Sureshchandra S. Kabadkar, Flat No. 3B, 3rd Floor, State Bank Buildings, D. Harbour Heights, Golaba, Bombay-5.

(Transferor)

(2) Shri Dravida Munnetra Khazhagam, 24, Surianaryana St., Royapuram, Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at 241, 241A, 241B, 241C, 241D, Sanganur, Coimbatore (Doc. No. 1701/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 10-12-1979,

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th December 1979

Ref. No. 10158.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Reddipalayam, Uthukuli, Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Uthukuli (Doc. No. 275/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri R. M. Periathambi Gounder, Shri R. P. Subramaniam, Shri R. S. Thirugnansambandam, Karthikeyan Reddipalayam Village, Kaspa, Uthukuli. (Transferor)

(2) Shri R. Krishnaswamy, Shri S. R. Muthuswamy, Shri R. Eswaramurthy, S/o Rasappa gounder Venkappa gounder Lay out, Perumanallur Road, Thiruppur. (Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building at Reddipalayam, Uthukuli (Doc. No. 275/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1979.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER

**OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th December 1979

Ref. No. 10154.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. F. No. 217 & 218/1B, situated at Chettipalayam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kinathukadavu (Doc. No. 315/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Dr. V. K. Bashkaran Nair, Kamalam Nair, 18A, Bushyakaralu Naidu Road, West, R. S. Puram, Coimbatore-2.

(Transferor)

(2) Shri M. B. Bojan, M. B. Subramaniam, Shri M. B. Rajendran, M.B. Parthipan, Suresh, Rep. by M. M. Belli, M. B. Sakunthala, S. Lalitha, Araiayatti, Melur Post Nilgiris, J. Rajeswari, Naiyatti Melur Post Saradamani, Kalavathi, Race Course Road, Coimbatore and Araiayatti, Melur Post Nilgiris.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building at S. F. No. 217 and 218/1B, Chettipalayam Village, Coimbatore Tk. (Doc. No. 315/79)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26—426GJ/79

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 10-12-1979.

Seal :

## FORM TTNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th December 1979

Ref. No. 10180.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing situated at Perianaickenpalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1718/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Janaki, Shri Sundaram Krishnamurthy, C/o A. Doraiswamy Naidu, 1, 352A, Jothipuram, Perianaickenpalayam (PO) Coimbatore.  
(Transferor)

(2) Mrs. R. Vanaja, W/o P. Rangaswami Naidu Lathe Works, Near Vannakoil, Perianaickenpalayam Coimbatore Tk.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at Perianaickenpalayam (Doc. No. 1718/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 10-12-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri S. Rajalakshmi Shaumugham W/o V. Shanmugham 68A, West Sambandam Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri M. Venuraj, S/o A. Madhawava Naidu, 30/170 171, Sundaram St., Coimbatore,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 10th December 1979

Ref. No. 10173.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 68A, West Sambandam Road, situated at R. S. Puram, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1882/79) on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land and building at 68A, West Sambandam Road, R. S. Puram, Coimbatore (Doc. No. 1882/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1979.

Seal :

**FORM ITNS**(1) Shri Periannan, 15/2-C. N.S.R. Road, Coimbatore.  
(Transferor)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th December 1979

Ref. No. 10286.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15/65B, situated at Sanganur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 1445/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and Building at 15/65B, Alagesan Road, Saibaba Colony, Coimbatore-11 (Doc. No. 1445/79).

**RADHA BALAKRISHNAN**  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1979.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 10th December 1979

Ref. No. 10152.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6B/TS. 266/1BB, situated at Nachiappa St., No. 1, Erode (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. No. 1521/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(1) Shri Parvathi Ammal W/o Kandaswamy Gounder  
6B, Nachiappa St., Erode

(Transferor)

(2) Shri Palaniappa Mudaliar, P. Manickam, JD, Nachiappa St., II Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATIONS**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and Building at 6B/TS 266/1BB, Nachiappa St., No. 1, Erode (Doc. No. 1521/79).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th December 1979

Ref. No. 10187.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23/105, situated at Oppanakkara St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1645/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Rabmath Bibi, Kaja Hussain, Sayed Hussain, Khader Hussain, Mumtaj Begum 115, Nallamuraj Lane, Coimbatore.  
(Transferee)

(2) Shri M. P. R. Sowrirajulu, Chettiar,  
Shri S. Rangarajan, Shri S. Buvanendran, Shri S. Jithendran 64, Agrawarpet Coimbatore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at 23/105, Oppanakkara St., Coimbatore (Doc. No. 1645/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 10-12-1979.

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th December 1979

Ref. No. 10177.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4, situated at Plot No. 88, Peelamedu Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2073/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri S. Venkatesan, Bharatia Commercial Co. Ltd., B.31, Gillander House, Calcutta (Transferor)
- (2) Sri K. C. Simon, S/o C. C. Daniel, 56, Oppanakara St., Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

Land and building at Plot No. 88, Door No. 4, Bharathi Nagar Co-Op. Building Society Peelamedu, Coimbatore (Doc No. 2073/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-12-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri R. M. Valliappan, 85-86, Oppanakara St., Coimbatore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. Sakuntala, 223, Subbiah Mudaliar St., Coimbatore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 10th December 1979

Ref. No. 10183.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23/91, Oppanakara St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1879/89) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 23/91, Oppanakara St., Coimbatore (Doc. No. 1879/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri R. M. Valliappan 85, 86, Oppanakara St.,  
Coimbatore  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th December 1979

Ref. No. 10183.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23/91A, 91B, 91C situated at Oppanakara St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1878/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 23/91A, 91B, 91C Oppanakara St., Coimbatore. (Doc. No. 1878/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
27—426GI/79

Date : 10-12-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri T. B. Lokanathan, Shri Murali, 4, Gandhi Road, Siperumbadur.  
(Transferor)
- (2) Shri K. Ramadoss, S/o Kesavalu Naidu 102, Irunkattukottai Siperumbadur Tk.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th December 1979

Ref. No. 8564.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

situated at Irunkattukottai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siperumbadur (Doc. No. 865/79) on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**THE SCHEDULE**

Agricultural lands at Irunkattukottai (Doc. No. 865/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006.

Date : 11-12-79

Seal :

## FORM ITNS

(1) T. B. Kulasekaran,  
4B, Gandhi Road, Sri Perumbadur

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 11th December 1979

Ref. No. 8564.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Irunkattukottai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriperumbadur (Doc. No. 895/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Venu Naidu,  
S/o Kesavulu Naidu,  
Irunkattukottai Sriperumbadur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural lands at Irunkattukottai (Doc. No. 895/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-12-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 11th December 1979

Ref. No. 7176.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B. 64, situated at 48th St., Ashok Nagar, Madras-83 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. No. 1234/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. V. Sivarathna Pandian,  
10, United India Colony, 1st Cross St.,  
Kodambakkam, Madras-24.

(Transferor)

(2) Chelliah, Plot No. B 64, 48th St.,  
Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. B 64, 48th St., Ashok Nagar, Madras-83.  
(Doc. No. 1234/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 11-12-79

Seal :

## FORMS ITNS—

(1) Shri V. Sittha Cheettiar and  
Shri T. Jayaraman,  
Badrinagar, Gugai, Salem-6.

(Transferor)

(2) Shri K. R. G. Nagappan,  
No. 267, Tiruchi Main Road, Gugai,  
Salem-6.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th December 1979

Ref. No. 14/APR/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 227 A & B, situated at Badrinagar, Tadhapatti, Gugai, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at JSRO I Salem (Doc. No. 1869/79) on April 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Document No. 1869/79 JSRO I, Salem.  
Land & Buildings at Door No. 227 A & B, Badrinagar, Tadhapatti, Gugai, Salem.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-79  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th December 1979

Ref. No. 15/APR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 227-C, 227-D, situated at Badrinagar, Tadhapatti, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Salem (Doc. No. 1859/79) on April 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri V. Siddar Chettiar,  
2. Shri T. Jayaraman,  
Badrinagar, Gugai, Salem-6.

(Transferor)

(2) Smt. N. Rajammal, w/o Shri Nagappan,  
267, Tiruchi Main Road, Gugai,  
Salem-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Document No. 1859/79 JSRO I, Salem.  
Land & Buildings at Door No. 227-C & 227-D, Badrinagar, Tadhapatti, Salem.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-600006.

Date : 12-12-79

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th December 1979

Ref. No. 31/APR/79.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D. No. 24 (F. No. 60) situated at S. No. 85/2, Brindavan 1st Cross Road, Fairlands, Alagapuram, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO I Salem (Doc. No. 1988/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Rajabai Ammal,  
W/o Shri Heenanurajulaiya,  
Madurai Kuppier Street, Salem.  
2. H. R. Nagendran, S/o Shri Heenanurajulaiya,  
No. 36, 3rd Main Road, Gandhinagar, Adyar,  
Madras-20.  
3. Minor Sundararaman, 36, 3rd Main Road,  
Gandhinagar, Adyar, Madras-20.

(Transferors)

- (2) Shri A. A. Hanumantha Rao,  
S/o Shri Ayvasamy Iyer,  
43, Mancikampillai Street, Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Document No. 1988/79 JSRO I, Salem

Land & Buildings at D. No. 24 (F. No. 60) in S. No. 85/2, Brindavan 1st Cross Road, Fairlands, Alagapuram, Salem.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-600006.

Date : 12-12-79

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Rafiq Mahmood,  
No. 37, Cubbon Road,  
Bangalore-560 001.

(Transferor)

(2) Shri Syed Shaftullah,  
No. 109, Kodambakkam High Road,  
Madras-34.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.**

Madras-600 006, the 12th December 1979

Ref. No. 42/APR/79.—Whereas, J. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 20, situated at Rattan Bazaar, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet, Madras (Doc. No. 226/79) on April 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Document No. 226/79 SRO, Sowcarpet, Madras.  
Land & Buildings at Door No. 20, Rattan Bazaar, Madras-600 001.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-600006.

Date : 12-12-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) 1. Smt. Nagarathnammal &  
2. Smt. Sudha Padmanethri,  
Minjur Village, Chengleput Distt.

(Transferor)

(2) Shri G. Surulivel,  
8, Singara Garden 7th Lane,  
Madras-600 021.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras 600 006, the 12th December 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 11/APR/79.—Whereas, I.O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4, situated at Arunachaleswaran Koil Street, Madras-81. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Royapuram, Madras. (Doc. No. 489/79 on APRIL 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Document No. 489/79—SRO Royapuram, Madras.

Land &amp; Buildings at Door No. 4, Arunachaleswaran Koil Street, Madras-81.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-600006.

Date : 11-12-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
28—426GI/79

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.(1) Shri C. B. Muthukumaraswamy Chetty,  
S/o Balasubramania Chetty,  
No. 12, Opp. Sitaramprakash High School,  
Bombay-31.

(Transferor)

- (2) 1. Shri K. M. M. Syed Ibrahim,  
2. Smt. M. V. Zainamby Sulaiha,  
W/o of No. 1.  
3. K. M. S. Seyed Mohamed Salihu,  
S/o of No. 1.  
4. K. M. S. Hameed Aliya  
W/o of Shri H. Zubair.  
5. Shri K. M. S. Ayesath Fathima,  
D/o Shri K. M. M. Syed Ibrahim,  
No 39, Malayappan Street, 2nd Floor, Mannady,  
Madras-1.

(Transferee)

Madras-600 006, the 12th December 1979

Ref. No. 69/APR/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 93, situated at Thambu Chetty Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO 1, Madras (Doc. No. 1784/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 1784/79 JSRO I, Madras.  
Land & Buildings at Door No. 93, Thambu Chetty Street,  
Madras-1.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-600006.

Date : 12-12-79  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**  
**OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,  
 MADRAS-600 006.

Madras 600 006, the 12th December 1979

Ref. No. 72/APR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17, situated at Vadamalai Maistry Street, Madras-1. (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II, Madras (North) (Doc. No. 162/79) on April 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri J. Palani,  
 S/o Shri Jayaram Mudaliar,  
 17, Vadamalai Maistry Street, Madras-1.  
 (Transferor)
- (2) Shri Bonigi Molagayya,  
 13, New Street, Mannady,  
 Madras-1.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of this notice in the Official Gazette whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Document No. 162/79 JSRO II, Madras North.

Land and Buildings at Door No. 17, Vadamalai Maistry Street, Madras-1.

O. ANANDARAM,  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I  
 Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-12-79  
 Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 13th December 1979

Ref. No. 13/APR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 757/3 (Dr. No. 89), situated at SIVAKASI (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Sivakasi (Doc. No. 1126/79) on April 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sauthanalakshmi Match Works, Sivakasi, represented by its partners.  
 1. A. Alagarsamy.  
 2. P. Koodalinga Nadar.  
 3. P. Krishnasamy Nadar.  
 4. A. Sundaravadivel.  
 5. P. Annachamy Nadar.  
 6. A. Sundararajan.  
 7. T. Mathivadanam.

(Transferor)

- (2) Shri V. Sankaralingam,  
S/o Shri Velayutha Nadar,  
99, Vellanjamiar Street, Sivakasi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Document No. 1126/79 SRO, Sivakasi.  
Land & Buildings in S. No. 757/3 (Door No. 89) Sivakasi.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-600006.

Date : 13-12-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri O. B. Venkatachalapathy Jyer,  
No. 16, Varpuukanarath Theru,  
Madurai.

(Transferor)

(2) 1. Shri A. V. P. Subramaniam.  
2. Minor A. V. P. Ilango.  
3. Minor A. V. P. Shemasegararajan,  
5/210, Sowkthali Road, Paramakudi,

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 13th December 1979

Ref. No. 34/APR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27, situated at Thottian Kinatru Lane, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO I Madurai (Doc. No. 1280/79) on April 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 1280/79 JSRO I, Madurai.  
Land & Buildings at Door No. 27, Thottian Kinatru Lane,  
Madurai.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-600006.

Date : 13-12-1979  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Shri O. B. Mothilal,  
2. Shri O. M. Sreedharan,  
Plot No. A. 5/4, K. K. Nagar, Madurai.

(Transferor)

- (2) 1. Shri A. V. P. Balasubramaniam.  
2. Shri A. V. P. Ilango (Minor).  
3. Shri A. V. P. Shemasgararajan (Minor).  
5/210, Sowkthali Road, Paramakudi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 13th December 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 35/APR/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 27, situated at Thottian Kinatru Lane, Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Madurai (Doc. No. 1281/79) on April 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Document No. 1281/79 JSRO I, Madurai.  
Land & Buildings at Door No. 27, Thottian Kinatru Lane, Madurai.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006.

Date : 13-12-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.**

Madras-600 006, the 13th December 1979

Ref. No. 36/APR/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27, situated at Thottian Kinatru Lane, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO I Madurai (Doc. No. 1282/79) on April 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Shri O. B. Kesavan.  
2. Shri O. K. Mahesh,  
No. 27, Thottian Kinatru Lane, Madurai,  
(Transferor)
- (2) 1. Shri A. V. P. Subramanian.  
2. Shri A. V. P. Ilango. (Minor)  
3. Shri A. V. P. Shemasegarajan. (Minor)  
5/210, Sowkhali Road, Paramakudi.  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**THE SCHEDULE**

Document No. 1282/79 JSRO I, Madurai.  
Land & Buildings in Door No. 27, Thottian Kinatru Lane, Madurai.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006.

Date : 13-12-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.**

Madras-600 006, the 13th December 1979

Ref. No. 37/APR/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27, situated at Thottiyam Kinntru Lane, Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Madurai (Doc. No. 1283/79 on April 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri O. B. Durgadas,  
2. Shri O. B. D. Pushparaj,  
3. Shri O. B. D. Barath,  
4. Shri O. B. D. Ashok,  
5. Shri O. B. D. Arun.  
All r/o K. K. Nagar, Sathamangalam, Madurai.  
(Transferor)

- (2) 1. Shri A. V. P. Subramaniam,  
2. Minor A. V. P. Ilango.  
3. Minor A. V. P. Shernasegarajan,  
5/210, Sowkthali Modu, Paramakudi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Document No. 1283/79 JSRO I, Madurai.  
Land & Buildings at Door No. 27, Thottian Kinatru Lane, Madurai.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006.

Date : 13-12-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri S. P. Karuppiah and Smt. K. Rathinammal  
5/33, Chetty Street, Melur Town, Madurai.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. Seeniah Nadar, No. 86, Mothilal Main Road, Madurai.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th December 1979

Ref. No. 6/APR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 927/1 situated at Pudumandapam, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 543/79) on April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Document No. 543/79) SRO Pudumandapam.  
Vacant land—R.S. No. 927/1, Pudumandapam, Madurai.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-12-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—426GI/79

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th December 1979

Ref. No. 17/APR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Patta No. 10 situated at S. No. 51, 53 & 55, Athiyur Village, Shevroy Hills, Yercaud Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Yercaud (Doc. No. 60/79) in April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Kevi Saw Mills represented by power of Attorney Agent Shri K. V. Aboobacker, Merchant, Yercaud Main Road, Gorimedu, Salem-8.  
(Transferor)

(2) Shri K. Venkatesan, No. 234, Fairlands, Salem-4.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Document No. 60/79 SRO Yercaud  
Lands in Patta No. 10—S. No. 51—0.51 Acres.  
Lands in Patta No. 10—S. No. 53—2.28 Acres.  
Lands in Patta No. 10—S. No. 55—18.27 Acres.  
\_\_\_\_\_  
21.06 Acres.

in Athiyur Village, Shevroy Hills, Yercaud Taluk, Salem District.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-12-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I**

Madras-600 006, the 12th December 1979

Ref. No. 18/APR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4, situated at Kamala 2nd Street, Tallakulam, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Tallakulam, Madurai (Doc. No. 1367/79) on April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. B. Dhanalakshmi and Shri B. Nagarajan, No. 4, Kamala 2nd Street, Chinnachokkikulam, Madurai.

(Transferor)

(2) Shri K. Pandian, 29, V. P. Sadukkam 1st Lane, Madurai and Shri R. Jayaraman, No. 4, Kamla 2nd Street, Sokkikulam, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Document No. 1367/79 SRO Tallakulam.

Land and Buildings at Door No. 4, Kamala 2nd Street, Tallakulam, Madurai.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-12-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Sivagamisundariammal, W/o Shri Venkatasubbaier, Gandhi Extension, Namakkal Town.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. Chellammal, W/o Shri R. Sadasivam, Nadukkoil Village, Namakkal Taluk, Salem Dt.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006, the 12th December 1979

Ref. No. 26/APR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 81/2 and 90/3 situated at Nadukkoil Village, Namakkal Taluk, Salem Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Sendamangalam (Doc. No. 750/79) on April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Document No. 17/79 SRO, Sendamangalam

Agricultural lands in S. No. 81/2 and 90-3 in Nadukkoil Taluk, Namakkal Taluk, Salem District.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 12-12-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri R. G. Balasubramaniam, 20, Audiappa Grahamani Street, Royapuram, Madras-13.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri S. Bangaru Chetty,  
2. Shri B. Ravishankar Babu, and  
3. Shri B. Jagadeesh,  
ESBEC Poultries, 17, Fort Main Road, Salem-636 002.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006, the 12th December 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 65/APR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 281, 320 and 335 situated at Sanankollai, Mangatottam, Nyuri Kottai, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO I Madras North (Doc. No. 1619/79) on April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Document No. 1619/79 JSRO I, Madras North.

Agricultural lands in S. No. 281, 320 and 335, Sanankollai, Mangatottam, Nyuri Kottai.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri P. Sengottian, S/o Perumal Gounder, Kavundampalayam, Velore P.O. Namakkal Taluk.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) 1. Shri N. V. Marimuthu Gounder,  
2. Shri M. Kulaindaivelu,  
3. Shri M. Mani,  
4. Shri M. Serukalai,  
5. Shri S. Kandasamy Gounder,  
Kavundampalayam, Namakkal Taluk.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006, the 12th December 1979

Ref. No. 29/APR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 376/2C, 375/2, 376/2B, situated at 402/2, Punjaiudaiyar Melmugam Village, Velore, Namakkal Taluk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Salem (Doc. No. 591/79) on April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Document No. 591/79 JSRO I, Salem.

Agricultural lands in S. No. 376/2C, 375/2, 376/2B and 402/2 Punjaiudaiyar Melmugam Village, Velore P.O. Namakkal Taluk.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1979.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) 1. Shri R. Subbiah.  
 2. Minor Ravi Subbiah and  
 3. Minor Uma Subbiah.  
 No. 73, Chesny West Commander-in-Chief Road,  
 Madras-8.

(Transferor)

(2) 1. Shri N. Balasubramanian.  
 2. Minor N. S. Saravanan and  
 3. Minor N. S. Sekaran.  
 No. 131, North Avani Moola Street, Madurai.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE-I**

Madras-600 006, the 14th December 1979

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 32/APR/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15 situated at Town Hall Road, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 668/79) in April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Document No. 668/79 SRO Pudumandapam, Madurai.

Land and Buildings at Door No. 15, Town Hall Road, Madurai.

O. ANANDARAM  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 14-12-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) M/s Ravi Paints and Chemicals Ltd., No. 26, Armenian Street, Madras-600 001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Keci Sheth Sons, No. 38, Rajaji Road, Madras-600 001.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600 006, the 14th December 1979

Ref. No. 62/APR/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old Door No. 72, situated at Suryanarayana Chetty Street, Madras-1.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Madras North (Doc. No. 362/79) on April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein-as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE***Document No. 362/79 JSRO I, Madras North.*

Land and Buildings at Old Door No. 72, Suryanarayana Chetty Street, Madras-600 001.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 14-12-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) C. S. Padmanabhan, C. P. Rajagopal and C. R. Karthi 925, Poonamallee High Road, Vepery, Madras-84.  
(Transferor)

(2) Mrs. Tajunnissa Azeez, 61/63, Sullivan Garden, Madras-10.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-II**

MADRAS

Madras-600 006, the 13th December 1979

Ref. No. 7147.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 925 Poonamallee High Road, situated at Madras-84, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred Under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. No. 618/79) on April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building at 925, Poonamallee High Road, Madras-84.  
(Doc. No. 618/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
30—426GI/79

Date : 13-12-1979.  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Joghee Gowder (A) Thiya Joghee Thangadu Ovanaly, Balacala Village, The Nilgiris.  
(Transferor)

**'NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Sinigiammal W/o K. M. Dhonnaiah, Smt. Chinnammal W/o G. Ramaraj, Muttinad, Athigaratti Village, The Nilgiris.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II****MADRAS**

Madras-600 006, the 13th December 1979

Ref. No. 10147.—Whereas, I,  
**RADHA BALAKRISHNAN**,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at Muttinad, Ooty, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coonoor (Doc. No. 486/79) in April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agricultural lands at Muttinad 15 acres (Appx.)  
(Doc. No. 486/79).

**RADHA BALAKRISHNAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 13-12-1979.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dhanalakshmi Ammal Saraswathi Ammal Mani-karamayalam (Puduthottam) Ganapthy (PO) Coimbatore-6.

(Transferor)

(2) C. Ramakrishnan S/o Chinnayya Achari Thomas St., Coimbatore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 13th December 1979

Ref. No. 10116.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 251 situated at Oppanakara St., Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2683/79) in April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 251, Oppanakara St., Coimbatore. (Doc. No. 2683/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-12-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II

MADRAS

Madras-600 006, the 13th December 1979

Ref. No. 7202.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 57, situated at General Patters Road, Madras-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. No. 367/79) in April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) L. Jayendra Doss S/o L. Balamukundan 5, Luckumudas St., Park Town, Madras-3.

(Transferor)

(2) M. Shanmugham, 10, Pycrofts IIInd St., Madras-14. P. Shanmugham, 6, Jodd Govindas Nagar Road, Madras-14, K. Vijayalakshmi, 30, Begum Sahib 3rd St., Madras-2, K. Kannan, Begum Sahib 3rd St., Madras-2 and V. Arumugam, 16, Subedar Hussain St., Madras-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 57, General Patters Road, Madras-2. (Doc. No. 367/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 13-12-1979.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) E. S. Rajammal, 19, Conron Smith Road, North Gopalapuram, Madras-86, M. Sundaram, 11, Conron Smith Road, Madras-86.

(Transferor)

(2) C. Harikrishnan, 39, IV Main Road, R. A. Puram, Madras-28.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 13th December 1979

Ref. No. 7140.—Whereas, I  
**RADHA BALAKRISHNAN**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19 situated at Conron Smith Road, North Gopalapuram, Madras,  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 688/79) in April 1979,  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building 19, Conron Smith Road, North Gopalapuram, Madras.

(Doc. No. 688/79).

**RADHA BALAKRISHNAN**  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-12-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) M. Gurumurthy, 1, Dr. Thirumurthy Nagar Main St., Madras-34.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600006, the 13th December 1979

Ref. No. 7164.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Dr. Thirumurthy Nagar Main St., Madras-34, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. No. 578/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) K. Rajagopalan, 49, Srinivasaperumal St., Madras-14.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 1, Dr. Thirumurthy Nagar Main St., Madras-34. (Doc. No. 578/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Date : 13-12-1979  
Seal :

## FORM ITNS —————

(1) T. A. Balakrishnan, Vatsala Balakrishnan, C-45,  
Anna Nagar, Madras-40.  
(Transferor)

(2) K. Ravindran 14, Rajarathinam, St., Madras-10.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600006, the 13th December 1979

Ref. No. 7192.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-45, situated at Plot No. 148-A, Annanagar, Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 671/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building at C-45 Plot No. 148A, Annanagar, Madras-40. (Doc. No. 671/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 13-12-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600006, the 13th December 1979

Ref. No. 10174.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.F. No. 303/1 and 302/5, situated at Odanthurai Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1905/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sakunthala Devi W/o, Late S. N. P. Ponniarajan, Venkateswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore, P. Palakrishnan, S/o, Late S. N. P. Ponniarajan, Venkateswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore. (Transferor)
- (2) V. Doraiswamy Chettiar S/o Venkataraman Chettiar, D. Thayammal W/o V. Doraiswamy Chettiar, 396, Thyagi Kumaran St., Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agricultural Lands at Odanthurai, Avanashi Taluk, Coimbatore, (Doc. No. 1905/79). 7.37 Acres.

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Date : 13-12-1979

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

- (1) P. R. Balakrishnan S/o. Late S. N. P. Ponniarajan,  
Venkataswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.  
(Transferor)
- (2) V. Doraiswamy Chettiar S/o. Venkatarama Chettiar,  
D. Thyayammal W/o. V. Doraiswamy Chettiar, 396,  
Thyagi Kumaran St., Coimbatore.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**  
**COMMISSIONER OF INCOME TAX**  
**ACQUISITION RANGE-II.**  
**MADRAS**

Madras-600006, the 13th December 1979

Ref. No. 10174.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.F. 303/1, 304/1, 304/3, 322/1 and 302/5, situated at Odanthurai Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 1906/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Agricultural lands at Odanthurai Village 4.11 Acres. (Doc. No. 1906/79).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
31—426GI/79

Date : 13-12-1979

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600006, the 13th December 1979

Ref. No. 10169.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/114A, Race Course, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coimbatore (Doc. No. 2040/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Mrs. Parimalakanthi Ammal W/o. A. H. Srinivasa Rao, 11, Chittaranjan Road, Madras-600 018, Mrs. Mahalakshmi Ammal W/o. Sri V. T. Padmanabhan, High Grounds, Lakshmi Vilas, High Grounds, Bangalore-1, Mrs. Chandravadanamammal W/o. Sri Kannan, Amirthalaya S III, Paramahansa Road, Yadavapuram, Mysore.

(Transferor)

(2) S. R. Ranganathan S/o. Cherkuri Ramaswami Naidu, Ganapathipalayam, Udu malpet Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 8/114A, Race Course, Coimbatore. (Doc. No. 2040/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-12-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Parimala Kanthi Ammal W/o. A. H. Srinivasa Rao, 11, Chitaranjan Road, Madras-600 018, Mrs. Mahalakshmi Ammal W/o. Sri V. T. Padmanabhan, Lakshmi Vilas, High Grounds, Bangalore-1, Mrs. Chandravadanamsa W/o. Sri Kannan, Amirthalaya S III, Paramahansa Road, Yadavapuram, Mysore.  
(Transferor)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600006, the 13th December 1979

Ref. No. 10169.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/114, Race Course, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2039/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Coimbatore Masonic Charity Trust C/o N. R. Doraiswamy, Chartered Accountant, 8/114, Race Course Road, Coimbatore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 8/114, Race Course Road, Coimbatore. (Doc. No. 2039/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-12-1979

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Mrs. B. Leelavathy, B. V. K. Govindaraj 38, Raja Annamalai Chettiar Road, Madras-84, B. V. R. Venugopal, 11, Eswaradas Lala St., Madras-5.  
(Transferor)
- (2) B. Kantilal Jain, S. Suresh Kumar, Mrs. Shanta Bai, Mrs. Godavari Bai 172, Mint St., Madras-1.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600006, the 13th December 1979

Ref. No. 7143.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 38, situated at Raja Annamalai Chettiar Road, Madras-84 (Half Share)  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. No. 646/79) on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 38, Raja Annamalai Chettiar Road, Madras-84 (Half Share). (Doc. No. 646/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Date : 13-12-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Mrs. B. Leelavathy B. V. K. Govindaraj 38, Raja Annamalai Chetty Road, Madras. 84 B. V. R. Venugopal, 11, Eswaradas Lal St., Madras-5.  
(Transferor)

(2) Kantilal Jain,  
S. Suresh Kumar,  
Mrs. Shanti Bai  
Mrs. Godavar Bai  
172, Mint St., Madras-1.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II.

MADRAS

Madras-600006, the 13th December 1979

Ref. No. 7143.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38, Raja Annamalai, situated at Chettiar Road, Madras-84 (Doc. No. 551/79).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. No. 551/79) on April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 38, Raja Annamalai Chettiar Road, Madras. 84 (Half share).  
(Doc. No. 551/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Date : 13-12-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) K. L. Veerapadrappa S/o K. Lingappa Chettiar  
24, Jabarsha St., Trichy-8.  
(Transferor)

(2) Shahul Hameed,  
Basheer Ahmed,  
Mohammed Ibrahim,  
Naseer Hussain,  
Sheik Abdullah,  
69A, Saida Mohammed Rowther Road,  
Beemanagar, Trichy-1.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600006, the 18th December 1979

Ref. No. 8597.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.F.No. 232/1A, situated at Abishekapuram, Mannarpuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 1632/79) on April 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

## THE SCHEDULE

Land and building at S.F.No. 232/1A, Abishekapuram, Mannarpuram, Trichy.  
(Doc. No. 1632/79).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Date : 18-12-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
SINGER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 27th October 1979

Ref. No. 186-A/P.N./Roorkee/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule, situated As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Roorkee on 7-5-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) S/Shri Saheb Lal, Mahendra Singh and Ajit Singh s/o Kanwal Singh Alias Kabul Singh, Rejbir Singh self and brother Mr. Jasbir Singh, Harbir Singh (Naballig) s/o Saran Singh, Brajbir Singh, Satbir Singh s/o Saran Singh r/o Vill: Kalyanpur Alias Narsan Kala Post, Gurkul Narsan, Parg. Maglore Teh: Roorkee, Distt: Saharanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Ompal Singh s/o Rangbir Singh and Raphal Singh s/o Kabool Singh & Rajpal Singh s/o Dhoon Singh r/o Narsan Khurd, Parg. Maglore, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XYA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Khasara No. 74 measuring 8 Bighas, 16 Bishwa and 10 Biswansi and Khata No. 53 measuring 17 Bigha, 2 Bishwa and 15 Biswansi situated at Vill: Shepur, Parg. Maglore, Distt. Saharanpur.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 27-10-1979

Seal:

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 27th October 1979

Ref. No. 358-A/P.N./Baghpat/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baghpat on 28-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) S/Shri Satyabir Singh, Swatantra Singh S/o Kabool Singh R/o Ravan Alias Bara Gaon, Parg : & Teh : Baghpat, Distt : Meerut.  
(Transferor)

(2) S/Shri Surat Singh S/o Nyasar Singh, Chahal Singh S/o Baleo Singh, Satyapal Singh and Jaipal Singh S/o Katara Singh R/o Tipoli Parg : & Teh : Baghpat, Distt : Meerut.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural Land Khasara No. 39 situated at Vill : Ravan alias Bara' Gaon Parg. & Teh. : Baghpat-3 III, 4+12½ pat Baghpat) Distt. Meerut.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Kanpur

Date : 27-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE,  
 KANPUR

Kanpur, the 27th October 1979

Ref. No. 529-A/P.N./Deoband/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Deoband on 6-7-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Hukam Singh S/o Shishu R/o Rampur Maniharan, Mohalla, Kayasthan, Parg : & Post : Rampur, Distt : Saharanpur.  
 (Transferor)
- (2) Shri Bhanwar Singh S/o Nagina Singh and Smt. Savitri Devi Wife of Nagina Singh R/o Rampur Miniharan, Mohalla : Gangram, Parg : & Post : Rampur, Distt : Saharanpur.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural Land Khasara No. 440 m. Pukhta situated at Village Rampur Majvata Baran Tadud, Parg : 9 III) 4 Ram-pur, Teh : Deoband, Distt : Saharanpur.

B. C. CHATURVEDI  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range  
 Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
 32—426GI/79

Date : 27-12-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th October 1979

Ref. No. 555-A/P.N./Kairana/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana on 2-6-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Lahuddin Alias Lahuwa s/o Bakht R/o Village Bhoora, Prg. Kairana, Distt. Muzaffarnagar.  
(Transferor)

(2) Shri Kood Singh s/o Pratap Singh, Smt. Tej Kaur widow of Shadi Singh, S/Shri Bhajan Singh, Gurdeo Singh, Jagir Singh, Jagar Singh, Gurmel Singh, Bhag Singh, Ajayab Singh and Mahendra Singh All sons of Shadi Singh R/o Village Gokaran Garh Hall Damedi Khurd, Parg. Kairana, Distt. Muzaffarnagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural Land measuring 16(HI) 4-15 No. 1075/14, 1066/71-5, 1078/71, 1079/73-5 in 70 Part and 1/2 part Aaj 4-13 1143/7-13, 1293/74 in two parts situated at Village Jandhedi, Parg. Kairana, Distt. Muzaffarnagar.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Pritam Singh s/o Mehar Singh  
R/o Ram Rai Khedi, Rarg. Gangoh, Teh. Nakund,  
Distt. Saharanpur.  
(Transferor)

(2) S/Shri Jinda, Alinawaj, Umardin, Alamdin, Jamil  
(Balig), Afsar (Nabalig) sons of Abdal Vali,  
Kasam Ali, Shafi and Jinda  
sons of Salimuddin  
R/o Sagatheda, Post. Mahagi Parg. Gangoh,  
Teh. Nakund, Distt. Saharanpur.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th October 1979

Ref. No. 506-A/P.N./Nakur/79-80.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under **Section 269B** of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Nakund on 26-6-79

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—'

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publication  
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 25-18-0 Yearly Lagan 137-15  
situated at Vill. Ram Rai Kheda, Parg. Gangoh, Teh. Nakund,  
Distt. Saharanpur.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 29-10-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 6th November 1979

Ref. No. 391-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I,  
**B. C. CHATURVEDI**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 20-6-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Nirmal Kapoor wife of Shri B. P. Kapoor R/o M.I.G. House No. H. 1/4, Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Amarjit Singh, Rajendra Singh and Manjit Singh S/o Sardar Atma Singh R/o 128-H 1/4, Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. M.I.G.H.-1/4, Block 'H' One Hall No. 128 (H) 1/4, Kidwai Nagar, Kanpur.

**B. C. CHATURVEDI**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-11-1979

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 14th November 1979

Ref. No. 1146-A/Haridwar/79-80.—Whereas, I,  
**B. C. CHATURVEDI**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 26-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Devi Bai w/o Seth Pavan Das Self and Mukhtar Khas Min Janib Smt. Gang Devi wife of Shri Ashok Kumar D/o Seth Pavan Das,  
Smt. Pushpa Rani w/o Hargun Lal D/o Pavan Das R/o Jassa Ram Road, Mayapur Haridwar  
Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Sri Ram Sahaimal Sahuwala Chiritable Trust, 13 Kaithetrayal Garden Road, Madras 34 through Shri Ved Prakash Chowdhari s/o Shri Santal R/o 14, G.T. Road, Mohan Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One House single storey which constructed on plot No. 27 measuring 25 x 66 ft. situated at Jassa Ram Road Shrawan Nath Nagar, Mayapur Haridwar, Saharanpur.

**B. C. CHATURVEDI**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-11-1979  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Mahant Dwarka Nath Chela of Mahant Harinath Through Shri Deshraj Mukhtar Khas, Santa Garh, Distt. Saharanpur.  
(Transferor)
- (2) Shri Suresh Chand s/o Baljit Singh, Post : Khas, Niranjanpur, Distt. Saharanpur.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 14th November 1979

Ref. No. 1147-A/Acq/Haridwar/79-80.—Whereas 1, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Haridwar on 29-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One Kita Plot No. 347 measuring 871.00 Sq. yards situated at Shri Ram Nagar Colony, Ahmedpur Karak Station Road, Jwalapur Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-11-1979  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th November 1979

Ref. No. 1148/Hardwar/79-80.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Hardwar on 29-5-79  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons namely :—

- (1) Mahant Dwarkanath Chela of Swami Harinath  
Through Shri Desh Raj s/o Shri Prithvi Singh,  
Mukhtar Khas  
R/o Santagarh Teh. & Distt. Saharanpur.  
(Transferor)
- (2) Smt. Usha Rani wife of Shri Ram Bihari Gupta,  
Haki Chowk, Kankhal, Distt. Saharanpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Ek kita House situated at Station Road Jwalapur Hardwar.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-11-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 14th November 1979

Ref. No. 1149-A/Hardwar/79-80.—Whereas, I,  
**B. C. CHATURVEDI**,  
being the Competent Authority under section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred, under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hardwar on 29-5-79  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

- (1) Mahant Dwarkanath Chela of Swami Harinath  
Through Shri Desh Raj,  
Mukhtar Khas Mahant Dwarkanath,  
R/o Santagarh, Distt. Saharanpur.  
(Transferor)
- (2) Shri Subhash Chand Chela of Swami Girdhar Narain  
Puri Niranjani Akhada, Kankhal,  
Distt. Saharanpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Ek Kita Plot and Ek Kita Plot Araji measuring 167-5/9  
sq. yards, situated at Ram Nagar Colony, Jwalapur, Hardwar.

**B. C. CHATURVEDI**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 14th November 1979

Ref. No. 1150-A/Hardwar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number A as per schedule situated at A as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 3-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
33—426GI/79

- (1) Aarya Pritinidhi Sabha Punjab through Shri Dharmbir Vidyalandhar Sahaik Mukhya Adhishthata, Gurukul Kangari s/o L. Banna Ram Mukhtar Aam Minjanib Aaryaa Pritinidhi Sabha, Punjab.  
(Transferor)
- (2) Kapil International Pvt. Ltd.  
B-14, Vishal Enclave, New Delhi-110027 through Shri Prabhu Lal Dhabai, Director S/o Jhunta Lal, R/o 14, Vishal Enclave, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 2/1 Khasara No. 590 under the Limit of Nagar Palika Samiti Hardwar situated at Village Mayapur Parg. Jwalapur Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-11-1979

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 14th November 1979

Ref. No. 1151-A/Hardwar/79-80.—Whereas, I,  
**B. C. CHATURVEDI**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 1-6-79  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Dayal Dass Bhata s/o Baida Ram Bhata R/o Ranipur Mode, Hardwar Parg. Jwalapur Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

(2) Pt. Chand Shekhar Joshi s/o Vishnu Dutt Joshi R/o Mohalla Dhira Mandir, Jaura Gata Bazar, Jalandhar (Punjab).

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One House in Double Storeyed measuring 40 x 50 with water, Electric and fitting connection situated at Village Ahmedpur Karachh (Near Raipur Mera) Par. Jwalapur Distt. Saharanpur.

**B. C. CHATURVEDI**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-11-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 16th November 1979

Ref. No. 281-A/Kanpur.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 31-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Surendra Kr. Khanna,  
53/7(1), Old and New No. 53/26, Nayaganj,  
Kanpur.  
(Transferor)
- (2) Shri Mohinder Kr. Khanna,  
53/7(1), Old and New No. 53/26, Nayaganj,  
Kanpur.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House property No. 53/7(1) Old, and New No. 53/26 measuring 67.2 sq. yds. situated at Nayaganj, Kanpur.

**B. C. CHATURVEDI**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ram Lata Lal s/o Shankar Lal  
R/o Mo Toojai, Parg. Phajal Hall,  
Farrukhabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Anand Kumar Luhia s/o  
Shri Karuntimand Luhia  
R/o Farrukhabad, Kassyanya Mo. Khararan,  
95/138, Smt. Hardevi wife of Shri Gobardhan Lal  
and Smt. Ram Bati wife of Iswar Lal  
R/o Village Lelaive, V. Parihal Distt. Farrukhabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 17th November 1979

Ref. No. 728/Acq/Farrukhabad.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Farrukhabad on 2-6-79  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural Land 33/1-38 situated at Bhopat Paha Parg.  
Pahar, Distt. Farrukhabad.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 17-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Balwant Singh &/o Banwari Singh  
R/o Mubarakpur, Parg. Gangoh, Teh. Nakur,  
Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Manraj and Smt. Vidyawati  
R/o Village Gangoh, Teh. Nakur,  
Distt. Saharanpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th November 1979

Ref. No. 1152-A/Acq/Nakur/79-80.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/- and bearing No.  
as per Schedule situated at as per Schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Nakur on September 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publication  
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 28 Bigha situated at village  
Mubarakpur, Parg. Gangoh, Teh. Nakur, Distt. Saharanpur.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 17-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 20th November 1979

Ref. No. 171-A/Haridwar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 9-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Panjab Singh Chhotte Rishikesh  
Registered through  
Shri Ram Prakash Mehra  
s/o Shri Diwan Chand,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Lal  
s/o Shri Basakhi Ram  
r/o Shravan Nath Nagar, Haridwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

Land measuring 30×60 = 1800 Sq. Ft situated at Shravan Nath Nagar, Haridwar.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Sanat Kumar Sharma  
s/o Shri Jai Narain Sharma  
r/o Mohalla Kankhal Mukhtar Khas  
Rajendra Nath Madan.

(Transferor)

(2) Smt. Asi Devi, Chuni Lal Charitable Trust,  
Pili Bagna, Shri Ganga Nagar,  
Rajasthan.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd November 1979

Ref. No. 409-A/Acq/Saharanpur/79-80—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. as per Schedule situated at as per Schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Haridwar on 1-6-1979  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have  
not been or which ought to be disclosed by  
the transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said  
Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the  
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ek House measuring 2222/-6" requiring 12 rooms situated at Shravan Nath Nagar, Haridwar.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 21-11-1979  
Seal :

**FORM ITN3****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 22nd November 1979

Ref. No. 706/Acq/Aligarh/79-80.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Aligarh on 9-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Prasad  
s/o Shri Kevla  
r/o Chandania Kasba Kol,  
Aligarh.

(Transferor)

(2) Secretary  
Mansarovar Grih Nirman Sahkari Samiti,  
Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring  $\frac{1457}{2}$  2+3  $\frac{1459}{2}$  III) + 13 all  
Dokita Rakbai III) 2—16 and Lagan 10.15.**THE SCHEDULE**

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 22-11-1979  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 22nd November 1979

Ref. No. 70-A/P.N./Kanpur/79-80.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kanpur on 16-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Shanti Rani Agarwal  
w/o Shri Ram Shanker Agarwal,  
r/o Chowk, Kanpur

(Transferor)

(2) Shri Hardip Singh,  
r/o 17, Kunj Bihar, Kaushalpuri,  
Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

House Property No. 80/79, Bans Mandi, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 22-11-1979

Seal:

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 22nd November 1979

Ref. No. 1261/Acq/Aligarh/79-80.—Whereas, I,  
**B. C. CHATURVEDI**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 4-4-1979  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shanti Devi  
 wd/o Pt. Manishankar Dube,  
 Subhash Road, Aligarh.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Rani  
 w/o Shri Ashok Kumar,  
 Medical Officer,  
 Vivek Nagar, Poli Clinic,  
 Niralal Nagar, Lucknow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One House measuring 335.18 Sq. Ft. situated at Mamu-Bhanja, Aligarh.

**B. C. CHATURVEDI,**  
**Competent Authority**  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 22-11-1979

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Poornendu Vikas Bhattacharya S/o  
Late Shri Suresh Chand Bhattacharya R/o  
15/6, Civil Lines Doodh Wala Bangla,  
Kanpur.

(Transferor)

(1) Shri Anil Kumar S/o  
Shri Amarnath and  
Smt. Chanda Devi w/o  
Shri Amarnath R/o  
Hall 15/6, Civil Lines Doodh Wala Bangla,  
Kanpur.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th November 1979

Ref. No. TRN.761/Acq/Kanpur/79-80.—Whereas, I,  
**B. C. CHATURVEDI**  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 4-5-1979  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 15/6 situated at Doodh Wala Bangla, Civil Lines Kanpur.

**B. C. CHATURVEDI,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 27-11-1979

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Munnu Mal r/o  
106/1, Gandhi Nagar, Kanpur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**

**COMMISSIONER OF INCOME TAX,**

**ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 14th December 1979

Ref. No. 68-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 20-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) S/Shri Pyara Lal Talwar and  
Shri Premnath Talwar r/o  
15/281, Civil Lines, Kanpur.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One House measuring 540 Sq. Yds. No. 49/23 situated Pandu Nagar, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-12-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Gopal Dutt Khanduri s/o  
late Shri R. D. Khanduri r/o  
21/24 East Canal Road, Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR  
Kanpur, the 29th November 1979

Ref. No. 284-A/D.Dun/78-79.—Whereas, I,  
**B. C. CHATURVEDI**  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 28-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Suresh Kumar Khajuria s/o  
Shri Vasudev Sharma, r/o  
230 Karanpur, Dehradun  
through his mother Smt. Mangla Wati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Double storeyed House 21/24 measuring 4500 sq. yds situated at East Canal Road, Dehradun.

**B. C. CHATURVEDI,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 30-11-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) S/Shri Banarsi Das and Vishnu Prakash  
S/o Shri Kashinathji  
R/o Thatheran Gali, Mathura.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th December 1979

Ref. No. 753/Acq/Mathura/78-79.—Whereas, I,

B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 9-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Ghanshyam  
S/o Shri Ram Sharan Das  
R/o Sahgal Pura, Mathura, and  
Shri Ashok Kumar  
S/o Shri Banarsi Das  
R/o Dempiar Nagar, Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One immovable property No. 25/8 situated at Rani Mandi, Mathura.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 5-12-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th December 1979

Ref. No. 756/Acq/Mathura/78-79.—Whereas, I,  
**B. C. CHATURVEDI**,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have  
reason to believe that the immovable property, having a fair  
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. as per Schedule situated at as per Schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Mathura on 9-4-1979  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property, and  
I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent  
of such apparent consideration and that the con-  
sideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952  
(27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) S/Shri Banarsi Dass and Vishnu Prakash  
S/o Shri Kashinathji  
R/o Thatheran Gali, Mathura.

(Transferor)

(2) Firm Hind Chemical Industries,  
S/Shri Mathura and Ashok Kumar  
S/o Shri Banarsi Das  
through Partner Shri Ramesh Chand  
S/o Shri Girraj Prasad  
R/o Mandi Ramdas and  
Shri Mahesh Chand  
S/o Shri Satya Prakash  
R/o Balla Gali, Mathura,  
Shri Hansmukh  
S/o Shri Ram Swaroopji and  
Smt. Rasmi  
W/o Shri Jagesh Kumar Agarwal  
R/o Mandi Ramdas, Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDEULE**

One (immovable) property No. 25/8 situated at Rani Mandi,  
Mathura.

**B. C. CHATURVEDI,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 5-12-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 11th December 1979

Ref. No. 64-A/Kanpur/78-79.—Whereas I,  
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 27-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Ram Mohan Tiwari, S/o  
Shri Badri Pd. Tiwari, R/o  
87/137, Deo Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Bala Prasad Dixit, S/o  
Pt. Dwarika Prasad, R/o  
117/62, N-Block, Kakadeo, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House No. 117/112, situated at Kakadeo, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-12-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Ram Kumari Kapoor, W/o  
Shri R. B. Kapoor, R/o  
47/7, Maniram Baghia, Kanpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th December 1979

Ref. No. 65-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 ('16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 21-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Smt. Kiran Gupta, W/o  
Shri Ram Kishan Gupta, R/o  
33/107, Gaya Pd. Lane, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House Property No. B-159 measuring 1,000 Sq. Mtr. situated at Industrial Area Dadanagar, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
35—426GI/79

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 11-12-1979

Seal ;

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 12th December 1979

Ref. No. 754/Acq/79-80.—Whereas, I,  
**B. C. CHATURVEDI**,  
 being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mathura on 21-4-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Bihari Lal Jhunjhunwala  
 s/o Shri Bishesar Lalji  
 r/o Dausayat, Brindaban,  
 Mantri Bhagwan Majhanashram,  
 Brindaban

(Transferor)

(2) Shri Vishwanath Ganeriwal  
 s/o Shri Radhakishan Ganeriwal  
 r/o Calcutta, through  
 Smt. Bhagwati Devi Ganeriwal,  
 East Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One Plot measuring 2050 sq. yds bearing No. 13 situated at Raman Raiti, Brindaban.

**B. C. CHATURVEDI,**  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 12-12-1979

Seal :

## FORM ITNS

- (1) (1) Shri Shailendra Kumar s/o Shri Jwala Prasad,  
Talab Sabit Khan, Aligarh.  
(Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar s/o Shri Kanhaiya Lal Gupta,  
Gali Munsif, Hathras, Aligarh.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th December 1979

Ref. No. 605/Acq/Aligarh/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 23-4-1-979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to te undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of noice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House in double storied situated at Talab Sabid Khan, Aligarh, measuring 207.27 sq. mtr. in ward No. 9 and House No. 1.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1979  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Agya Kaur w/o Sardar Khajan Singh,  
R/o 111-A/241, Ashok Nagar, Kanpur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 10th December 1979

Ref. No. 1255/Acq/Kanpur/78-79.—Whereas, I, B. C.

CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 6-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) (1) Smt. Gurucharan Kaur w/o Sardar Teja Singh,  
(2) Mahendra and Sardar Surinder Singh s/o Teja Singh,  
R/o 104/435, Sisamau Hall 123/152, Factory Area Pratap Ganj, Gaderian Purwa Fazalganj, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House No. 123/152 and Hall 123/152 Factory Area Pratap Ganj, Gaderian Purwa, Phazal Ganj, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Rupawatibai Govindram Murjani,  
New Colony, Nagpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Smt. Vasudevi Chijaram Makhijani and  
(2) Smt. Kalawati Shrichand Makhijani,  
Both resident of House No. 533,  
New Colony, Nagpur.

(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR-10

Nagpur, the 11th October 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. IAC/ACQ/96/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLIAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 533, Ward, No. 69, New Colony, situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 18.4.1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 533, Ward, No. 69, New Colony, Nagpur (Area 609.67 Sqm.).

S. K. BILLIAYA  
Competent Authority  
Inspecting-Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-10-1979  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Rupawatibai Govindram Murjani,  
New Colony, Nagpur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.**

**COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,  
THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR-10

Nagpur, the 10th October 1979

No. IAC/ACQ/98/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLIAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 552, Ward, No. 69, New Colony, situated at Nagpur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 18th April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Shrichand Chijaram Makhejani,  
House No. 552,  
New Colony, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 552, Ward, No. 69, New Colony, Nagpur  
(Area 758.58 Sqm.).

S. K. BILLIAYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1979

Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Shri Digamber Kishanrao Diwanjee,  
Plot No. 32, Abhyankar Nagar, Nagpur.  
(Transferor)
- (2)(1) Shri Arunkumar Nilkanth Bhagat,  
Chartered Accountant, Badkas Chowk, Nagpur.  
(2) Dr. Yeshwant Wasudeorao Shilledar,  
Pothi Lane, Namak Ganj, Itwari, Nagpur.  
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR-10

Nagpur, the 13th October 1979

No. IAC/ACQ/97/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLIAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Plot No. 2, Ward, No. 5, Hindustan Colony, situated at Nagpur, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 16-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

**THE SCHEDULE**

Open Plot No. 2, Mouza Ajni Kh. No. 73, Ward No. 5, Hindustan Colony, Wardha Road, Nagpur.  
(Area 7177 sq. ft.).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. BILLIAYA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1979

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,  
THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR-10**

Nagpur, the 16th October 1979

No. IAC/ACQ/99/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLIAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. N.I.T. Plot No. 133, House No. 160, situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 12-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Baburao Motisao Chunodkar,  
Plot No. 133, Shivajinagar,  
Dharampeth Extension, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Vishwanath Munnalal Tiwari,  
213, Chandralok Building,  
Central Avenue Road, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Eastern Portion of N.I.T. Plot No. 133, in Shivaji Nagar, House No. 160, Dharampeth Extension, Nagpur.

S. K. BILLIAYA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 16-10-1979

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Snehalatabai Krishnaji Kulkarni,  
2135, Sadashiv Peth, Poona.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Kausalayabai Sitaram Khot,  
(2) Smt. Sunanda Vijay Kumar Khot,  
Both resident of Mahal, Nagpur-2.

(Transferees)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE,  
THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR-10

Nagpur, the 23rd October 1979

No. IAC/ACQ/100/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLIAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 11, Vlock 'K', situated at Laxminagar, Nagpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Nagpur on 23rd April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot No. 11, Block 'K' of Scientific Co-operative Society Ltd., Laxminagar, Nagpur (Area 8000 sq. ft).

S. K. BILLIAYA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—  
36—426GI/79

Date : 23-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS---

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**  
**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,  
THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR-10**

Nagpur, the 27th October 1979

No. IAC/ACQ/101/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLIAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

N.I.T. Plot No. 66, House No. 267, situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 3rd April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Uttamchand Maojibhai Siddapura,  
Circle No. 9/14, Itwari Bhanjimandi, Nagpur,  
(Transferor)
- (2) Smt. Vimlabai Ramraksha Mishra,  
Ambazari Layout, Nagpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

N.I.T. Plot No. 66, House No. 267, Division No. 8,  
Circle No. 20, Ward No. 72/74, Ambazari Layout, Nagpur.

S. K. BILLIAYA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 27th October 1979  
Seal ;

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR-10**

Nagpur, the 29th October 1979

No. IAC/ACQ/102/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLIAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 15, Kh. No. 34 and 35, P.H. No. 9, situated at Nagpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on April, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) (1) Shri Prashant Kumar Promod Chandra Sen Gupta, Congress Nagar, Nagpur.  
 (2) Smt. Nilima Surendranath Sengupta, R/o Wanjari Nagar, Nagpur.

(Transferors)

- (2) (1) Shri Rajesh Dajiba Gajbhiya,  
 (2) Shri Sudhir Lalmanji Gajbhiye, both resident of Plot No. 284, West High Court Road, Laxminagar, Nagpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot No. 15, out of Kh. No. 34 and 35, P.H. No. 9, in the Layout of the Central Railway Employees Cooperative Housing Society, Ajni, Nagpur.

S. K. BILLIAYA  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
 Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 29-10-1979

Seal

## FORM ITNS

- (1) Shri Keshvalal Lalu Bhai Patel through Special Power of Attorney holder Shri G. N. Patel, Ahmedabad.  
 (Transferor)
- (2) Smt. Rekha Gangadia w/o Shri Pravin Chandra Gangadia,  
 R/o Guest house near Veterinary hospital, Mt. Abu.  
 (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, JAIPUR  
 Jaipur, the 13th September 1979

Ref. No. Raj/AC(Acq.)/597.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. .... situated at Mt. Abu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mt. Abu on 2-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

First floor portion (except one room) of house known as Guest house near Veterinary hospital Mt. Abu and share in open land and more fully described in the sale deed registered by S. R. Abu Road vide registration No. 139 dated 2-4-1979.

M. R. AGGARWAL  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1979  
 Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 27th November 1979

Ref. No. Raj/AC(Acq).—Whereas, I, M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-22 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kulbhushan Sharma and others through Smt. Sarla Sharma, r/o Jaipur at present at Kuwait (Arabian Gulf) (Transferor)
- (2) Shri Kanahiyalal Yadava and Smt. Padmadevi Yadava, B-22 Govind Marg, Adrash Nagar, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property situated at Plot No. B-22 Govind Marg, Adrash Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 905 dated 17-4-1979.

M. R. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-11-1979

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Narendra Mohanlal Kasliwal, Jodhpur.  
(Transferor)

(2) Shri Gambhirmal s/o Shri Daulat Mal Oswal and  
Shri Mahender Kumar s/o Shri Gambhirmal Oswal,  
Plot No. 9 Veer Durgadass Marg, Paota, Jodhpur.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 27th November 1979

Ref. No. Rej/AC(Acq.)—Whereas, I. M. R.  
AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9-B situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 28-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

House property situated at plot No. 9 B-Road, Paota, Veer Durgadass Marg, Jodhpur and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jodhpur vide registration No. 800 dated 28-4-1979.

M. R. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-11-1979

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Mukat Beharil Bhargava s/o Late Shri Vinodilal Bhargava,  
R/o Beawar at present at Jaipur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th November 1979

Ref. No. Raj/AC(Acq.)—Whereas, I, M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. .... situated at Beawar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Beawar on 18-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) M/s. Mahaveer and Co. Beawar through its partners:  
1. Shri Mohan Singh Lodha s/o Shri Chiman Singh Lodha,  
2. Shri Gyan Chand Bohra s/o Premraj Bohra and  
3. Shri Lal Chand s/o Shri Tahalram Sindhi,  
R/o Beawar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Abadi land measuring 4 bigas situated at Nayanagar Beawar and more fully described in the sale deed registered by S. R. Beawar vide registration No. 703 dated 18-4-79.

M. R. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th November 1979

Ref. No. Raj/AC(Acq).—Whereas, I, M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. .... situated at Beawar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 19-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mukat Beharilal Bhargava s/o Late Shri Vinodilal Bhargava,  
R/o Beawar at present at Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s Mahaveer and Co, Beawar through its partners:  
1. Shri Mohan Singh Lodha s/o Shri Chhiman Singh Lodha,  
2. Shri Gyan Chand Bohra s/o Prem Raj Bohra and  
3. Shri Lal Chand s/o Shri Tahalram Sindhi,  
R/o Beawar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Abadi land measuring 4 bisas situated at Nayanagar, Beawar and more fully described in the sale deed registered by S. R. Beawar vide registration No. 1340 dated 19-6-1979.

M. R. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 27-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

- (1) Shri A. Suberminian s/o D. S. Papu Iyer, Rajmahal, Udaipur.  
 (Transferor)  
 (2) Shri Govindlal Advocate, 723 Sector No. 11 Hiranmagri Scheme, Udaipur.  
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th November 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Raj/AC(Acq).—Whereas, I, M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 723 Sector No. 11 situated at Udaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 4-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Property situated at Plot No. 723, Sector No. 11, Hiranmagri Scheme, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Udaipur vide registration No. 2148 dated 4-8-1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. R. AGGARWAL  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
 37—426GI/79

Date : 27-11-1979  
 Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Shri Kulbhushan Sharma and others through General Power of Attorney holder Smt. Sarla Sharma, Jaipur. (Transferor)
- (2) Shri G. L. Ramnani, B-22 Govind Marg, Adarsh Nagar, Jaipur. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 4th December 1979

Ref. No. Raj/AC(Acq.)—Whereas, I, M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-22 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 20-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property No. B-22 Govind Marg, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 635 dated 20-4-1979.

M. R. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-12-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 4th December 1979

Ref. No. Raj/AC(Acq.)—Whereas, I, M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Ladnu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ladnu on 26-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Malchand s/o Late Shri Sadaramji Ojha, R/o Ladnu, Distt. Nagaur and holder of General Power of Attorney of Shri Shyam Sunder Keela and Sitaram Keela Agarwal, R/o Ladnu and at present at Calcutta.

(Transferors)

(2) Shri Prabhu Singh s/o Late Shri Devi Singh, R/o Ladnu, Dist. Nagaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/5th share in the house property situated behind Sadar Bazar, near Mochhion Ki Gali at Ladnu, Distt. Nagaur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Ladnu vide registration No. 209 dated 26-4-1979.

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 4-12-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Malchand s/o Late Shri Sadaramji Ojha, R/o Ladnu, Distt. Nagaur and holder of General Power of Attorney of Shri Shyam Sunder Keela and Sitaram Keela Agarwal, R/o Ladnu and at present at Calcutta,  
(Transferors)

(2) Madan Singh s/o late Devi Singh  
R/o Ladnu, Dist. Nagaur.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 4th December 1979

Ref. No. Raj/AC(Acq.)—Whereas, I, M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Ladnu  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Ladnu on 26-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/5th share in the house property situated behind Sadar Bazar, near Mochion Ki Gali at Ladnu, Distt. Nagaur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Ladnu vide registration No. 210 dated 26-4-1979.

M. R. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 4-12-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 4th December 1979

Ref. No. Raj/AC(Acq.)—Whereas, I, M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Ladnu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ladnu on 26-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Matchand s/o Late Shri Sadaramji Ojha, R/o Ladnu, Distt. Nagaur and holder of General Power of Attorney of Shri Shyam Sunder Keela and Sitaram Keela Agarwal, R/o Ladnu and at present at Calcutta.

(Transferors)

(2) Shri Mohan Singh s/o Late Shri Devi Singh R/o Ladnu Distt. Nagaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/5th share in the house property situated behind Sadar Bazar, near Mochhion Ki Gali at Ladnu, Distt. Nagaur and core fully described in the sale deed registered by S. R. Ladnu vide registration No. 208 dated 26-4-1979.

M. R. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 4-12-1979

Sd/-

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 4th December 1979

Ref. No. Raj/Ac (Acq).—Whereas, I, M. R. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. House situated at Ladnu  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ladnu on 26-4-1979  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Malchand, S/o late Shri Sadaramji Ojha, R/o Ladnu, District Nagaur and holder of General Power of Attorney of Shri Shyam Sunder Keela and Sitaram Keela Agarwal, R/o Ladnu & at present at Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Ram Singh s/o late Shri Devi Singh, R/o Ladnu, Distt. Nagaur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/5th share in the house property situated behind Sadar Bazar, near Mochni Ki Gali at Ladnu, Distt. Nagaur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Ladnu vide registration No. 211, dated 26-4-1979.

**THE SCHEDULE**

M. R. AGGARWAL,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Jaipur

Date : 4-12-79

Scal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

- (1) Shri Jaidev Singh S/o Shri Pratapsingh Maharia  
R/o Fathepura, Udaipur.  
(Transferor)
- (2) Shrimati Kamla Bai w/o Shri Rameshkumar  
Dhakad, and Smt. Lehra Bai w/o Shri Hameral  
Dhakab r/o Vill. Sisoda Teh. Nathdwara, Udaipur.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th December 1979

Ref. No. Raj/AC/(Acq.)620.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 54-55, situated at Udaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 11-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 18070 sq. ft. and situated at New Fathepura, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Udaipur vide registration No. 1542 dated 11-4-79.

M. R. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-12-79

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/ —Whereas, I, M. R. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. , situated at town Fatehpur, District Sikar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri
  - 1. Jugal Kishore Jalan, 7-Digamber Jain Temple, Calcutta.
  - 2. Laxmi Dutt Jalan, Jullunder (Punjab).
  - 3. Hari Pd. Jalan, Jaipur (Rajasthan).
  - 4. Purshotamlal Jalan, 7-Digamber Jain Temple Road, Calcutta.
  - 5. Kesar Deo Jalan, 109-Mahatma Gandhi Road, Calcutta.

(Transferors)

- (2) S/Shri
  - 1. Abdul Aziz.
  - 2. Mohd. Ilyas,
  - 3. Gulam Nabi,
  - 4. Gulam Sarwar,
  - 5. Abdul Aziz,
  - 6. Abdul Jabbar,
  - 7. Lycat Ali,
  - 8. Mohammad Ali,
  - 9. Fateh Mohammad,
  - 10. Ismail,
  - 11. Jaffar,
  - 12. Mohd. Hussain,
  - 13. Basheer,
  - 14. Subedar Darab Khan,

All residence of Fatehpur, Distt. Sikar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2 bigha 9 biswa in Khasra No. 906 situated in New Ward No. 1, Town Fatehpur, District Sikar and more fully described in the conveyance deed registered by the Sub-Registrar, Calcutta vide Registration No. 1885 dated 4-4-79.

M. R. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-12-1979,  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 17th December 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/ —Whereas, I, M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. , situated at town Fatehpur, district Sikar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
38—426 GL/79

- (1) S/Shri  
 1. Jugal Kishore Jalan, 7-Digamber Jain Temple, Calcutta.  
 2. Laxmi Dutt Jalan, Jullunder (Punjab).  
 3. Hari Pd. Jalan, Jaipur (Rajasthan).  
 4. Purshotamal Jalan, 7-Digamber Jain Temple Road, Calcutta.  
 5. Kesar Deo Jalan, 109-Mahatma Gandhi Road, Calcutta.

(Transferors)

- (2) S/Shri  
 1. Abdul Aziz.  
 2. Mohd. Ilyas.  
 3. Gulam Nabi.  
 4. Gulam Sarwar.  
 5. Abdul Aziz.  
 6. Abdul Jabbar.  
 7. Lycat Ali.  
 8. Mohammad Ali.  
 9. Fateh Mohammad.  
 10. Ismail.  
 11. Jaffar.  
 12. Mohd. Hussain.  
 13. Basheer.  
 14. Subedar Sarab Khan.

All residence of Fatehpur, Distt. Sikar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 3 bigha 12 biswa in Khasia No. 908 situated in New A Ward No. 1, Town Fatehpur, District Sikar and more fully described in the conveyance deed registered by the Sub-Registrar, Calcutta vide registration No. 1866 dated 3-4-79.

M. R. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-12-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th December 1979

Ref. No. Raj/Ac(Acq.)/623.—Whereas, I, M. R.<sup>\*</sup>  
**AGGARWAL**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 304 situated at Mt. Abu  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abu Road on 18-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Mohanlal Karunshanker Shukla and Smt. Bhanumati Mohanlal Shukla, Nilima Park, Navrang Pura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Jyotindra Natver Lal Mehta, Near Kalyan Society Ellis Bridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing Plot No. 304 situated at Ward No. 4 Pilgrim Road Mount Abu and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Abu Road vide registration No. 151 dated 18-4-1979.

M. R. AGGARWAL  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Jaipur

Date : 24-12-79

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001**

Bangalore-560001, the 30th October 1979

C.R. No. 62/23507/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 162-164, situated at Arcot Srinivasa Char Street, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 170/79-80 on 16-4-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sayeedunnisa alias Faz Lunnisa w/o Late M. O. Rahman Khan rep. by the P.A. Holder Sri Mohammed Iqbal Ahmed Khan, No. 147, 1 Floor, 7th Main, 5th Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Shri Jeethmal Jain, No. 70, A. S. Char St., Bangalore-52 by P.A. Holder Sri Juyanthilal Jain.

(Transferee)

\* (3) M/s. J. K. Pharma.  
M/s. Petty Merchants Association.  
(Persons in occupation of the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

[Registered Document No. 170/79-80, dated 16-4-79.]

House property bearing Nos. 162-164, situated at Arcot Srinivasa Char Street, Bangalore.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-10-79

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. T. K. Sharadamma w/o late T. S. Krishnaswamy, No. 239, Rashtreeya Vidyalaya road, V. V. Puram, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Smt. M. Sakkubai w/o Sri N. S. Mani, No. 301, 1st Block Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th November 1979

C.R. No. 62/23451/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, I. P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 301/7, situation at 6th cross road, First Block, Jayanagar, Bangalore-11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore. Doc. No. 101/79-80 on 12-4-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

[Registered Document No. 101/79-80, dated 12-4-79]

Premises No. 301/7, 6th Cross road, First Block, Jayanagar, Bangalore,

Boundaries :

E. Site No. 300.

W. Property No. 302 belonging to Rangajah and

S. Site No. 287.

N. Link B' Main road.

**P. RANGANATHAN**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-11-79.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) Shrimati Leelavathi D/o Sri D. C. Channegowda,  
No. 522, 33 Cross, IV Block, Jayanagar, Bangalore-  
11.

(Transferor)

(2) Shrimati M. Aswathamma W/o K. N. Ramaswamy  
Reddy, No. 86, 8th Cross, Wilson Garden, Bangalore.  
(Transfereree)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th November 1979

CR. No. 62/23453/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 83, situated at 13th Cross, Wilson Garden, Lakkasandra Extn., Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Doc. No. 46/79-80 on 5-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act are defined in Chapter XXA of the said Act that Chapter.

**THE SCHEDULE**

[Registered Document No. 46/79-80, dated 5-4-79]

House property No. 83, situated at 13th Cross Wilson Garden (Lakkasandra Extn.) Bangalore.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-79.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001**

Bangalore-560001, the 15th November 1979

C.R. No. 62/23457/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 63/3, situated at 8th "A" Main Road, III Block, Jayanagar, Bangalore-560011 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Doc. No. 30/79-80 on 4-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. N. Kamalamma, 2. Smt. N. Vijaya, 3. Smt. N. Sujaya, 4. Smt. N. Sriyaya, 5. Smt. N. Vani, No. 60, III Block, 8th "A" Main Jayanagar, Bangalore-560011.

(Transferor)

(2) Shri N. Prakash, No 60, III Block 8th A Main, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

[Registered Document No. 30/79-80 dated 4-4-79]  
House property being no 60/3, situated at 8th "A" Main, III Block, Jayanagar, Bangalore-11.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 14th November 1979

C.R. No. 62/23559/79-80/Acq/B.—Whereas, I. P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 45/1, Old No. 102 situated at II Main Road, Seshadripuram, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 123/79-80 on 11-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shrimati T. Shobha, D/o Late Rangaswamy Iyengar, No. 140, II Main Road, Seshadripuram, Bangalore. (Transferor)

(2) Shri P. Madhu, S/o Late Sri Putta Shetty, 45/1, II Main Road, Seshadripuram, Bangalore-560020. (Transferee)

(3) (1) Sri Venkateswara Wet Grindei and R. K. Cycles Prop. Sri Ramakrishna.  
(2) Express Tailors, Prop: Sri Abdul Majid.  
(3) Sri Srinivas, Electrical Contractor.  
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of the act or arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 123/79-80, dated 11-4-1979]  
House property bearing New No. 45/1, II Main Road, Seshadripuram, Bangalore-560 020.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 14-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Parkash Wanti, w/o

**FORM ITNS**

(1) Dr. B. G. Acharya S/o Late D. Govindachar, No. 57, East End Road, Garuthaman Park, Basavanagudi Bangalore-4.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001**

Bangalore-560001, the 13th November 1979

C.R. No. 62/23634/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 550/53 Garuthaman Park, Northern portion of premises situated at East End Road, Basavanagudi, Bangalore-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore Doc. No. 32/79-80 on 3-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

[Registered Document No. 32/79-80 dated 3-4-1979].

Northern portion of premises bearing No. 550/53, Garuthaman Park, East End Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

*Boundaries :*

E : Remaining portion of property bearing No. 550/53 sold to Smt. G. Rukma and another.

W : Property belonging to Sri Sadashivaiah.

N : Road and

S : Remaining portion of the same number sold to Smt. G. Rukma and another.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th November 1979

C.R. No. 62/23658/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 16/2, Mun. No. 30, situated at 4th Cross Road, Ashokanagar, Bangalore-19, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Doc. No. 266/79-80 on 23-4-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri B. N. Venkataswamy alias Venkataswamy, S/o Narayanaswamy, No. 220/CITB No. 991, 4th Cross, Ashoknagar, Bangalore-19  
(Transferor)
- (2) Sri Balaji House Building Co-operative Society Ltd., Represented by its President, First Cross, Hanumanthanagar, Bangalore-19.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 266/79-80, dated 23-4-79]

Survey No. 16/2, Mun. No. 30, 4th Cross Road, Ashokanagar, Bangalore-19.

*Boundaries :*

E : CITB Land,  
W : Road,  
N : Site Nos. 983 to 990, 991A and 991B of BDA allotments and  
S : Road.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 13-11-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
39-426 GI/79

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001**

Bangalore-560001, the 21st November 1979

C.R. No. 62/23951/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, situated at K. K. Lane, 7th Cross, Cottonpet, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 527/79-80 on 12-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri C. Alingappa, S/o Late B. Channappa, No. 2, K. K. Lane, 7th Cross, Cottonpet, Bangalore-53. (Transferor)
- (2) Shri G. Hemraj, S/o K. Ganeshmalji, No. 123, Kesri Building, Mamulpet, Bangalore. (Transferee)
- (3) S/Shri T. M. Kunhi, P. P. Bhaskaran, K. P. M. Kunhi, S. Kanakaraj. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

[Registered Document No. 527/79-80, dated 12-4-1979].  
House property No. 87, New No. 2, situated at K. K. Lane, 7th Cross, Cottonpet, Bangalore.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri K. Subbaiah Chandrashekhar, Arisikere, Hassan,  
Transferor (s)(2) M/s Kalamady Enterprises, 105, Palace Guttahalli,  
Bangalore. Rep. by Partner Sri K. V. Niranjan.  
Transference (s)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st November 1979

C.R. No. 62/23966/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 105, situated at Seshadri Road, Palace Guttahalli, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 677/79-80, on 29-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 677/79-80, dated 29-5-79]  
House property bearing No. 105, situated at Palace Guttahalli, Seshadri Road, Bangalore.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 29th November 1979

Ref. No. III-365/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Circle No. 24, Holding No. 3, Ward No. 9, Sheet No. 67, Plot No. 112 situated at Ashoke Raj Path, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 9-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ram Bilas Sah, S/o Ram Charan Sah, At. Malki Kacheri, P. S. Malsalami, Dt. Patna. (Transferor)
- (2) Shri Nand Kumar Yadav, S/o Sri Ram Babu Yadav, Mohalla Marufganj, P. S. Malsalami, Dt. Patna. (Transferee)
- (3) General Paper Trading House, Patna. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

5 Annas 4 paise share in a building situated at Ashoke Raj Path, Patna and more fully described in deed No. 2123 dated 9-4-1979 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 29-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.——

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BORING CANAL ROAD

Patna-800001, the 29th November 1979

Ref. No. III-366/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Circle No. 24, Holding No. 3, Ward No. 9, Sheet No. 67, Plot No. 112 situated at Ashoke Raj Path, Patna, (and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 9-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Sri Kishori Lal Sah,  
2. Sri Ram Babu Sah,  
3. Sri Hira Lal,  
4. Sri Motilal all sons of Shri Jawahir Sah, At. Malki Katcheri P. S. Malsalami, Dt. Patna.  
(Transferor)
- (2) Shri Raj Kumar Verma, S/o Sri Ram Babu Yadav, At. Marufganj, P. S. Malsalami, Dt. Patna.  
(Transferee)
- (3) M/s General Paper Trading House, Patna.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

4 annas 3 paise share in a building situated at Ashoke Raj Path, Patna and more fully described in deed No. 2122, dated 9th April 1979 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 29-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE

BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 1st January 1980

Ref. No. III-367/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 74A Circle No. 20B, Ward No. 11 M. S. Plot No. 621 Tousi No. 802 Thana No. 137 situated at Kadan Kuan Congress Nagar, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 27-4-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ful Kumari Devi W/o late Shri Baljnath Prasad Singh Alias Noonoo Babu D/o late Kali Charan Singh At Village Rajpur Ps. Bikram Dist. Patna, Present—Kadam Kuan Congress Nagar, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Sharma S/o Shri Hridai Narain Sharma At V. & P.O. Pondoul, Dist. Madhubani.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ground Floor of a triple storied building with an area of land measuring 1 Katha 13 Dhoors situated at Kadaun Kuan Congress Nagar described in deed No. 2528 dated 27-4-79 registered with the District such Registrar Patna.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 1-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I  
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD  
 AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th December 1979

No. Acq. 23-I-2356(899)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 115, Plot No. 12, situated at Kalavad Road, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Hirjibhai Kalabhai; Kuvawada Road, Rajkot.  
 (Transferor)

(2) Jamnagar Transport Co., through partners :  
 1. Shri Mansukhlal Ranchhoddas;  
 2. Shri Ramniklal Panchoddas;  
 3. Shri Navinbhai Ranchhoddas;  
 4. Shri Jagdishchandra Ranchhoddas; Kuvawada Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 569-4-45 sq. yds., bearing S. No. 115, Plot No. 12, situated on Kuvawada Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 1309 dated 1-4-1979.

S. N. MANDAL  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 5-12-1979

Seal :

## FORM ITN—

(1) Ofisade Private Limited Shantisadan, Mirzapur Road, Ahmedabad-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ambalal Sarabhai Enterprises (Pvt.) Ltd., Wadi, Baroda.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE II

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th December 1979

Ref. No. P.R. No. 835 Acq.23/6-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 131/1, 131/2, 132 and 133 of Baroda and Industrial sheds and residential quarters situated at Baroda and Vapi respectively, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 17-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land admeasuring 25,288.62 sq. mts. at Subbanpura village, Baroda alongwith certain Industrial sheds and residential quarters situated at G.I.D.C. Industrial Estate Vapi and fully described in the 1st and 2nd Schedule respectively to the sale deed No. 625 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 17-4-1979.

S. N. MANDAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following

Date : 20-12-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

9-FOREST PARK, BIIUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 31st December 1979

Ref. No. 88/79-80/IAC(A/R)/BBS.—Whereas, I, B. MISRA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1084 situated in front of Ashoka Talkies, Sambalpur, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sambalpur on 23-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

40—426 GI/79

- (1) Shri Savendranath Mazumdar, Pensionpara, Sambalpur.  
(Transferor)
- (2) Shri Purendra Nayak S/o Madan Nayak of Padhanpada.  
(Transferee)
- (3) Shri P. S. Sasan, Sambalpur.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Nazul land, Sambalpur Mahal, Plot No. 1564—Area Ac. 0.01 dec. Plot No. 1563—Area Ac. 0.02 dec. and Plot No. 1565—Area Ac. 0.20 dec. Total Ac. 0.23 decimals located in front of Ashoka Talkies, Sambalpur.

B. MISRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date : 31-12-1979

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shrimati Kumudini Devi W/o Late Sripati Nanda,  
Odia Bazar, Cuttack.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Sitaram Agrawala S/o Mogharaj Agrawala,  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE**

**9-FOREST PARK, BHUBANESWAR-9**

Bhubaneswar-9, the 31st December 1979

Ref. No. 89/79-80/JAC(A/R)/BBS.—Whereas, I,  
**B. MISRA**,  
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2605 situated at Kusunpur Mouza near Jhola Sahi Cuttack,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Cuttack on 27-4-1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(3) Shri Syamsundar Agrawala S/o Sitaram Agrawala, Jhola Sahi, Cuttack.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

No. 203 Thana, Mouza Kusunpur, Khata No. 1298, No. 2077—Ac. 0.003, No. 2078—Ac. 0.032 and No. 2082—Ac. 0.136, Total Ac. 0.171 decs. land with building situated near Jhola Sahi, Cuttack.

**B. MISRA**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhubaneswar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-12-1979

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Biswanath Modi and 9 others Golebazar, Sambalpur.  
(Transferor)
- (2) Kishore Chandra Desai and 3 others, Nayapara,  
Sambalpur.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
9-FOREST PARK, BHUBANESWAR-9  
ORISSA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Bhubaneswar-9, the 19th December 1979

Ref. No. 87/79-80/IAC(A/R)/BBS.—Whereas, I, B. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1090, situated at Dalaipara, Sambalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sambalpur on 23-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

A Dhaba house situated at Dalaipara, Sambalpur town in Ward No. 5 (old) No. 8 (New over Municipality Holding No. 250 (Old), 284 (Old) and No. 293 (New) having an area of 1104 Sqft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

B. MISRA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date : 19-12-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Satpal S/o Shri Sham Lal and Smt. Veena Rani  
W/o Shri Satpal R/o 359-R, Model Town,  
Yamuna Nagar.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal Gujral S/o Shri Ram Lal Gujral,  
359-R, Model Town, Jamna Nagar, Tch. Jagadhari.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 9th January 1980

Ref. No. JDR/1/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 359-R, measuring  $50' \times 70' = 3500$  Sq. ft. situated at Model Town Yamunanagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yamunanagar in April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :-**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property being a house No. 350-R situated in Model Town, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 340 dated 25-4-1979 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 9-1-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 9th January 1980

Ref. No. DLI/3/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 18 kanals 17 marlas situated at village Palla, Teh. Ballabgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Ram Kali and Smt. Shanti D/o Shri Hukami S/o Shri Har Gian R/o Vill. Palla Teh. Ballabgarh Distt. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s Greater Delhi Planner Pvt. Ltd. 3, Shanker Market, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property being land measuring 18 Kanals 17 Marlas situated in Village Palla Teh. Ballabgarh Distt. Gurgaon and as mentioned more in the sale-deed registered at No. 231 dated 20-4-1979 with the Sub Registrar, Delhi.

G. S. GOPALA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1980  
Date : 9-1-1980

**FORM ITNS**

- (1) Shri Sham Lal Jindal S/o Shri Rama Nand Jindal  
Resident of Hissar.  
(Transferor)
- (2) M/s Shree Krishna Textile, Hansi Teh. Hansi Distt.  
Hissar.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**  
**COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 9th January 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. HNS/4/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory Building known as Haryana Metal and Steel Industries, situated at G.T. Road, Hansi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hansi in April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property being factory building known M/s Haryana Metal and Steel Industries, Hansi (situated at G.T. Road, Hansi) and more mentioned in sale deed registered at Sr. No. 190 dated 27-4-1979 with the Sub-Registrar, Hansi.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Rohtak

Date : 9-1-1980  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th January 1980

Ref. No. RWR/1/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential house situated at Circular Road, Rewari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewari in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ajudhia Nath S/o Shri Bansil Lal, Circular Road, Opposite Church, Rewari.  
(Transferor)

(2) Smt. Sharda Kapoor W/o Dr. V. B. Kapoor, Opposite Church House Circular Road, Rewari.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property being a house situated on Circular Road, Rewari and as more mentioned in the Sale-deed Registered at Sr. No. 506 dated 4-6-1979 with the Sub-Registrar, Rewari.

G. S. GOPALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 9-1-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA**

Calcutta, the 25th July 1979

Ref. No. Ac-13/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. Plot No. 76 situated at Block-E, New Alipore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 16-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Umar Khan, 34, Shamsul Huda Road, Calcutta-17,  
 (Transferor)
- (2) M/s. Injar (India) Ltd., 160/C, Chittaranjan Avenue, Calcutta.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land measuring 1-cottah & 2-chittaks more or less (Revenue Free land) being portion of Plot No. 76, Block-E, New Alipore.

S. C. YADAV,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
 Acquisition Range-II,  
 Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 25-7-1979  
 Seal

**UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION  
NOTICE  
SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES'  
EXAMINATION, 1980**

New Delhi, the 26th January 1980

No. F5/1/79-EL(B).—An examination for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers will be held by the Union Public Service Commission at No. 1, Lutyens' Bungalow Zone, New Delhi, on the 26th January 1980.

The examination will be held at the following centres:

AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATIALA, PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on the 8th July, 1980 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated the 26th January, 1980.

**THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure para 11).**

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of the examination is 14. This number is liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

**NOTE :—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1980. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1980, WILL NOT BE ENTERTAINED.**

4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 on or before the 24th March, 1980 (7th April, 1980, in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 24th March, 1980) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 24th March, 1980.

5. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 36.00 (Rs. 9.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

41—426 GI/79

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be for credit to the account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

**APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING PERMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 6 BELOW.**

6. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India, on or after 1st June 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A refund of Rs. 21.00 (Rs. 5.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note II below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

**8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.**

R. S. AHLUWALIA, Dy. Secy.  
Union Public Service Commission

**ANNEXURE**

**INSTRUCTIONS TO CANDIDATES**

*1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.*

**BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.**

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forward his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

3. A candidate must send the following documents with his application :—
- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See para 5 of Notice).
  - (ii) Attested/certified copy of certificate of Age.
  - (iii) Attested/certified copy of certificate of Educational qualification.
  - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
  - (v) Statement in the candidate's own handwriting and duly signed giving a short narrative of his career at school and college and mentioning both his educational and sports success.
  - (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable. (See para 4 below).
  - (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission where applicable (See paras 5 and 6 below).
  - (viii) Attendance sheet (attached with the application form), duly filled in.
  - (ix) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms x 27.5 cms.

**NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) and (vii) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER, 1980. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.**

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4, 5 and 6 :—

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee*—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

"Pay to the Secretary Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee*—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) *Certificate of Age*.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University.

A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send to addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

**NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the age containing entries relating to age.**

**NOTE 2.—CANDIDATE SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSIONS TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL ORDINARY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.**

(iii) *Certificate of Educational qualification*.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualifications. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the Intermediate or any other qualifying examination submitted by a candidate in support of his educational qualification does not indicate all the subjects passed, an attested/certified copy of a certificate from the Principal showing that he has passed the qualifying examination with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry must be submitted.

A candidate whose case is covered by Rule 6(c) or Rule 6(f) must submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Registrar of the University/Principal of the College/Head of the Institution concerned as proof of the educational qualification possessed by him.

*The form of certificate to be produced by the candidate.—*

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\* ..... son/daughter\* of Shri ..... is/was\* a bona fide student of this University/College/Institution\*

2. He/she\* has passed the first year examination under the three year degree course/first year examination of the five year Engineering Degree Course/first Examination of the

three year diploma course in Rural Services of the National Council for Rural Higher Education\* and is not required to reappear in any of the subjects prescribed for the first year.

*Or*

He/she\* has passed in ..... division the first/second\* year examination of the three year degree course/first year examination under the five year Engineering Degree Course\* conducted by the University of .....

3. @ He/she\* was examined in the following subjects :

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

@Not applicable to those studying for the five year degree course in Engineering.

(Signature of the Registrar/Principal)  
(Name of the University/College/Institution\*)

Date.....

Place.....

\*Strike out whichever is not applicable.

A candidate covered by Note 1 below Rule 6 must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Headmaster of the institution from where he passed the examination showing that his aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to this examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates must, however submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Principal of the College/Institution concerned. They will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 5th September, 1980.

A candidate thus admitted is required to submit the proof of passing the qualifying examination by the above time limit, whether he qualifies or not at the written part of this examination. If he fails to comply with this instruction his candidature will be cancelled and he will not be entitled to know the result.

*The form of certificate to be produced by the candidate.*

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\* ..... son/daughter\* of ..... is expected to appear/has appeared\* at ..... Examination conducted by ..... in the month of ..... 19 ..... with the following subjects—

- (i) .....
- (ii) .....
- (iii) .....
- (iv) .....

(Signature of Principal)  
(Name of the College/Institution\*)

Date.....

Place.....

\*Strike out whichever is not applicable.

(iv) Two copies of photographs.—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. X 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided

therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii), 3(iv) and 3(v) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office [except as provided for in Note under paragraph 3(iii) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents' (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

*The Form of the certificate to be produced by Scheduled Castes/Schedule Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.*

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\* ..... son/daughter\* of ..... of village/town\* ..... in District/Division\* ..... of the State/Union Territory\* ..... belongs to the ..... Caste/Tribe\* which is recognised as Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under :—  
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950\*  
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*  
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\*  
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951\*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Re-organisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966 the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern ... R. ... Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir)  
Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands)

Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli)  
Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli)  
Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry)  
Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes)  
(Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu)  
Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu)  
Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes  
Order, 1970\*

2. Shri/Shrimati/Kumari\* ..... and/or\* his/her\*  
family ordinarily reside(s) in village/town\* ..... of  
..... District/Division\* of the State/Union  
Territory\* of .....

Signature .....  
\*\*Designation .....  
(with seal of office)

Place .....  
Date .....

\*Strike out whichever is not applicable.

State\*

Union Territory

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The terms "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/<sup>†</sup>Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

<sup>†</sup>(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5(b)(ii) or (b)(iii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b)(iv) or 5(b)(v) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to

India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b)(vi) or 5(b)(vii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1964.

(iv) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(b)(viii) or 5(b)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director General Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in disturbed area, and release as a consequence thereof.

*The form of the certificate to be produced by the candidate.*

Certified that Rank No. ..... Shri .....  
Unit ..... was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature .....  
Designation .....  
Date .....

\*Strike out whichever is not applicable.

(v) A candidate disabled while in the Border Security Force, claiming age concession under Rule 5(b)(x) or 5(b)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

*The form of certificate to be produced by the candidate.*

Certified that Rank No. ..... Shri .....  
of Unit ..... was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature .....  
Designation .....  
Date .....

(vi) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(b)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(vii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(b)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(i), (ii) and (iii) above and seeking remission of the fee under paragraph 6 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required, should apply to the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board), for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed of the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with the provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. PAMPHLETS CONTAINING RULES AND QUESTIONS.—With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the Special Class Railway Apprentices' Examination, 1978, the printing of pamphlets containing rules and question papers of this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of the preceding examinations up to the examination held in 1977 are on sale with the Controller of

Publications, Civil Lines, Delhi (110054), and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-(110001), (ii) Sale Counter of Publication Branch, Udyog Bhavan, New Delhi-(110001) and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets, are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

13. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-(110011) AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

